क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोलाई
१८११८	द्वादशभावफल अपूर्ण	८	सं०				१९मो	उत्तम	९।।। × ४।
१८११९	त्रिषष्टिशलाकापुरुषचरित्र दशमपर्व पंचमसर्ग पर्यंत.	४१	सं०	आ० श्रीहेमचंद्रसूरि			१७मो	उत्तम	९।। × ४।
१८१२०	बावनी कवित्त	११	गू०	गुरुदासऋषि			१८८१	,,	,,
१८१२१	शालिभद्र चोपाइ	३१	,,	मतिसार		१६७८	१८मो	,,	,,
१८१२२	दानशीलतपभावना संवाद[1]	६	,,	समयसुंदर		१६६२	१८८९	,,	९।। × ४।।
१८१२३	चंपकश्रेष्ठि चोपाइ	२५	,,	समयसुंदर		१६९५	१८७९	,,	९।।। × ४।
१८१२४	होराचक्र विवरणादि	४	सं०				१९मो	मध्यम	९।।। × ४।
१८१२५	स्तुतिस्तवनादि	२	सं०हिं०				,,	उत्तम	८ × ४।
१८१२६	राजमती के रेखते	३	हिं०	**लालन विनोद**			,,	,,	९।। × ४।
१८१२७	अतिचार प्रायश्चित्त	५	गू०				१८मो	,,	९।। × ४।
१८१२८	प्रहेलिका	२	हिंदी				,,	,,	९।।। × ४।।।
१८१२९	जंबूचरित्र चोपाइ	२६	गू०	पद्मचंद्र	गाथा१५०५	१७१४	१८५४	,,	९।।। × ४।
१८१३०	पंचवाक्य प्रश्नशकुनावली	४	गू०				१९ मो	,,	९।।। × ४।
१८१३१	सिंदूरप्रकर सार्थ	२५	सं०गू०				१८७४	,,	९।।। × ४।।
१८१३२	तद्धितोपदेश सटीक त्रिपाठ	१०	सं०	मू० बंगदास			१७३६	,,	९।। × ४।
१८१३३	सिंदूरप्रकर सावचूर्णि	२३	,,	मू० सोमप्रभ			१९मो	,,	९।।। × ४।
१८१३४	गुणस्थानक द्वार	४५	हिंदी				१९३५	,,	१० × ४
१८१३५	दुर्गासप्तशती व्याख्यान	३८	सं०	नागोजी भट्ट			१८४७	,,	१० × ४।
१८१३६	दान शील तप भावना स्वाध्याय सस्तबक	६	प्रा०गू०	मू० अशोकमुनि			१७ मो	मध्यम	१०। × ४।
१८१३७	नवतत्त्व प्रकरण	४	प्रा०		गा० ४४		१७५२	उत्तम	,,
१८१३८	संवेगस्वरूप सस्तबक	१२	प्रा०हिं०		मू० गा०५७		१९मो	मध्यम	१० × ४
१८१३९	कल्पान्तर्वाच्य अपूर्ण	४९	सं०				१७मो	,,	१०। × ४।
१८१४०	अणुव्रत कथा गद्य	२२	सं०				१८मो	मध्यम	१०। × ४।

१. पत्र ३जुं नथी.

क्रमांक	पुस्तकनु नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोलाई
१८१४१	नंदिअड्ढछंदःप्रकरण	७	प्रा०				१८मो	मध्यम	१०। × ४।
१८१४२	दशाश्चर्याणि	७	सं०				१८मो	मध्यम	१० × ४।
१८१४३	प्रश्नविलास अपूर्ण[१]	९	सं०				,,	,,	१० × ४।
१८१४४	सारस्वत टीका प्रथमा वृत्ति[२]	५०	,,	पुंजराज			,,	,,	१०। × ४।।
१८१४५	उपदेशमाला प्रकरण सावचूरि[३]	४२	प्रा०सं०	मू० धर्मदास गणि	२५००		,,	,,	१०। × ४।
१८१४६	सिद्धांतचंद्रिका	६८	सं०	रामचंद्राश्रम			१७५९	,,	१०।। × ४।
१८१४७	वसुधारास्तोत्र	५	सं०				१८७८	उत्तम	११ × ५
१८१४८	साधुवंदना	५	गू०	पासचंद			१९मो	,,	११ × ५।
१८१४९	सिंदूरप्रकर सबालावबोध अपूर्ण	११	सं०गू०	मू० सोमप्रभ			१७मो	,,	११। × ४।।
१८१५०	उपदेशश्लोकाः	७	सं०				१९ मो	,,	११ × ५
१८१५१	प्रकरण बोल	३	हिंदी				,,	,,	११ × ४।।।
१८१५२	अमरसेन-वयरसेन कथा	१२	सं०				२०मो	,,	,,
१८१५३	देशबंध-सर्वबंध वर्णन	२	गू०				१९मो	,,	११ × ५
१८१५४	पाणिनीय व्याकरण त्रिपदी	२	सं०				,,	,,	११। × ५
१८१५५	उत्पत्तिगीत	५	गू०	श्रीसार			१८७८	उत्तम	११। × ५
१८१५६	श्रावकनिर्जराविचारादि	२	गू०प्रा०				१९मो	,,	११ × ५
१८१५७	पंचेन्द्रिय चोपाइ	५	हिंदी			१७५१	१८००	,,	११। × ४।।।
१८१५८	संवेगमंजरी सस्तबक	४	प्रा०गू०				१९मो	जीर्ण	११ × ५
१८१५९	वंध्योपचार वैद्यक	२	हिंदी				,,	उत्तम	११ × ४।।।
१८१६०	पंचेन्द्रिय चोपाइ	५	,,			१७५१	,,	,,	१०।।।×४।।।
१८१६१	सुभाषित रत्नावली सस्तबक	३८	सं०हिं०		मू० ३८९		१७७७	,,	११ × ५
१८१६२	पर्युषणाऽष्टाह्निका व्याख्यान सस्तबक	३३	सं०गू०	मू० उदयसोमसूरि		मू०१८९३	१९०३	,,	,,
१८१६३	पाशा केवली	८	सं०	गर्गर्षि			१८२७	,,	११×४।।।
१८१६४	शीघ्रबोध	२५	,,	काशीनाथ			१९मो	,,	११ × ५
१८१६५	वज्रसूचि उपनिषद्	४	,,	शंकराचार्य			१९मो	,,	११ × ४।।
१८१६६	प्रकीर्णक ज्योतिष	५	,,				१८९९	उत्तम	११ × ५

१. पत्र ६, ७ नथी. २. प्रथमावृत्ति ३. अंत्यपत्र जीर्ण छे.

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
१८१६७	प्रश्नप्रदीप	७	सं०	काशीनाथ			१९मो	उत्तम	११ × ५
१८१६८	दंडक प्रकरण सस्तबक	५	प्रा०गू०	मू० गजसारमुनि			१७८९	मध्यम	११ × ४।।।
१८१६९	गुणस्थानकद्वार आदि	८	गू०				१९मो	उत्तम	११ × ४।।।
१८१७०	कल्याणमंदिर सटीक	८	सं०	मू० कुमुदचंद्र			१८८८	,,	११ × ५
१८१७१	कुमारसंभव काव्य अपूर्ण[१]	१०	,,	कालिदास			१९मो	,,	११ × ४।।
१८१७२	सुमित्रकथा अपूर्ण	७	,,				,,	मध्यम	११ × ४।।।
१८१७३	आदित्यहृदय स्तोत्र[२]	७	,,				१८७६	उत्तम	११ × ५
१८१७४	सम्यक्त्व ६७ भेद विचारादि	४	गू०				१९मो	,,	११ × ४।।।
१८१७५	निमित्तशास्त्र	२३	सं०	भद्रबाहु			१७२०	मध्यम	११ × ५
१८१७६	धर्मोपदेशश्लोकाः	९	,,				१९मो	उत्तम	१०।।×४।।।
१८१७७	स्तुति-स्तवनादि[३]	६	गू०				,,	,,	,,
१८१७८	भक्तामरस्तोत्र	८	सं०	मानतुंगसूरि	काव्य ४८		१८मो	,,	११ × ५
१८१७९	शास्त्रीयचर्चा[४]	३४	हिं०प्रा०				१९२६	,,	,,
१८१८०	वीरस्तुति अध्ययन सस्तबक	३	प्रा०गू०				१९मो	,,	,,
१८१८१	संवरकुलक, सस्तबक	१	,,				१६९१	मध्यम	१०।।×४।।
१८१८२	शास्त्रीयचर्चा[५]	७	गू०				१८९३	उत्तम	१०।।।×५
१८१८३	सिद्धहेमशब्दानुशासन सूत्रपाठ अपूर्ण	१०	सं०	श्री हेमचंद्रसूरि			१९मो	,,	,,
१८१८४	वृद्धचाणाक्यराजनीति अपूर्ण[६]	१५	,,				,,	,,	१०।।।×४।।।
१८१८५	शुकाष्टक	१	,,	गंगाधरेन्द्र सरस्वती			,,	,,	,,
१८१८६	गांगेयभंगप्रकरण सस्तबक	२३	प्रा.गू.	पद्मविजय स्त. स्वोपज्ञ			१९१६	उत्तम	१०।।। × ५।
१८१८७	प्रकीर्णक ज्योतिष	४	सं.				१९मो	उत्तम	१०।।। × ४।।।
१८१८८	सारस्वत धातुपाठ	१२	,,	हर्षकीर्तिसूरि			१८१९	,,	११।। × ४।।।
१८१८९	मार्गणाद्वार बोल	२	गू.				१९मो	,,	११ × ४।।
१८१९०	मायाबीज कल्प[७]	९	सं.				१८९३	,,	११ × ४।।।
१८१९१	दंडकप्रकरण सावचूरि, पंचपाठ	४	प्रा.गू.	मू. गजसार मुनि			१८मो	उत्तम	१०।।। × ४।।।
१८१९२	साधुवंदना	५	गू.	पासचंद			१९मो	मध्यम	१०।।। × ४।।।

१. तृतीय सर्ग पर्यंत २. भविष्योत्तर पुराण गत. ३. पत्र ३३, ३४, ३७, ३८, ४०, ४५ना अंकवाला मलीने कुल छ पत्र छे. ४. प्रथम पत्र नथी ५. स्थानकवासी साथे शास्त्रार्थ ६. पत्र ७मुं नथी ७. पत्र ८मानी प्रथम पृष्ठीमां संवत छे.

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
१८१९३	जीवविचारप्रकरण सस्तबक	५	प्रा०गू०	मु. शांतिसूरि			१७९०	मध्यम	१०।।। × ४।।।
१८१९४	वैद्यमनोत्सव	२०	हिंदी	नयनसुख		१६४६(१)	१९२५	उत्तम	१०।।। × ४।।।
१८१९५	प्रभावी गुटिकाकल्प	३	गू०				१९मो	,,	,,
१८१९६	सुरप्रियकुमार रास	१३	,,				१७००	मध्यम	१०।।। × ५
१८१९७	षड्दर्शनविचार सुभाषितादि	३	हिंदी				१९मो	उत्तम	१०।। × ४।।
१८१९८	(१) ऋषभदेव विवाहलो }	१-५	गू०	ऋषभदास			,,	,,	,,
	(२) नेमभ्रमर गीता }	५-७	,,	विनयविजयोपाध्याय		१७०६	,,	,,	,,
१८१९९	निन्हवांकी चर्चा	३३	हिंदी				१९२६	,,	१०।।। × ४।।।
१८२००	उपासकदशांगसूत्र	३०	प्रा०				१६६९	,,	१०।।। × ४।।।
१८२०१	प्रसूतिकाध्याय[1]	२	सं०				१९०५	,,	१०।।। × ५
१८२०२	सप्तनाडीचक्र[2]	१	सं०				१९मो	,,	१०।।। × ४।।।
१८२०३	धर्मोपदेशश्लोकसंग्रह सटीक	९	,,				,,	,,	१०।।। × ५
१८२०४	प्रास्ताविककवित	३	हिंदी				,,	,,	,,
१८२०५	षट्पंचाशिका सस्तबक	५	सं०गू०	मू० पृथुयशा			,,	,,	११ × ४।।।
१८२०६	(१) रागमाला }	१	सं०				१७९८	,,	१०।।। × ४।।।
	(२) रागमाला }	१-४	हिंदी				,,	,,	,,
१८२०७	वैतालपच्चीसी	२१	गू०	हेमाणंद		१६८६	१८२६	,,	,,
१८२०८	शारदीया नाममाला	२९	सं०	हर्षकीर्तिसूरि			१८६८	,,	१०।। × ५
१८२०९	संग्रहण्यवचूरि	२८	,,				१६९१	,,	१०।।। × ४।।।
१८२१०	अढीद्वीपविचार	६	गू०				१९मो	मध्यम	,,
१८२११	त्रैलोक्यसारविचार चोपाई	१३	,,	सुमतिकीर्ति			१९४६	उत्तम	१०।। × ५
१८२१२	पंचदर्शीयंत्रपद्धति	४	सं०				१९मो	,,	,,
१८२१३	दानादिकुलक सस्तबक	४	प्रा०गू०	मू० अशोकमुनि			१८२२	,,	;,
१८२१४	ऋषभोपदेश[3]	२	सं०				१९मो	,,	,,
१८२१५	वैद्यक गद्य	१५	हिंदी				,,	,,	,,
१८२१६	अमरकोश प्रथमकांड सटिप्पन	२२	सं०	अमरसिंह			१९३७	,,	,,

१. ज्योतिष छे. २. ज्योतिष छे. ३. स्कंद पुराण गत.

क्रमांक	पुस्तकनु नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
१८२१७	छवीस द्वार	११	हिंदी				१८१८	उत्तम	१०।।। × ४।।।
१८२१८	पासाकेवली अपूर्ण	६	सं०				२०मो	उत्तम	१०।। × ५
१८२१९	मंत्रसंग्रह अपूर्ण	५	सं०प्रा०				१९मो	,,	१०।।। × ५
१८२२०	अनुत्तरौपपातिकांग सूत्र	५	प्रा०				१६५२	,,	१०।।। × ४।।।
१८२२१	सज्जनचित्तवल्लभ अपूर्ण	३	सं०				१९मो	,,	१०।।। × ५
१८२२२	क्षेत्रसमासविचार अपूर्ण	४	सं०				,,	,,	१०।।। × ५।
१८२२३	इर्यापथिकी षट्त्रिंशिका सविवरण	२१	प्रा०सं०	धर्मसागरोपाध्याय विव० स्वोपज्ञ	७४७		,,	,,	,,
१८२२४	आप्तमीमांसा सटीक	३७	सं०	मू० समंतभद्राचार्य टी० वसुनंदाचार्य			१९४४	,,	,,
१८२२५	(१) क्षेत्रसमास सस्तबक	१-१३	प्रा०गू०						
	(२) लोकनाल द्वात्रिंशिका सस्तबक	१३-१५	प्रा०गू०				१७८६	जीर्ण	१०।।। × ४।।
१८२२६	भक्तामर स्तोत्र बीजमंत्रयुक्त	११	सं०गू०	मू० मानतुंगसूरि			१९२०	उत्तम	१०।। × ४।।।
१८२२७	आषाढभूति चोपाई	६	गू०	कनकसोम		१६३८	१९मो	,,	१०।।। × ४।।
१८२२८	द्वादशमास संक्रान्ति विचार	१	,,			,,	,,	,,	१०।।। × ५
१८२२९	(१) लघु योगप्रदीप	५	सं०				,,	मध्यम	,,
	(२) द्वादशभावना	५	सं०				,,	,,	,,
१८२३०	आलोचना चोपाइ[१]	२	गू०	समयसुंदरोपाध्याय			,,	उत्तम	,,
१८२३१	सत सया सस्तबक अपूर्ण	९	हिंदी	मू० बिहारीदास			,,	,,	,,
१८२३२	भववैराग्यस्तव सस्तबक	९	प्रा०गू०				,,	,,	१०।।। × ४।।।
१८२३३	संग्रहणीप्रकरण	१८	प्रा०	श्रीचंद्रसूरि	गा० ३२७		१८मो	,,	१०।।। × ४।।
१८२३४	नवतत्त्वप्रकरण सस्तबक	५	प्रा०हिं०		मू०गा० ६०		१९मो	मध्यम	१०।।। × ४।।
१८२३५	जीवविचारप्रकरण सस्तबक	४	,,	मू० शांतिसूरि			१८मो	,,	१०।।। × ४।।।
१८२३६	सारस्वतप्रक्रिया प्रथमश्लोक दशार्थी[२]	२	सं०				१९मो	उत्तम	१०।। × ५
१८२३७	अक्षर बत्तीसी	२	हिंदी	भगौतीदास		,,		जीर्ण	१०।। × ५।
१८२३८	पासा केवली	६	सं०	गर्गर्षि			१९५८	उत्तम	१०।। × ४।।।
१८२३९	वैराग्यस्वाध्याय	२	हिंदी	गोपालदास			१९५५	,,	१०।। × ५
१८२४०	साधुवंदना	४	गू०	जैमलऋषि			१९मो	,,	१० × ४।।।

१. प्रथम पत्र नथी. २. प्रणम्य परमात्मानं. आ श्लोकना दश अर्थ छे.

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
१८२४१	गौतम कुलक	२	प्रा०				१९३१	उत्तम	८ × ४।
१८२४२	कल्याणमंदिर स्तोत्र सावचूरि	५	सं०	मू० कुमुदचंद्र			१९मो	उत्तम	१०। × ४।।।
१८२४३	उत्पत्तिगीत	२	गू०	श्रीसार			१९मो	उत्तम	१०।। × ५
१८२४४	शास्त्रीय चर्चा	९	हिंदी	रामचंद			२०मो	,,	१०।। × ५
१८२४५	दंपतिविलास पद्य	४	हिंदी				१९मो	,,	१०।। × ४।।
१८२४६	मौनैकादशी कथा सस्तबक	१३	सं०हिं	मू० सौभाग्यनंदिसूरि		मू० १५७६	१८७५	,,	१०।। × ५
१८२४७	अल्पबहुत्वप्रकरण सस्तबक अपूर्ण	७	प्रा०गू०				१९मो	,,	१०। × ५
१८२४८	जलयात्राविधि	६	सं०गू०				१९मो	उत्तम	१०। × ५
१८२४९	मुनिपतिचरित्र सारोद्धार	२२	सं०				१९६५	उत्तम	१०। × ५
१८२५०	प्राकृतलक्षण	१७	प्रा०सं०	चंड			१९१७	,,	१०।। × ५
१८२५१	दशाश्रुतस्कंध सस्तबक	४१	प्रा०गू०				२०मो	,,	१०। × ५
१८२५२	चंद्रधवलनृपकथा सस्तबक	३२	सं०हिं०	मू०माणिक्यसुंदर			१९१७	,,	१०। × ५।
१८२५३	(१) उवसग्गहरादि भंडारित गाथा[1] (२) बिंबप्रवेश विधि	३८	प्रा०सं० गू०				१९मो	,,	१०। × ४।।।
१८२५४	सर्वतोभद्रचक्र विधि	५	सं०				,,	,,	१० × ४।।।
१८२५५	शतसंवत्सरी	३	हिंदी				१९१३	,,	१०। × ४।।।
१८२५६	नसविधान-रक्तविधान पद्य[2]	३	,,				१९४४	,,	१०।। × ४।।
१८२५७	अंतर्दशा फल	५	सं०				१९मो	मध्यम	१०।। × ४।।
१८२५८	सारस्वत धातुपाठ	४	,,				१९०६	उत्तम	१० × ४।।।
१८२५९	वैद्यजीवनके योग	९	हिंदी				१९२९	,,	१०। × ४।।।
१८२६०	पद्धति[3]	६	सं०	शार्ङ्गधर			२०मो	,,	१०। × ४।।।
१८२६१	जिनदर्शनकथा चोपाई अपूर्ण	१५	हिंदी				१९मो	,,	१०। × ४।।।
१८२६२	महानिशीथसूत्र	१४५	प्रा०		४५५४		१९११	,,	१०। × ५
१८२६३	लघुजातक सटिप्पन	१०	सं०				१८८८	,,	१० × ५
१८२६४	प्रश्नोत्तर सार्धशतक	२६	हिंदी				१९२३	,,	१० × ४।।।
१८२६५	प्रस्तार प्रभाकर	४	,,		१८७५(?		१९०१	,,	,,
१८२६६	अभिधानचिंतामणि प्रथम कांड	४	सं०	श्री हेमचंद्रसूरि			१९मो	,,	१० × ४।।

१. पत्र २, ४, ६ नथी. २. वैद्यक छे. ३. काव्यशास्त्रविषयक.

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
१८२६७	जीवविचारप्रकरण सस्तबक	६	प्रा०हिं०	मू०शांतिसूरि			१९मो	उत्तम	१०। × ५
१८२६८	अनुत्तरौपपातिकांगसूत्र सस्तबक	१४	प्रा०गू०				१९०८	,,	१० × ४॥
१८२६९	सूत्रकृदंगसूत्र द्वितीय श्रुतस्कंध	३२	प्रा०				२०मो	,,	१०। × ४॥।
१८२७०	एकवीश स्थानक बोल	६	गू०				१९मो	,,	१०। × ४॥
१८२७१	गौतमपृच्छा	७	प्रा०				,,	,,	१०। × ४॥।
१८२७२	बोलविचार[1]	९	गू०				१९मो	मध्यम	१० × ४॥।
१८२७३	समयसार नाटक	५२	हिंदी	बनारसीदास		१६९३	१८६४	जीर्ण	१० × ५
१८२७४	नवस्मरणानि	१३	प्रा०सं०				१९मो	उत्तम	१०। × ५।
१८२७५	वसुधारास्तोत्र विधियुक्त	५	सं०गू०				१९३६	,,	१० × ५
१८२७६	कोकशास्त्र अपूर्ण	१४	हिंदी	आनंदकवि			१९मो	,,	१० × ५।
१८२७७	प्रकीर्णक ज्योतिष यंत्र[2]	४	सं०				१९८५	,,	९॥ × ५
१८२७८	समास प्रकरण	४	सं०	श्रीनिवास			१९मो	,,	१०। × ४॥।
१८२७९	नवतत्त्व बालावबोध	२०	हिंदी				१९१२	,,	१० × ४॥।
१८२८०	चिकित्सासार	४४	,,	धीरजराम			१८१०	,,	,,
१८२८१	प्रश्नोत्तररत्नमाला	६	सं०	विमलसूरि			१९मो	उत्तम	९॥। × ४॥।
१८२८२	सुबाहु अध्ययन	८	प्रा०				१९०९	,,	९॥। × ४॥।
१८२८३	सिद्धांतचंद्रिका पूर्वार्ध	३८	सं०	रामाश्रम			१८७८	,,	१२॥ × ५॥।
१८२८४	तंत्रग्रंथ त्रटक[3]	१	सं०हिं०				१९मी०	,,	२७॥ × १२।
१८२८५	मेघदूत टीका	२२	सं०				१८५६	जीर्ण	१२। × ५॥।
१८२८६	तर्कसंग्रह सटीक त्रिपाठ	१५	,,	मू०अन्नंभट्ट टी० चंद्रजसिंह			१८९५	उत्तम	११॥। × ६
१८२८७	भक्तामरस्तोत्र रिद्धिमंत्रयंत्र सह[4]	२१	सं०गू०	मू०मानतुंगसूरि			१९मी	मध्यम	१२ × ६
१८२८८	मेघदूत सटीक	५६	सं०	मू०कालिदास			१९मी	उत्तम	११॥ × ६
१८२८९	नेमराजुल बारमास	४	हिंदी	विनोदीलाल			,,	जीर्ण	११॥। × ५
१८२९०	अनंगरंग[5]	१८	सं०	कल्याणमल्ल			१८१५	मध्यम	१० × ६।
१८२९१	भडलीपुराण	८	गू०	वर्द्धमान			१९७३	उत्तम	११। × ९
१८२९२	योगविधि (यंत्रसह)	७	सं०				२०मी	,,	११। × ५॥।
१८२९३	स्नात्रपूजा विधिसह	४	मिश्र	देवचंद्रजी			,,	,,	११। × ५।

१. पत्र १, २ नथी २. प्रथम पत्र नथी ३. पटल १थी ९ (पट जेवु) ४. अपूर्ण काव्य ४१ पर्यंत ५. गुटका आकारे

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
१८२९४	प्रास्ताविक श्लोको	२	सं०				२०मी	उत्तम	११। × ५।।
१८२९५	सप्ततिका बालावबोध सह अपूर्ण[१]	१३	प्रा०गू०	बा०मतिचंद्र			१९मी	,,	११। × ५।
१८२९६	श्रुतबोध टिप्पणसह	३	सं०	कवि कालिदास			,,	जीर्ण	११ × ५।
१८२९७	भक्तामर भाषा. पद्य	३	गू०	हेमराज			१८९८	मध्यम	११ × ५।।
१८२९८	शुभाशुभज्ञान ज्योतिष	४	,,				१८८०	उत्तम	११। × ५।।
१८२९९	चिंतामणिमंत्रकल्प-विधि सह तथा	४	मिश्र				१९मी	उत्तम	११। × ५।
	पार्श्वजिन अष्टक						,,	,,	,,
१८३००	आणंदश्रावक संधि[२]	१४	गू०	श्रीसार			,,	,,	११ × ५।।
१८३०१	नेमिदूत काव्य[३]	९	सं०	विक्रम			१८८५	,,	११। × ५।।
१८३०२	पाक्षिकप्रतिक्रमण विधिसह	५	मिश्र				१८९३	,,	११ × ५।।
१८३०३	संस्कृतमंजरी	४	सं०				१८७५	,,	११ × ५।
१८३०४	सिद्धचक्रतपमहिमा वर्णन	८	सं०गू०				२०मी	,,	११ × ५।
१८३०५	पंचदशीयंत्रपद्धति	३	सं०				१८२५	,,	११ × ५।
१८३०६	तर्कसंग्रह सटीक त्रिपाठ. अपूर्ण	२१	,,	मू०अन्नंभट्ट टी०चंद्रजसिंह			१९मी	,,	११ × ६
१८३०७	श्रावक अतिचार	४	गू०				१८८०	,,	११ × ५।
१८३०८	कल्याणमंदिरस्तोत्र सटिप्पण	५	सं०	कुमुदचंद्रसूरि			१८८१	,,	११। × ५
१८३०९	समकितका दश विनय आदिबोल	२	हिंदी				१९मी०	मध्यम	१०।।। × ६
१८३१०	भक्तामरस्तोत्र काव्य ऋद्धिमंत्रयंत्रसह	२४	सं०गू०		काव्य ४८		२०मी	उत्तम	१०।।। × ५।।।
१८३११	अष्टकर्मप्रकृतिविचार	७	गू०				१९मी	मध्यम	११। × ५।
१८३१२	उपासकदशांग चूर्णि	१५	प्राकृत				१९५१	उत्तम	११। × ५।
१८३१३	पुरंदरकुमार चोपाई	१३	गू०	मालदेव			१८८०	,,	१०।।। × ५
१८३१४	भुवनदीपक सस्तबक	१२	सं०गू०	मू० पद्मप्रभसूरि			१८०६	जीर्ण	११ × ५
१८३१५	भावनाविलास	५	हिंदी	राजकवि			१९०६	उत्तम	१०।।। × ५
१८३१६	अर्धकांडविचार	१	गू०				२०मी	,,	११। × ५
१८३१७	सुसढकथा[४]	१६	प्रा०				१८८५	,,	११। × ५।
१८३१८	दुर्जनमुख चपेटिका	६	सं०	हृषिकेश			१८९३	मध्यम	११। × ५

१. (कर्म ग्रंथ) २. सामायकदाष सज्झाय तथा स्याद्वादमत सज्झाय ३. मेघदूत चतुर्थपाद समस्या निबद्ध ४. महा अशुद्ध छे.

क्रमांक	पुस्तकनु नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
१८३१९	नवतत्त्वका बोल	९	हिंदी				१९मी	जीर्ण	११। × ५
१८३२०	श्रावकप्रतिक्रमण सस्तबक	१३	मिश्रगू०				१९मी	मध्यम	११ × ५
१८३२१	पुरुषस्त्रीजन्मकुंडलिका आदि	४	सं०				२०मी	उत्तम	११। × ५
१८३२२	मुहूर्तमुक्तावली सस्तबक	४	सं०गू०				१९मी	मध्यम	११। × ५
१८३२३	बालचिकित्सा (चोपाई)	५	गू०			१८९६	१९२३	उत्तम	११ × ५
१८३२४	रागमाला	३	,,				२०मी	,,	११। × ५
१८३२५	त्रिपदी आदि चित्रकाव्य	३	हिंदी				१९मी	,,	११ × ६
१८३२६	दशलकाराणि[1]	२	संस्कृत				२०मी	,,	११ × ६
१८३२७	अ, क-थ-ह चक्र मंत्रविचार तथा[2] कालि-कल्पे वैर नाश कवच	३	,,				,,	,,	११ × ६
१८३२८	दृष्टान्तशतक[3]	४	,,	कालिदास			,,	,,	१०॥। × ६
१८३२९	पंचश्लोकी टीका[4]	२	,,				,,	,,	११ × ६
१८३३०	छुटकश्लोक	२	,,				,,	,,	११ × ६
१८३३१	मागध-कलिंग परिभाषा सस्तबक	३	सं०हि०				,,	मध्यम	११ × ६
१८३३२	सूरिमंत्र-वर्द्धमानविद्याकल्प	८	सं०	सिंहतिलकसूरि			,,	उत्तम	१०॥ × ५॥
१८२३३	सूरिमंत्र-वर्द्धमानविद्याकल्पादि[5]	४	सं०प्रा०				,,	,,	११ × ५॥
१८३३४	सुबाहुकुमार अध्ययन[6]	७	प्रा०				१८८३	मध्यम	१०॥। × ५।
१८३३५	गारुडोपनिषत्	२	सं०				२०मी	उत्तम	१०॥। × ५॥
१८३३६	वीतरागस्तोत्र सस्तबक[7]	२३	सं०गू०	मू० हेमचंद्राचार्य			१८७९	,,	१०॥। × ५।
१८३३७	सप्तस्मरणानि सस्तबक[8]	२०	प्रा०गू०				१८६२	,,	११। × ५।
१८३३८	पाशाकेवली[9]	६	सं०	गर्गर्षि			१८१७	,,	११ × ५
१८३३९	सारस्वतप्रक्रिया पंचसंधि अपूर्ण	७	,,				१९मो	,,	१०॥। × ५
१८३४०	दंडकप्रकरण सस्तबक	३	प्रा०गू०	मू०गजसारमुनि			१९मी	,,	११ × ४॥।
१८३४१	ज्योतिष संबंधि	४	सं०गू०				,,	मध्यम	११ × ५॥
१८३४२	सामायिक पोसह पारवानी गाथा ने कर्मसज्झाय विगेरे	२	प्रा०गू०	कर्मसज्झाय ऋषिहरख			२०मी	उत्तम	११ × ४॥।

१. पाणिनीय व्याकरण उपरथी २. रुद्रयामल गत. ३. आदिमां श्लोक ७माथी शरु छे. पत्रांक १थी छे. ४. लखतां अपूर्ण ५. पत्र एक एक थइने चार छे. ६. सुखविपाके ७. पालीताणामां लखी वीश प्रकाश पर्यंत ८. जयतिहुअणथी शरु छे. अमृतसरमां लेखी. ९. उस्यारपुर मध्ये लखेलो

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
१८३४३	वंदित्तासूत्र तथा अतिचारादि[1]	४+८	प्रा०गू०				१८८०	उत्तम	११ × ५।।
१८३४४	पोसहनी विधि	५	मिश्र				१९४६	,,	११ × ५।
१८३४५	निशीथसूत्रगत प्रायश्चित्तविचार	४६	गू०				२०मी	,,	११ × ५।।
१८३४६	चिकित्सासार भाषा ग्रंथ	७	हिं०गु०	धीर्यमल्ल द्विज			,,	,,	११ × ५।
१८३४७	सज्जनचित्तवल्लभ सस्तबक	४	सं०गु०	मल्लिषेण			१७६६	मध्यम	१०।।। × ४।।।
१८३४८	वैद्यमनोत्सव	२७	गु०	नयनसुख			१८८०	उत्तम	११ × ५।।
१८३४९	बत्तीससूत्र बोल आदि[2]	८	गु०हिं०				१९३७	,,	१०।।। × ५।
१८३५०	वज्रनाभकथानक अपूर्ण	५	सं०				२०मी	,,	१०।।। × ५।
१८३५१	स्तवनसज्झायादि अपूर्ण	८	गु०				,,	,,	१०।। × ५
१८३५२	वैद्यक	१६	,,				,,	,,	११ × ५
१८३५३	शतश्लोकी चिकित्सा	१७	सं०	बोपदेव			१८७३	,,	१०।। × ५।।
१८३५४	लघुदंडकप्रकरण सस्तबक	४	प्रा०गु०	गजसारमुनि			१८मी	मध्यम	११। × ४।।।
१८३५५	चित्रबंध कवितो	४	गू०				१९मी	उत्तम	१०।। × ५
१८३५६	सम्यक्त्व ६७ बोल आदि	१	,,				२०मी	,,	१०।।। × ९।
१८३५७	पट्टावली स्तवन आदि स्तवनो	७	,,				१९मी	,,	१०।। × ५
१८३५८	प्रश्नोतर[3]	३१	मिश्र	आत्मारामजी			,,	,,	१०।। × ५।।
१८३५९	वीशस्थानक पूजा	१३	गु०	विजयलक्ष्मीसूरि			१८८१	,,	१०। × ५।।
१८३६०	आदित्यवार कथा	८	,,				१९मी	,,	१०।।। × ५।
१८३६१	नवग्रहस्तोत्र सटीक[4]	४	प्रा०सं०	मू०जिनप्रभसूरि			१९३९	,,	१०।।। × ५।।
१८३६२	गौतमपृच्छा सज्झाय	१	गु०	विबुधविमल			१९६९	,,	१०। × ५।
१८३६३	हितशिक्षा सज्झाय[5]	२	,,	जसविजयजी			२०मी	,,	१० × ५।।
१८३६४	युगप्रधानयंत्राणि	३६	प्रा०				,,	,,	१०। × ५।।
१८३६५	चउशरणप्रकीर्णक सावचूरि	२३	प्रा०सं०	मू०वीरभद्र			१९१५	,,	१०। × ५।।
१८३६६	थोय-सज्झायादि	२	गु०				१८९५	,,	१०। × ५।।
१८३६७	स्वप्नाध्याय	२	सं०	मतंग कृत			१८२५	,,	१०।। × ५।
१८३६८	भक्तामरस्तोत्र	५	,,	मानतुंगाचार्य			१९४७	,,	१० × ५।।
१८३६९	मेरुत्रयोदशीकथा	७	,,				१८६८	,,	१० × ४।।।

१. श्रावक प्रतिक्रमण गत. २. ढुंढीया माने छे ते. ३. श्रावक गीरधरलालना प्रश्नोना जवाब ४. दोषापहार स्तोत्र ५. खवायेल.

क्रमांक	पुस्तकनु नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
१८३७०	नवपदजीकी कथा	८	गू०	जसविजयजी			१९३१	उत्तम	१० × ५
१८३७१	वैद्यजीवन सटीक गूढार्थदीपिका टीका	३१	सं०	मू०लोलिंबराज टी०हरिनाथ शर्मा			१८७०	उत्तम	९।।। × ५।।।
१८३७२	भोजचरित्र सस्तबक चार प्रस्ताव पर्यंत अपूर्ण	९०	सं०गू०				१९मी	,,	९।।। × ५।।
१८३७३	वैद्यमनोत्सव	१५	हिंदी	नयनसुख			२०मी	मध्यम	९।।। × ५।।।
१८३७४	अभव्यकुलक सस्तबक	३	प्रा०गू०				१९मी	उत्तम	९ × ५
१८३७५	ज्ञाननौका सटीक[1]	७	सं०	मू०शंकराचार्य टी०मुकुंद			१८२७	,,	९।।। × ५।।
१८३७६	नेमराजुल गीत	४	गु०	जिनदास			१९१७	,,	९।। × ५
१८३७७	आश्रवत्रिभंगी आदि	११	,,				१९मी	,,	९। × ५।।
१८३७८	समयसारनाटक भाषा कवित्त निबद्ध	४७	हिंदी	बनारसीदास	ग्र०१७०७	१६९३	१७३०	,,	९।।। × ५
१८३७९	अष्टोत्तरीस्नात्रविधि[2]	४०	मिश्र				२०मी	,,	९।। × ५
१८३८०	भक्तामरभाषा पद्य	४	हिंदी	हेमराज			१९१६	,,	९।। × ५।
१८३८१	दशवैकालिक सस्तबक[3]	५४	प्रा०गु	मू०शय्यंभवसूरि			१९३५	,,	९।। × ५
१८३८२	श्रीपालकथा सस्तबक	१११	,,	मू०हेमचंद्र		१४२८	१९३२	,,	९।। × ५
१८३८३	उपधानविधि	११	मिश्र				१९३५	,,	९।। × ५।
१८३८४	वैद्यजीवनमूल[4]	५३	संस्कृत	लोलिंबराज			१९मी	,,	९ ।।। × ५।
१८३८५	देवाधिदेवगुणवर्णना स्तवन	४	हिंदी	हरजस		१८६५	१९३४	,,	९।।। × ५
१८३८६	आराधनापताका[5]	५	प्राकृत				१९१४	मध्यम	९।। × ४।।।
१८३८७	नेमराजूल बारमास	४	हिंदी	विनोदीलाल			१९१८	उत्तम	९ × ४।।।
१८३८८	प्रश्नसार	८	सं०				२०मी	,,	९ × ५।
१८३८९	विजयशेठ-विजयाशेठाणीनी कथा	५	गु०				,,	,,	९ × ४।।
१८३९०	संघपट्टक भाषार्थ सह[6]	२९	सं०हिं०	मू०जिनवल्लभगणि भाषा लक्ष्मीवल्लभगणि		१९६७भाषा	१९६८	,,	९। × ५
१८३९१	वीरपारणुं	२	गु०	मुनिमाल			१८७५	,,	९ × ४।।।
१८३९२	त्रिपुरामंत्रस्तवपूजा[7]	२-५	सं०				२०मी	,,	९ × ४।।
१८३९३	धूर्ताख्यान भाषा[8]	४०	हिं				१९३७	,,	८।।। × ५
१८३९४	थावच्चापुत्र तथा मेघकुमारनुं ढालीयुं	६	गु०				२०मी	,,	४। × २।।।
१८३९५	रसरत्नाकर	३१	सं०	नित्यनाथ			१८६८	,,	८।।। × ५
१८३९६	प्रश्नव्याकरण सबालावबोध पंचपाठ[9]	१४०	प्रा०गु०				१६८२	जीर्ण	१२ × ४।।।

१. पत्र त्रीजुं नथी. २. पत्र ३थी ७ तथा ९थी ११ नथी. ३. पत्र २६मुं डबल छे. ४. तृतीयोल्लास पर्यंत अपूर्ण. ५. पत्र १लुं नथी अपूर्ण ६. पत्र ९मुं डबल छे. ७. प्रथम पत्र नथी. ८. पत्र १०मुं डबल छे. ९. पत्रो चोंटेलां उखडे तेवां नथी.

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
१८३९७	निगोदषट्त्रिंशिका सावचूरि पंचपाठ तथा पुद्गलषट्त्रिंशिका मूल	४	प्रा०सं०				१६मी	उत्तम	११।।। × ४।।
१८३९८	जयंतविजय काव्य	४७	सं०	अभयदेवसूरि	२२२०		१४८८	मध्यम	१२ × ४।।
१८३९९	कातंत्र द्व्याश्रयावचूरि[1]	१०	,,		१०००		१५मी	जीर्ण	१२ × ४।।
१८४००	कालिकाचार्य कथा	२	,,				१८८३	उत्तम	११।।। × ५।।
१८४०१	रत्नाकरपच्चीशी सटीक त्रिपाठ	१२	,,	मू० रत्नाकरसूरि टी० कनककुशल	३००		१९२३	उत्तम	११।।। × ५।।
१८४०२	छुटक मंत्रतंत्रप्रयोग	४	मिश्र				१९मो	,,	११।।। × ५।।
१८४०३	रूपदीप पिंगल भाषा	३	हिंदी	नाग			२०मी	,,	११।।। × ५।।
१८४०४	परिभाषा	२	सं०				१९मी	,,	११।।। × ५।
१८४०५	आरंभसिद्धि सावचूरि पंचपाठ	१९	सं०	मू० उदयप्रभाचार्य			१९मी	,,	११।। × ५।।
१८४०६	मुनिगुणमाला	५	गू०	हरजसराय	४००		१९३३	,,	११।। × ५।
१८४०७	शारदीया नाममाला	१५	सं०	हर्षकीर्तिसूरि			१८२७	,,	११।। × ५।।
१८४०८	सारस्वत (आख्यात प्रक्रिया) उत्तरार्ध	२७	,,				१९मो	,,	११।।। × ५।
१८४०९	सिंदूरप्रकरण भाषा	१४	हिंदी	कौरपाल वानारसी	४००	१६५१	१८१६	मध्यम	११।।। × ५।
१८४१०	नयप्रदीप	११	सं०				१९मी	उत्तम	११।।। × ५।
१८४११	पट्कारक विवरण	२	,,	अमरचंद्र			,,	,,	११। × ५
१८४१२	सूरिमंत्रपद्धति-कल्प	८	,,				२०मी	,,	११।। × ५
१८४१३	कर्मनी प्रकृतिनो विचार	९	गू०				१९मी	मध्यम	११ × ५
१८४१४	कर्लाकुंडपूजा रत्नत्रयी पूजादि	१०	सं०	नरेन्द्रसेन			१९मी	,,	११ × ५
१८४१५	सारस्वत भाष्य[2]	१६	सं०				१९मी	उत्तम	११ × ५
१८४१६	षट्पंचाशिका सस्तबक	६	सं०गू०	भट्टोत्पल			१८मा	,,	१०।।। × ५
१८४१७	स्नात्र-अष्टप्रकारी पूजा	१४	मिश्र०गू०	देवचंद्रजी			१८८८	,,	११ × ५
१८४१८	षट्दर्शनसमुच्चय त्रिपाठ, सावचूरि	१०	सं०	हरिभद्रसूरि			१८८५	,,	११। × ५
१८४१९	पंचतंत्रगतकथा	३	,,				१९मा	,,	११। × ५
१८४२०	विषापहारस्तोत्र सटीक त्रिपाठ	६	,,				,,	,,	११ × ५
१८४२१	भुवनभानुकेवलीचरित्र सस्तबक[3]	२६७	प्रा०गू०	स्त० लक्ष्मीलाभ			१८मी	मध्यम	११ × ५
१८४२२	राजप्रश्नीयसूत्र सस्तबक	६७	,,				१८६८	उत्तम	११।।। × ५

१ मूल रचना सं. १३५६ २. लखता अधूरी. ३ पत्र ५८मुं तथा १९६-१९७ नथी. चोंटेलां छे.

क्रमांक	पुस्तकनु नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोलाई
१८४२३	समासप्रकरण तथा राक्षस काव्य	३	सं०				१७मी	मध्यम	११।।। × ५।
१८४२४	हस्तामलकटीका	६	,,				१९मी	उत्तम	११। × ४।।
१८४२५	इक्षुकारी अध्ययन सार्थ	१०	प्रा०गु०				१७मी	जीर्ण	११।।। × ४।।
१८४२६	थूलभद्र बारमास	४	हिंदी				१९मी	उत्तम	१०।। × ४।।
१८४२७	प्रश्नव्याकरण सटीक त्रिपाठ[१]	१२०	प्रा०सं०	टी० अभयदेवसूरि	मू०१२५० टी०६३३०		१६६०	,,	११।।। × ४।।।
१८४२८	हितोपदेश	४९	सं०				१७०१	जीर्ण	११।। × ८।।।
१८४२९	अमरकोश प्रथमकांड सटिप्पन	१७	सं०	अमरसिंह			१९मो	,,	११।। × ५
१८४३०	उपदेशमालाकथासंक्षेप[२]	५	प्रा०सं०				१८मो	,,	११।। × ५
१८४३१	सामायिक ३२दोष तथा स्याद्वादसज्झाय	१	गू०	कमलविजैगुरु सिस			१९मो	उत्तम	११।।। × ५
१८४३२	शांतिनाथचरित्र[३]	८३	सं०	अजितप्रभसूरि			१७६१	मध्यम	११।। × ४।।।
१८४३३	संग्रहणी बालावबोध	२७	गू०	दयासिंह		१७५७	१७५८	जीर्ण	११।। × ५
१८४३४	वृद्धचाणाक्यनीतिशास्त्र	२०	सं०	चाणाक्य			१९२१	उत्तम	११।। × ५
१८४३५	दुर्घटकाव्य	१४	सं०	नारायण			१९मो	,,	११। × ४।।।
१८४३६	गणितसार	४	हिन्दी				१७४३	,,	११।। × ४।।
१८४३७	ज्यन्तप्रक्रिया	३	सं०				१९मो	मध्यम	११।।। × ५
१८४३८	भक्तामरस्तोत्र सबालावबोध	११	गू०	मू० मानतुंगसूरि० बाला० मेरुसुंदर			१६७१	,,	११।। × ४।।।
१८४३९	चतुर्दशगुणस्थानक चोपाई सस्तबक	४	,,	कनकसोम		१६३१	१६६८	,,	११।।। × ४।।।
१८४४०	उपासकदशांग सस्तबक[४]	३८	प्रा०गु०		मू० ८८६		१९मो	जीर्ण	११।। × ५
१८४४१	नंदीसूत्र सस्तबक	२८	प्रा०गु०		मू० ७००		१७२०	मध्यम	११।।। × ४।।।
१८४४२	अनेकार्थध्वनिमंजरी-एकाक्षर कोश[५]	३थी८	सं०				१८८१	उत्तम	११।।। × ४।।
१८४४३	छंद सवैया सज्झायादि[६]	९	मिश्र				१९मो	,,	११।। × ४।।
१८४४४	आहारदोष गाथा सस्तबक[७]	१+१	प्रा०गु०				१७मो	,,	११।।। × ४।।।
१८४४५	धर्माधर्मप्रकरण तथा प्रश्नोत्तररत्नमाला[८] सटिप्पण पंचपाठ	११	प्रा०सं०				१९मो	जीर्ण	११।। × ४।।
१८४४६	लोकनालिद्वात्रिंशिका सावचूर्णि-पंचपाठ	२	प्रा०सं०				१७मो	,,	११।। × ४।।।
१८४४७	काव्यग्रंथ सटीक त्रिपाठ त्रूटक अपूर्ण	२थी६	सं०				१९मो	उत्तम	११। × ४।।
१८४४८	स्थविरावली	८५	,,	हेमचंद्राचार्य	३५२०		१७६४	जीर्ण	११ × ५।।

१. प्रथम द्वितीय पत्रोमां अरिहतना चित्रो छे. २. कथा २० सुधी पूर्ण पाछल अपूर्ण. ३. पत्र ७९मुं नथी पत्र ८८मुं डबल छे. ४. प्रति चोंटेली छे. ५. पत्र १-२ नथी ६. पत्राक छूटा छूटा छे अपूर्ण त्रूटक. ७. कुल पत्र २ छे. ८. नमिऊण तित्थनाह आदिपदम्

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोलाई
१८४४९	चोवीस दंडक बोल द्वार[1]	३१	गु०				१६५६	उत्तम	११।। × ४।।।
१८४५०	सुबाहुकुमार अध्ययन सस्तबक	८	प्रा०हिं०				१९मो	,,	११। × ४।।।
१८४५१	भक्तामर स्तोत्र टीका	२८	सं०				१७६८	,,	११।। × ४।।।
१८४५२	वैद्यविनोदप्रकाश चोपाई	३८	गु०	कवि कृष्णदास सहजानंद			१९मो	,,	११।। × ४।।।
१८४५३	हंसराज वत्सराज चोपाई[2]	२३	,,	जिनोदयसूरि			१८मो	जीर्ण	११।। × ४।।।
१८४५४	समयसार नाटक	७०	हिन्दी	बनारसीदास		१७०७	१९मो	उत्तम	११।।। × ४।।
१८४५५	दान-शील-तप-भावना कुलक गौतमकुलक सस्तबक	४	प्रा०गु०				१८मो	,,	११।।। × ४।।
१८४५६	छंद-कवित्त सवैया आदि[3]	६	मिश्र				१९मो	,,	११।। × ४।।।
१८४५७	रमलेन्दु प्रकास[4]	१९	सं०				१८४०	,,	११।। × ४।।
१८४५८	ज्ञाताधर्मकथांग सूत्र	१३३	प्रा०		५५६४		१६६२	,,	११।।। × ४।।
१८४५९	जंबूद्वीपप्रज्ञप्ति चूर्णि[5]	२४	प्रा०				१६मो	मध्यम	११।।। × ४।।
१८४६०	रमलनवरत्न[6]	२६	सं०	परमसुखोपाध्याय			१९मो	उत्तम	११।।। × ४।
१८४६१	छवीस द्वार	९	गु०				,,	,,	११ × ४।।
१८४६२	श्रावकना बारव्रतोपरि उदाहरणो	१	गु०				१८मो	मध्यम	११ × ४।।
१८४६३	रमलशास्त्र	१७	सं०	चिंतामणि पंडित			१८४८	उत्तम	११।। × ४।।
१८४६४	अमरकोश[7]	६१	,,	अमरसिंह			१९मी	मध्यम	१३। × ६।
१८४६५	उत्तराध्ययनसूत्रमूल	६६	प्रा०				१८मी	,,	१३। × ५।।
१८४६६	कल्पसूत्र सस्तबक	१२७	प्रा०गु०	मू० भद्रबाहुस्वामि			१७१५	उत्तम	१३ × ६
१८४६७	श्राद्धप्रतिक्रमण सूत्र[8] अर्थ-दीपिका टीका सह	८५	प्रा०सं०	टी० रत्नशेखरगणि	६६४४	टी०१४१६	१६मी	,,	१३ × ५।
१८४६८	भावप्रकाश उत्तरखंड	२३४	सं०	भावमिश्र			१८९६	मध्यम	१२।।। × ५।।
१८४६९	विशेषावश्यकसूत्र[9] सबृहद्वृत्ति (पूर्वार्द्ध)	१-२७३	प्रा०सं०	मू० जिनभद्रगणिक्षमाश्रमण	टी० २८०००	टी०११७५	१९मी	उत्तम	१३ × ५।।
१८४७०	विशेषावश्यकसूत्र[10] सबृहद्वृत्ति (उत्तरार्ध)	२७४थी ५४६	,,	टी० मल० हेमचंद्रसूरि टी० मल० हेमचंद्रसूरि			,,	,,	,,
१८४७१	राजप्रश्नीयोपांग सूत्र मूल	३४	प्रा०				१७मी	,,	१२।।। × ५।
१८४७२	साठ संवत्सरी	१२	सं०				१९मी	मध्यम	१२।। × ५।।

१. पत्र १-तथा २७मुं नथी. २. पत्र २जुं नथी. ३. पत्रांक छुटा छुटा छे ४. पत्र १-२ नथी. ५. पत्र २जुं नथी अंतमां लेखकनी प्रशस्ति छे. ६. प्रथम संज्ञा प्रकरण नथी. ७. पत्र २८, २९, ३०, ४५, ४६ नथी. ८. छेल्लुं पत्र खराब थयेलुं छे ९. पत्र ५३मुं डबल छे. १०. पत्र २८५ थी ३५३ नथी.

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोलाई
१८४७३	चिकित्सासार (चोपाई) अपूर्ण	५	हिन्दी				१९मी	मध्यम	१२।। × ५।।
१८४७४	अमरकोशटीका अपूर्ण	५	सं०				१९मी	मध्यम	१२।। × ५।।
१८४७५	सिद्धांतकौमुदी अपूर्ण	१०	,,				,,	,,	१२। × ५।।
१८४७६	भगवतीसूत्र मूल	३३२	प्रा०	सुधर्मास्वामि	१६०००		१६४७	,,	१२।। × ५।।
१८४७७	नवतत्त्वबालावबोध	८	गु०				१९मी	,,	१२। × ५
१८४७८	रघुंवश मूल[१]	७२	सं०	कालिदास			१६६४	,,	१२।। × ५
१८४७९	कातंत्र लघुवृत्ति अपूर्ण	४३	,,				१८मी	,,	१२। × ५
१८४८०	शार्ङ्गधर प्रथम खंड टीका	५१	,,				१९मी	उत्तम	१२। × ५
१८४८१	सारस्वत प्रक्रिया	७६	,,				१६६१	मध्यम	१२। × ५
१८४८२	औषध पत्र	५	हिन्दी				१८मी	,,	१२। × ४।।।
१८४८३	(१) कर्मविपाक	२७८थी २८२	प्राकृत		कुल ५०००		१४मी	उत्तम	
	(२) कर्मस्तव	२८२थी २८३	,,					,,	
	(३) कर्मस्तव भाष्य	२८३थी २८४	,,					,,	
	(४) आगमिकवस्तुविचारसार प्रकरण	२८४थी २८६	,,					,,	
	(५) षडशीति भाष्य	२८६थी २८७	,,					,,	
	(६) सार्द्धशतक नाम प्रकरण	२८७थी २९२	,,	जिनवल्लभगणि				,,	
	(७) सार्द्धशतक भाष्य	२९२मुं	,,					,,	
	(८) बंधस्वामित्व प्रकरण	२९२थी २९४	,,					,,	
	(९) शतक प्रकरण	२९४थी २९५	,,					,,	
	(१०) शतकभाष्य	२९५ थी २९७	,,					,,	
	(११) सप्ततिका	२९७थी २९९	,,	पूर्वाचार्य				,,	
	(१२) सत्तरीसार	२९९थी ३०१	,,	हेमसूरि				,,	
	(१३) सत्तरी भाष्य	३०१थी ३०५	,,					,,	
	(१४) पंचसंग्रह मूल	३०५थी ३३७	,,	चंद्रर्षि महत्तर				,,	
१८४८४	धर्मपरीक्षाभाषा	८०	हिन्दी	मनोहरदास			१८०६	,,	१०।। × ४।।
१८४८५	अमरकोश[२]	३१	सं०				१८मो	मध्यम	१०।। × ४।।

१. किंचित् टिप्पणीका सह. २. आदिमां टिप्पण छे.

क्रमांक	पुस्तकनु	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोलाई
१८४८६	उपदेशमाला सस्तबक[1]	२३	प्रा०गु०	धर्मदासगणि	१७००		१६८४	उत्तम	१०।। × ४।
१८४८७	अभिधानचिंतामणिनाममाला सटिप्पण	४१	सं०	हेमचंद्राचार्य			१७मो	,,	१०।। × ४।।
१८४८८	सूत्रकृतांगसूत्र बालावबोधसह पंचपाठ[2]	६२	प्रा०गु०				,,	,,	१०।। × ४।।
१८४८९	काव्यकल्पलता वृत्ति	३९	सं०	अमरचंद्र			,,	मध्यम	१०। × ४।।
१८४९०	अमरकोश त्रण कांड पर्यंत[3]	५४	सं०	अमरसिंह	५०४६		१७११	उत्तम	१०। × ४।।
१८४९१	विपाकसूत्र सटीक त्रिपाठ अपूर्ण	५०	प्रा सं०				१७मो	,,	१०। × ४।
१८४९२	कल्पसूत्र टिप्पणसह पंचपाठ	५०	प्रा०सं०	भद्रबाहुस्वामि	१२१६		१४८६	,,	१०।। × ४।।
१८४९३	वीतरागस्तोत्र	११	सं०	हेमचंद्राचार्य			१७मो	,,	१०। × ४।।
१८४९४	अंतकृद्दशांग मूल[4]	२७	प्रा०		८००		,,	,,	१०। × ४।।
१८४९५	उत्तराध्ययनना १४मा अध्ययननी चोपाई[5]	११	गूर्जर	मुनि खेम		१७४३	१९मो	,,	१०। × ४।।
१८४९६	अषाढाभूति चोपाई[6]	९	,,	कनकसोम		१६३८	,,	,,	१०।। × ४।।
१८४९७	लिंगानुशासन सावचूर्णि	१०	सं०	हेमचंद्राचार्य			१७मो	,,	१०। × ४।।
१८४९८	सिद्धहेमशब्दानुशासन अष्टमोध्याय[7]	२८	,,	हेमचंद्राचार्य	२१८५		१७४१	,,	,,
१८४९९	श्रीपालकथा	३२	प्रा०	रत्नशेखरसूरि	गाथा १३४१	१४२८	१५१३	,,	,,
१८५००	आचारांगसूत्र सस्तबक	५१	प्रा०गु०				१७६३	जीर्ण	,,
१८५०१	शकुनावली	५	हिन्दी				१९१७	उत्तम	१० × ४।।
१८५०२	कल्पसूत्र व्याख्यान[8]	२७	सं०				१९मो	,,	१०।। × ४
१८५०३	मौन एकादशी कथा	५	गु०				,,	मध्यम	१०। × ४।।
१८५०४	होली पर्व कथा सस्तबक	७	सं० गु०				१८५१	उत्तम	१०।। × ४।।
१८५०५	गुणस्थानकप्रकरण सावचूर्णि	१५	सं०	रत्नशेखरसूरि अव० स्वोपज्ञ	९००		१७०७	,,	१०। × ४।।
१८५०६	चतुःशरण प्रकीर्णक सावचूरि	६	प्रा०सं०	वीरभद्र			१७मो	,,	१० × ४।।
१८५०७	सिद्धांत हुंडी	४	मिश्र				१८मो	,,	१०।। × ४।।
१८५०८	गौतमस्वामीनो रास	५	हिन्दी	विनयभद्र		१४१२	१९मो	,,	१०। × ४।।
१८५०९	ऋषिमंडल स्तव	४	सं०				,,	,,	१०। × ४।।
१८५१०	पासत्था हुंडी[9]	७	मिश्र				१८मो	,,	१० × ४।
१८५११	नवपदना खमासमणनी विधि अपूर्ण	५	,,				२०मो	,,	९।।। × ४।

१. प्रथम पत्र नथी २. अपूर्ण सोल अध्ययन पर्यंत ३. पत्र ३६मुं डबल ४. आगल पाछलना पत्रो पाछलथी लखेलां छे. ५. चित्रनी जगा खाली छे ६. चित्रनी जगा खाली छे ७. प्राकृत व्याकरण ८. लखतां अधुरो ९. पत्र १-२ भेगा छे

क्रमांक	पुस्तकनु नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनास.	लेखनस.	स्थिति	लम्बाई-पहोलाई
१८५१२	मौन एकादशी कथा	५	सं०				१७मो	उत्तम	१०। × ४।।
१८५१३	पंच स्मरणानि	८	प्राकृत	पूर्वाचार्य			१८मो	उत्तम	१० × ४।।
१८५१४	सिद्धहेमशब्दानुशासनप्रशस्तिश्लोकाः	२	सं०	हेमचंद्राचार्य	३५		१७मो	,,	१०। × ४।।
१८५१५	जयतिहुयण स्तोत्र	३	अपभ्रंश	अभयदेवसूरि			,,	,,	१० × ४।।
१८५१६	चोवीस तीर्थंकरनां सोलठाणा छंद चोवीशी	९	हिन्दी	भवानीमल		१७५७	१८६७	,,	१० × ४।
१८५१७	श्रीपालचरित्र	३५	सं०	जयकीर्ति			१९२५	उत्तम	१० × ४।।।
१८५१८	प्रवचनसार टीका[1]	२४	,,				१८मो	,,	१० × ४।।।
१८५१९	ललितविस्तरा टीका[2]	२६	,,	हरिभद्रसूरि	१२५०		१९४०	,,	१० × ४।।।
१८५२०	कल्पसूत्र तथा कालिकाचार्य कथा सचित्र	९८	प्रा०				१७मो	जीर्ण	१०। × ४।
१८५२१	भक्तामरस्तोत्र	५	सं०				१८मो	मध्यम	१०। × ४।।
१८५२२	भक्तामरस्तोत्र	४	,,				१६९३	,,	१०।। × ४।
१८५२३	भक्तामरस्तोत्र भाषा[3]	२	ग०				१७२३	जीर्ण	१०।। × ४।।
१८५२४	लघुसंग्रहणी सूत्र	७	प्रा०		गाथा २७९		१७मो	उत्तम	१०। × ४।
१८५२५	संबोधसत्तरी सस्तबक	७	प्रा०ग०		स्त० ४००		१९०५	,,	१०।। × ४।।
१८५२६	जन्मपत्रिकागणित क्रम	३०	सं०ग०				१८११	,,	१०। × ४।।
१८५२७	लघुसंग्रहणी सूत्र	११	प्रा०	मल०हेमसूरि शिष्य	गा० २८५		१७मो	,,	१० × ४।।
१८५२८	कुलध्वजादि कथा	५	संस्कृत				१८मो	,,	१०।। × ४।
१८५२९	विषापहारस्तोत्र भाषा	३	ग०	अचल कीर्ति			१९२३	,,	१० × ४।
१८५३०	स्तवन-सज्झाय चोपाई विगेरे	१०	,,				१८मो	,,	१० × ४।
१८५३१	सुबाहुकुमार अध्ययन सस्तबक[4]	५	प्रा०हिं०				१८६८	,,	१० × ४।
१८५३२	संध्यागायत्री	२	सं०				१९८०	,,	१०। × ४।।
१८५३३	होडाचक्र	९	,,				१९१७	,,	१०। × ४।।
१८५३४	ऋषिभाषित सूत्र	२३	प्रा०		७५०		१७मो	,,	१०। × ४।।
१८५३५	आदिनाथस्वामीनी कथा आदि कथाओ[5]	१४	ग०				१८७४	,,	१०। × ४।।
१८५३६	कल्पपीठीका दश अच्छेरादि कथाओ[6]	२३	,,				१८७४	,,	१०। × ४।।
१८५३७	शकुनावली	५थी१३	,,				१८मो	,,	१०। × ४।।
१८५३८	अनिट्कारिका सटीक त्रिपाठ	१	सं०				१७मो	,,	१० × ४।

१. पत्र १थी छे पण आदि नथी. अंतमां लखतां अधुरां छे २. चैत्यवंदनसूत्र वृत्ति ३. चोटेलां छे ४. पत्रनो अंक १७४थी १७८ छे ५. कल्पसूत्रनी कथाओ ६. कल्पसूत्रनी कथाओ महावीर, पार्श्व, नेमिनाथ कथा

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोलाई
१८५३९	श्रावक उत्पत्ति गोत्र वंश देवी विगेरे	१	गु०				१९३०	उत्तम	१० × ४॥
१८५४०	नक्षत्र कष्टावली	४	सं०				१९मो	उत्तम	१० × ४।
१८५४१	कायस्थितिस्तव बालावबोधसह	४	प्रा०गु०				१७मो	,,	१०। × ४॥
१८५४२	वीतरागस्तव[1]	७	सं०	हेमचंद्राचार्य			,,	,,	१०। × ४॥
१८५४३	कर्मग्रंथनो बालावबोध अपूर्ण	१४	गु०				१८मो	,,	१०॥ × ४॥
१८५४४	जयतिहुअण स्तोत्र वृत्ति सह[2]	५	अपभ्रंश सं०	अभयदेवसूरि, वृत्ति नयसागर	२५०		१७मो	,,	१०। × ४।
१८५४५	नवकारस्तोत्र	१	गु०हिं०	वल्लभसूरि			१८मो	मध्यम	१०। × ४।
१८५४६	जीवविचार सस्तबक[3]	८	प्रा०गु०	मू० शांतिसूरि			१७६०	,,	१०। × ४॥
१८५४७	जीवविचार मूल	७	प्रा०	मू० शांतिसूरि			१८८१	उत्तम	१० × ४।
१८५४८	फुटकर श्लोक सुभाषित विगेरे	५	संस्कृत				१९मो	उत्तम	१०। × ४॥
१८५४९	चित्रसेन पद्मावती चरित्र	२३	,,	धर्मसूरि			१७मो	,,	१०। × ४।
१८५५०	ऋतुसंहार काव्य सर्ग ६ पर्यंत	४	,,	कालिदास			,,	,,	१०। × ४।
१८५५१	सिद्धाचलजीनो स्तवन	२	गु०	लब्धि			१९मो	,,	१० × ४॥
१८५५२	गौतमकुलक सबालावबोध त्रिपाठ	२	प्रा०गु०				,,	,,	१०। × ४।
१८५५३	अल्पबहुत्व बोल	४	मिश्र				,,	,,	१०। × ४।
१८५५४	व्याकरण बालावबोध (संज्ञा संधि)[4]	५	सं०गु०				१८मो	,,	१० × ४।
१८५५५	राक्षसकाव्यटीका	२	सं०	रविदेव			१९मो	,,	१० × ४।
१८५५६	रसिकप्रिया	८	हिन्दी	इन्द्रजीत			१८मो	,,	१० × ४॥
१८५५७	श्रावकप्रतिक्रमण सस्तबक	६	प्रा०गु०				१७९५	,,	९॥। × ४।
१८५५८	स्थविरावली[5]	१९	सं०				१८मो	,,	१० × ४॥।
१८५५९	हंसराज वच्छराज कथा	४८	,,	सर्वसुंदरसूरि	११३१	१५१०	१८६६	,,	१० × ४॥।
१८५६०	षट्दामकथानक पद्य	८	,,	नेमिचंद्र शिष्य		१८५५	१९२५	,,	१० × ४॥।
१८५६१	अनुत्तरौपपातिक सूत्र सस्तबक	१९	प्रा०गु०		मू० १९२		१९१०	,,	१० × ४॥
१८५६२	साधुवंदना	४	गु०	पासचंद			१८मो	,,	१० × ४॥।
१८५६३	षडावश्यक बालावबोध	२३	,,				१८३९	,,	१० × ४॥
१८५६४	साधुगुणमाला छंदबद्ध	१६	हिन्दी	हरजस			१८२५	,,	१० × ४॥।
१८५६५	जिनस्तुति	४	सं०				१९मो	,,	१० × ४॥
१८५६६	पंचमीतप स्तवन	४	गु०	समयसुंदर			१८१८	,,	१० × ४॥

१. पाछल ज्ञानपंचमी स्तुति छे २. स्तंभनक पार्श्व स्तव. ३. पाछल लाक्षादितैलनी विगत छे. ४. सारस्वत प्रक्रिया अंतर्गत. ५. लखतां अधुरी

क्रमांक	पुस्तकनु नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोलाई
१८५६७	पाशा केवली	५	सं०	गर्गाचार्य			१८३७	मध्यम	१० × ४।।
१८५६८	कर्मग्रंथ षट्क सस्तबक	५०	प्रा०गु०	१-५ मू० देवेन्द्रसूरि ६ मू० पूर्वाचार्य			१७३१	उत्तम	१० × ४।
१८५६९	सप्ततिकाकर्मग्रंथ सटीक[१]	४६	प्रा०सं०	मू० पूर्वाचार्य टी. मलयगिरि	३७८०		१७३९	,,	९।।। × ४।
१८५७०	पंच कल्याणक ढाल	६	हिन्दी	रूपचंद			१९मो	,,	१० × ४।
१८५७१	सारस्वतप्रक्रिया पूर्वार्ध	४५	सं०				१९१७	,,	,,
१८५७२	नंदीसूत्र सस्तबक	५९	प्रा०गु०				१८मो	,,	,,
१८५७३	उत्तराध्ययन सलघुवृत्ति	१०७	प्रा०सं०	विनयहंस	६७७५		१७६३	मध्यम	,,
१८५७४	गौतमकुलक	४	प्रा०				१९मो	उत्तम	१०। × ४।।।
१८५७५	बोल	२	गु०				,,	,,	१०। × ५
१८५७६	होराचक्र	४	सं०				,,	,,	१० × ४।।।
१८५७७	भक्तामरस्तोत्र	६	,,	मानतुंगसूरि			१९२०	,,	१०। × ४।।।
१८५७८	सम्यक्त्वदोष चोपाई	१२	हिन्दी	नंदलाल			१९३१	,,	१०। × ४।।।
१८५७९	भक्तामरस्तोत्र सटीक	९	सं०	मू०मानतुंगसूरि०टीका-अमरप्रभसूरि			१९मो	उत्तम	१०। × ४।।।
१८५८०	रघुवंश अपूर्ण	१०	,,	कालिदास			१७मो	मध्यम	१०। × ४।।
१८५८१	अष्टाह्निका व्याख्यान	१४	,,	क्षमाकल्याण पाठक		१८६०	१९०१	उत्तम	१०। × ५
१८५८२	अध्यात्म रामायण (रामगीता)	१९	,,				१८८५	,,	१०।। × ४।।।
१८५८३	मेघमाला	४	,,				१९०२	,,	१० × ५
१८५८४	पंचमीस्तवन	३	गु०	समयसुंदरोपाध्याय			१९मो	,,	९।।। × ५
१८५८५	ज्वराधिकार	३	सं०				,,	,,	,,
१८५८६	प्रायश्चित्तप्रदानविधि	३	हिंदी				,,	,,	१० × ५
१८५८७	महावीर जिनस्तवन	२	गु०	समयसुंदरोपाध्याय			,,	,,	१० × ४।।।
१८५८८	अक्षय तृतीया व्याख्यान	३	सं०	क्षमाकल्याण पाठक			१९२७	,,	१० × ५
१८५८९	सौभाग्य पंचमी व्याख्यान	२	,,				१८५६	,,	९।।। × ५
१८५९०	नक्षत्र प्रश्न	२	गु०				१९३२	,,	१० × ४।।।
१८५९१	रघुवंश सटीक[२]	१९	सं०	कालिदास			१८मो	,,	१०। × ५
१८५९२	शिव पच्चीसी	१	हिंदी	बनारसी			,,	मध्यम	१० × ५
१८५९३	वीरस्तुति अध्ययन सस्तबक	३	प्रा०हिं०				१९मो	उत्तम	१० × ४।।।

१. प्रथम पत्र नथी. २. त्रूटक

क्रमाक	पुस्तकनु नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोलाई
१८५९४	कल्पसूत्र मूल अपूर्ण	६८	प्रा०	भद्रबाहुस्वामी			१९मो	उत्तम	१० × ४॥।
१८५९५	बोल[1]	६	गु०				,,	,,	१० × ४॥
१८५९६	शास्त्रीय चर्चा	४	हिंदी				१८७६	,,	९॥। × ४॥
१८५९७	मात्राप्रस्तारविधि आदि	४	,,				१९मो	,,	१० × ४॥।
१८५९८	कल्याणक तिथि	१					१७मो	,,	१० × ४।
१८५९९	होलिका व्याख्यान	२	सं०	क्षमाकल्याण पाठक			१९२७	उत्तम	१० × ४॥।
१८६००	वैद्यक पद्य अपूर्ण	४	हिंदी				१९मो	,,	,,
१८६०१	प्रस्तारपीयूषनिधि	७	,,			१८७९	,,	,,	,,
१८६०२	वज्रसूची	३	सं०	शंकराचार्य			,,	,,	,,
१८६०३	प्रश्नचंडेश्वर	६	,,	रामकृष्ण			१८९५	,,	,,
१८६०४	कर्मप्रकृति बोल	३	हिंदी				१९मो	,,	,,
१८६०५	पच्चक्खाण	५	प्रा०				,,	,,	,,
१८६०६	षट्पंचाशिका सटीक	५	सं०	मू० पृथुयशा टी० उत्पलभट्ट			१८मो	,,	१० × ४।
१८६०७	कूर्मापुत्र चरित्र	७	प्रा०	जिनमाणिक्यसूरि			१९२७	,,	१० × ५
१८६०८	उपदेशमाला सस्तबक[2]	७९	प्रा०गु०	मू० धर्मदासगणि स्त० लक्ष्मीविजयोपाध्याय		स्त० १७१७	१७१७	,,	१० × ४॥।
१८६०९	पंचमुख हनुमन्मंत्र आदि	७	सं०				१९मो	,,	१० × ४॥।
१८६१०	नक्षत्र कष्टावली	३	सं०				१९१०	उत्तम	१० × ४॥।
१८६११	हठयोगविद्या अपूर्ण	१८	,,				१८मो	मध्यम	,,
१८६१२	शुभाशुभयोग ज्योतिष	८	,,				१९मो	उत्तम	,,
१८६१३	अंजनासुंदरी रास	१०	गु०				१८११	,,	१० × ४॥
१८६१४	यक्षिणी साधन[3]	४	सं०	नागार्जुन			१८९५	,,	१० × ४॥।
१८६१५	लिंगानुशासन	८	,,				१९मो	,,	,,
१८६१६	दुर्गापद्धति	९	,,				१८९९	,,	,,
१८६१७	बत्तीस सूत्रकी टीप	८	हिंदी				१८मो	,,	,,
१८६१८	प्रास्ताविक गाथा सस्तबक	५	प्रा०गु०				,,	,,	१० × ४॥
१८६१९	" सा सवत्ता०" श्लोक सटीक आदि	३	सं०				१९०९	उत्तम	,,

१ प्रथम पत्र नथी. २ स्तबककारे लखेली प्रति. ३ कक्षपुट गत.

क्रमाक	पुस्तकनु नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोलाई
१८६२०	अनेकार्थध्वनिमंजरी	४	सं०				१९०८	उत्तम	१०। × ४।।।
१८६२१	चरणव्यूह	२	सं०				१८मो	,,	१० × ४।।।
१८६२२	वंगचूलिया सस्तबक	९	प्रा०हिं०				१९२९	,,	१० × ४।।
१८६२३	भक्तामरस्तोत्र बीजमंत्राः[१]	५	सं०				१९१०	,,	१० × ४।।
१८६२४	आलोचनाविधि	२	प्रा०हिं०				१८मो	,,	१० × ४।
१८६२५	सामुद्रिकशास्त्र	२१	सं०				१८९६	,,	१० × ४।।।
१८६२६	विद्वद्गोष्ठी	१	,,				१८मो	,,	१० × ४।
१८६२७	पंचकल्याणक स्तवन	१	गु०	पुण्यसागर			,,	,,	१०। × ४।
१८६२८	स्वप्राध्याय सबालावबोध	७	सं०गु०				,,	,,	१० × ४।।
१८६२९	ज्ञानसमाधि	२	हिंदी				१९०७	,,	१० × ४।।।
१८६३०	जिनसहस्रनामस्तोत्र सटीक त्रिपाट	२५	सं०	मू०आशाधर टी०श्रुतसागर			,,	,,	१० × ४।।
१८६३१	प्रकीर्णक ज्योतिष	८	सं०				१९मो	,,	१० × ४।।।
१८६३२	(१) गौतम पृच्छा गीत }	१-२	गु०				१९०९	,,	१० × ४।।।
	(२) नेमनाथ बार मासा }	२-५	हिंदी						
१८६३३	योगशत सस्तबक	१६	सं०हिंदी				१९मो	,,	१० × ४।।
१८६३४	सामुद्रिक चोपाइ	१०	गु०	रामचंद्र		१७२२	१९१२	,,	१० × ४।।।
१८६३५	अनुत्तरौपपातिक सूत्र सस्तवक अपूर्ण	२०	प्रा०गु०				१८मो	,,	१० × ४।।
१८६३६	भक्तामरस्तोत्र सबालावबोध[२]	१६	सं०गु०	मू०मानतुंगसूरि			१६६०	मध्यम	१० × ४।
१८६३७	नेमीश्वररागमाला	१२	गु०	ज्ञानसमुद्र			१९मो	उत्तम	१० × ४।।
१८६३८	प्रत्याख्यानानि सस्तबकानि	४	प्रा०हिं०				१९२२	,,	,,
१८६३९	राधाविनोदकाव्य सटीक	५	सं०	मू०रामचंद्र टी०नारायण			१९मो	,,	,,
१८६४०	संध्याप्रयोग आदि	३	सं०				,,	,,	१० × ४।।।
१८६४१	होराचक्र आदि	३	संस्कृत				१९मो	मध्यम	१० × ४।।
१८६४२	श्रावकव्रतभंग वर्णन	१३	,,				,,	उत्तम	,,
१८६४३	ढुंढकमतनिराकरण चर्चा	१५	प्रा०हिं०				१९०१	,,	१० × ४।।।
१८६४४	जन्मपत्रीलेखन मंगल	२					१९मो	,,	९।।। × ४।।
१८६४५	गौतमकुलक सबालावबोध	११	प्रा०हिं०				१८२८	,,	१० × ४।।

१ ४८ काव्यना २ प्रथम पत्र नथी. चोंटेली

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोलाई
१८६४६	व्यवहारसूत्र सस्तबक[1]	५०	प्रा०गु०				१९मो	उत्तम	१० × ४॥।
१९६४७	उपासकदशांग सूत्र विवरण	३०	सं०				१९०६	उत्तम	१० × ४॥।
१८६४८	श्राद्धातिचार प्रतिक्रमण	११	प्रा०गु०				१९मो	,,	९॥ × ४॥
१८६४९	बोलसंग्रह कोष्ठक	२५	हिंदी				२०मो	,,	१० × ४॥
१८६५०	पिंडविशुद्धि सटीक	२१	प्रा०सं०	मू०जिनवल्लभसूरि टी०उदयसिंहसूरि			१९०५	,,	१० × ४॥।
१८६५१	नयचक्रवचनिका पद्य	१०	हिंदी	हेमराज		१७२६	,,	,,	१० × ४॥
१८६५२	अंगचूलिया	१९	प्रा०				१९मो	,,	१० × ४॥।
१८६५३	गुणस्थानक द्वार	१६	हिंदी				१९०२	,,	१० × ४॥
१८६५४	शास्त्रीय चर्चा	११	,,	रामचंद्र			१९मो	,,	१० × ४॥।
१८६५५	गौतमकुलक सार्थ	२	प्रा०सं०				१९०५	,,	,,
१८६५६	दोषपरिहारकुलक सस्तबक	३	प्रा०हिं०				१९०५	,,	,,
१८६५७	संबोधसप्ततिका सटिप्पन	७	प्रा०सं०	मू०जयशेखरसूरि			,,	,,	,,
१८६५८	सम्यक्त्वसप्ततिका सावचूरि	७	,,	अव०गुणनिधानसूरिशिष्य			,,	,,	,,
१८६५९	साधुवंदना	१०	गु०	देवचंद्र			१९२१	,,	,,
१८६६०	जंबूद्वीपविवरण[2]	१४	सं०				१९१०	,,	,,
१८६६१	जंबूद्वीपविवरण	१०	गु०				१९०२	,,	,,
१८६६२	पचीस बोल	३	,,				१९मो	,,	,,
१८६६३	नवतत्त्वप्रकरणावचूरि	१२	सं०				१९०८	,,	,,
१८६६४	नवतत्त्वप्रकरण सटिप्पन	१०	प्रा०सं०		मू०९३ गाथा		१९०५	,,	,,
१८६६५	नवतत्त्वप्रकरण बालावबोध	८	गु०				२०मो	,,	,,
१८६६६	पुण्यपापवर्णनकुलक सबालावबोध	२	प्रा०गु०				१९११	,,	,,
१८६६७	जंबूद्वीपविचार	१६	गु०				१९मो	,,	,,
१८६६८	महादंडकबोल	३२	,,				१९०९	,,	,,
१८६६९	छत्तीस थोकडा बोल संग्रह	२२	,,				१९०२	,,	,,
१८६७०	नयबोल संग्रह	६	,,				१९मो	,,	,,
१८६७१	दंडकद्वार बोल	२२	,,				,,	मध्यम	१० × ४॥

१. पत्र १०मुं नथी. २. पत्र १३मां संवत छे.

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोलाई
१८६७२	नयचक्र विचार	२१	गु०				१८४७	मध्यम	९॥। × ४।
१८६७३	कर्मफल विचार	२	,,				१९मो	,,	,,
१८६७४	अष्टाविंशतिलब्धयः	१	प्रा०				,,	उत्तम	१० × ४॥
१८६७५	रमल अपूर्ण[१]	१५	हिंदी				,,	उत्तम	९॥। × ४॥
१८६७६	नेत्रपरीक्षा	१	सं०				,,	,,	१० × ४॥
१८६७७	श्रावकमनोरथादि[२]	६	हिंदी				,,	मध्यम	९॥। × ४॥
१८६७८	शिवमहिम्नःस्तोत्रः	४	सं०	पुष्पदन्त			,,	उत्तम	९॥। × ४॥।
१८६७९	ज्योतिषशास्त्र विचार	७	हिंदी				१९२५	उत्तम	१० × ४॥।
१८६८०	जांगुली विद्या	२	सं०				२०मो	,,	१० × ४॥
१८६८१	सूक्तमाला अपूर्ण	५	गु०				१९मो	,,	९॥। × ४।
१८६८२	इर्यापथिकी स्वाध्याय	२	,,	विनयविजयोपाध्याय		१७३३	१८३४	,,	१० × ४॥
१८६८३	सीमंधर जिन स्तवन	१	,,	ज्ञानविमलसूरि			२०मो	,,	,,
१८६८४	एकविंशतिस्थानकप्रकरण सस्तबक	७	प्रा०गु०	मू०सिद्धसेनसूरि			१९मो	,,	१० × ४॥।
१८६८५	गुणस्थानक स्तवन	२	गु०	धरमसी		१७२९	१७७८	,,	१० × ४।
१८६८६	(१) बृहत्शांति स्तोत्र	३	सं०				२०मो	,,	१० × ४॥
	(२) जीरापल्लीपार्श्वस्तोत्र		सं०	पार्श्वचंद्र					
१८६८७	जीवविचार सस्तबक	५	प्रा०हिं०	मू०शांतिसूरि			१९०८	,,	१० × ४॥
१८६८८	शिवाष्टक	१	सं०				१९मो	,,	१० × ४॥
१८६८९	(१) चतुःश्लोकी भागवत सार्थ	१-४	सं०गु०				१८९८	,,	९॥। × ४॥
	(२) गर्भगीता	४-५	सं०						
१८६९०	भाषाभूषण	८	व्रज	यशवंतसिंह			१९०१	,,	१० × ४॥।
१८६९१	वैदर्भी चोपाई	११	गु०				१९मो	,,	१० × ४।
१८६९२	गणेशस्तोत्र	१	सं०	शंकराचार्य			१९१७	,,	१० × ४॥।
१८६९३	चतुःशरणप्रकीर्णक सस्तबक	९	प्रा०गु०				१८मो	,,	९॥। × ४।
१८६९४	नवतत्त्वप्रकरण सावचूरि	४	प्रा०सं०		२००		१७मो	,,	१० × ४।
१८६९५	अव्ययानि	३	सं०				१९मो	,,	१० × ४॥
१८६९६	सारस्वतकृदंतप्रक्रिया	१४	,,				१७८८	,,	१० × ४॥

१. प्रथम पत्र नथी. २. पत्र ५मुं नथी.

क्रमांक	पुस्तकनु नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोलाई
१८६९७	शत्रुंजय रास	५	गु०	समयसुंदरोपाध्याय			२०मो	उत्तम	१० × ४।।।
१८६९८	वसुधारा स्तोत्र	६	सं०				१७९१	मध्यम	१० × ४।।
१८६९९	शतसंवत्सरी[1]	३	हिंदी				१९१३	उत्तम	१० × ४।।।
१८७००	तंत्रप्रयोग	४	सं०गु०				१९मो	,,	९।।। × ४।
१८७०१	चिहुंगति चोपाई	४	गु०				,,	,,	१० × ४
१८७०२	योगिनी दशा फल	४	सं०				२०मो	,,	१० × ४।।।
१८७०३	जीवविचार प्रकरण	२	प्रा०	शांतिसूरि			१९मो	जीर्ण	१०। × ४।
१८७०४	पासाकेवली	२	सं०				१८०१	,,	१० × ४।
१८७०५	दर्शनकुलक सावचूरि पंचपाठ अपूर्ण	२	प्रा०सं०				१७मो	उत्तम	१० × ४।
१८७०६	(१) नमस्कार स्तोत्र	१-२	अप०	श्री वल्लभसूरि			१९मो	,,	१०। × ४।।
	(२) पार्श्वजिन स्तोत्र	२जुं०	सं०						
१८७०७	सस्सी पुन्नूरास	६	हिंदी	लक्खण			२०मो	,,	१० × ४।।
१८७०८	तीर्थनगरस्थापना संवत तथा सूत्र टिप्पनिका अपूर्ण	१	गु०				१९मो	,,	१० × ४।
१८७०९	विवाहपटल[2]	१	सं०				,,	,,	१० × ४।।।
१८७१०	महिषासुरमर्दिनी छंद	२	गु०	सुमतिरंग			,,	,,	९।।। × ४।
१८७११	मंत्र	३	हिंदी				,,	,,	१० × ४।।।
१८७१२	मंगलस्तोत्र	१	सं०				,,	,,	,,
१८७१३	गायत्रीव्याख्या	१	,,	जिनप्रभसूरि			१७मो	,,	१० × ४
१८७१४	लब्धिस्तवन	२	प्रा०				१९मो	,,	१० × ४।।
१८७१५	आलोचनाविधि	२	गु०				१९२६	,,	९।।। × ४।।।
१८७१६	हंसचक्र	२	सं०				१९मो	,,	१० × ४।।।
१८७१७	बाराखडी पद्य	४	हिंदी	दत्तलाल			१९२२	,,	१० × ४।।
१८७१८	प्रज्ञापना प्रथमपद टीका	५	सं०	मलयगिरिसूरि			२०मो	,,	१० × ४।।
१८७१९	यतिप्रतिक्रमण सूत्र	७	प्रा०				१८८३	,,	९ × ४।
१८७२०	धर्मोपदेशश्लोकाः	८	सं०				१९मो	,,	१० × ४।।
१८७२१	प्रतिक्रमणविधि	२	प्रा०हिं०				२०मो	उत्तम	१० × ४।।

१. प्रथम पत्र नथी. २. वाराही संहिता गत.

क्रमांक	पुस्तकनु नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनास.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोलाई
१८७२२	रत्नाकरपंचविंशतिका	२	सं०	रत्नाकरसूरि			२०मो	उत्तम	१० × ४।।
१८७२३	स्याद्वादमतस्वाध्याय	२	गु०	श्रीसार			,,	,,	९।।। × ४।
१८७२४	अधिकमासमाश्रित्य पर्युषणा विचार	२	प्रा०सं०				,,	,,	१० × ४।।
१८७२५	शास्त्रीय विचार	३	हिंदी				,,	,,	१० × ४।।।
१८७२६	महादेव स्तोत्र	२	सं०	हेमचंद्रसूरि			,,	,,	१० × ४।।
१८७२७	चमत्कार चिंतामणि	७	,,				,,	,,	१० × ४।।।
१८७२८	व्याकृतिखंडन	२	,,	वाचस्पति भट्टाचार्य			१९०४	,,	१० × ४।।।
१८७२९	प्रत्यंगिरामालामंत्र	२	,,				२०मो	,,	१० × ४।।
१८७३०	"हयाटा खाट०" काव्य सटीक	१	,,				,,	,,	१० × ४।।।
१८७३१	पल्य पच्चीसी	२	हिंदी				१९११	,,	१० × ४।।
१८७३२	प्रासुकाहारविचार	३	सं०प्रा०				१९मो	,,	१० × ४।।।
१८७३३	धर्मोपदेशश्लोक[१]	४	सं०				,,	,,	१० × ४।।
१८७३४	ऋषभदेव पद	१	गु०	ऋद्धिहर्ष			१९मो	उत्तम	९।।। × ४।।।
१८७३५	बाराखडी पद्य	५	हिंदी	सूरत			१९१६	,,	१० × ४।।
१८७३६	मंत्र	१	सं०हिं०				२०मो	,,	१० × ४।।।
१८७३७	मूलनक्षत्रनिवारण	१	सं०हिं०प्रा०				,,	,,	१० × ४।।
१८७३८	नवग्रहस्तुतिगर्भित स्तवन सटीक	२	प्रा०सं०	मू०जिनप्रभसूरि			१८९४	,,	१० × ४।।।
१८७३९	गांगेयभंगविकल्प विधि	२	गु०				,,	,,	१० × ४।।।
१८७४०	चोवीस तीर्थंकरका लेखा अपूर्ण	६	,,				,,	,,	१० × ४।।।
१८७४१	कलिस्वरूप वर्णन[२]	१	सं०				२०मो	,,	१० × ४।।
१८७४२	प्रायश्चित्ताधिकार	१	सं०हिं०				,,	,,	९।।। × ४।।।
१८७४३	छान्दस प्रयोग[३]	३	सं०	वरदराज			१९०९	,,	१० × ४।।
१८७४४	रूपदीप भाषा पिंगल	४	हिंदी	जयकृष्ण			१९९४	,,	१० × ४।।
१८७४५	नाममाला प्रथम परिच्छेद	९	सं०	धनंजय			१९०४	,,	१० × ४।।।
१८७४६	अकलंकाष्टक स्तोत्र	१	,,				१९०८	,,	,,
१८७४७	पिंगल शास्त्र	५	हिंदी	हेतराम दीक्षित			१९२६	उत्तम	१०। × ४।।।

१ पुराणगत अपूर्ण २ स्कंदपुराण गत ३ मध्यसिद्धान्त कौमुदी गत

क्रमांक	पुस्तकनु नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोलाई
१८७४८	(१) कलशचक्र (२) मेघविचार	१	सं०				२०मो	उत्तम	१० × ४॥
१८७४९	शीघ्रबोध	७	,,	काशीनाथ			१९२०	,,	१० × ४।।।
१८७५०	श्रावकव्रतभंगप्रकरण सावचूरि त्रिपाठ	५	प्रा०सं०				१९मो	,,	१० × ४॥
१८७५१	जिनबिंब जीवपद स्थापना चर्चा	७	हिंदी				,,	,,	१० × ४।।।
१८७५२	तेतीका थोकडा बोल संग्रह	१५	,,				१९१६	,,	९।।। × ४।।।
१८७५३	चोवीस दंडक बोल	२३	गु०	ज्ञाननिधान गणि		१७१९	१९०१	,,	१० × ४।।।
१८७५४	(१) पुण्य पचीसी (२) शत अष्टोत्तरी	१-३ ३-११	हिंदी ,,	भगवतीदास भगौतीदास		१७३०	१९१६	,,	,,
१८७५५	सारस्वतकृदंत प्रक्रिया	११	सं०	अनुभूतिस्वरूपाचार्य			२०मो	,,	९।।। × ४।।।
१८७५६	चक्रेश्वरीस्तोत्र	१	,,				,,	,,	१० × ४॥
१८७५७	सामुद्रिकभाषा पद्य	१८	हिं०	रामचंद्र		१७२२	१९१७	,,	९।।। × ४॥
१८७५८	कररेखालक्षण सस्तबक	५	प्रा०गु०				१९२५	,,	,,
१८७५९	समयसार प्रकरण बालावबोध सह[१]	२४९	सं०गु०	मू०अमृतचंद्रसूरि			१८मो	मध्यम	११। × ५
१८७६०	(समास प्रक्रिया) सिद्धांतचंद्रिका टीका	४१	सं०	सदानंद			१९मो	उत्तम	११। × ५
१८७६१	सिद्धांतचंद्रिका टीका (तद्धित पर्यंत)	३८	,,	,,			,,	,,	११ × ५
१८७६२	मरीचिकथा आदि कथाओ	४०	गु०प्रा०सं				१८मो	मध्यम	११। × ५
१८७६३	सिद्धांतचंद्रिका टीका (कारकाणि) सुबोधिनी	३७	संस्कृत	सदानंदगणि			१९मो	उत्तम	११। × ५
१८७६४	पार्श्वनाथचरित्र पद्य	१६५	,,	भावदेवसूरि	६०७४	१४१२	१८मो	मध्यम	११॥ × ५
१८७६५	समवायांगसूत्र मूल	९८	प्राकृत	सुधर्मास्वामि	१६६७		१७६५	मध्यम	११॥ × ५
१८७६६	मुहूर्त्तचिंतामणि	४१	सं०	रामदैवज्ञ		शाके १५२२	१८८४	उत्तम	११। × ५
१८७६७	राजुल पचीसी	५	हिंदी	आनंदचंद (विनोदचंद)			१९मो	,,	११ × ५
१८७६८	सिद्धांतचंद्रिका टीका (सुबोधिनी) अपूर्ण	५५	सं०	सदानंद गणि			,,	,,	,,
१८७६९	प्राणसुख वैद्यक (चोपाई)	११	हिं०	दरवेश हकीम			,,	,,	,,
१८७७०	अजीर्णमंजरी	५	सं०				१९२८	,,	,,
१८७७१	राक्षसकाव्यटीका	८	,,				१८७५	,,	११ × ४।।।

१ चोटेली प्रति छे.

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोलाई
१८७७२	मेघदूत काव्य सटिप्पणी	१४	सं०	मू०कवि कालिदास			१८मो	जीर्ण	११ × ५
१८७७३	काव्यप्रकाश[१]	२०	सं०	मम्मट			,,	मध्यम	,,
१८७७४	वैद्यजीवन सस्तबक	२२	सं०गु०	मू०लोलिंबराज			१८२४	,,	,,
१८७७५	संग्रहणीसूत्र सस्तबक सचित्र[२]	४२	प्रा०गु०	मू०श्रीचंद्रमुनि. स्त०बिहारीमुनि		स्त०१९०३	१९०३	,,	,,
१८७७६	बनारसीविलास[३]	४५	हिं०				१९मो	,,	,,
१८७७७	षोडशकारणपूजा	३४	सं०		ग्रंथा०५५०		१७मो	,,	११। × ४।।।
१८७७८	साधुगुणमाला	१२	हिं०	हरजसराय		१८६४	१९२७	उत्तम	११ × ४।।।
१८७७९	अनुयोगद्वार किञ्चित् सस्तबकार्थ सह	७१	प्रा०गु०				१६१५	,,	१०।।। × ४।।।
१८७८०	चिकित्सासार	५०	हिंदी	धीरजराम		१८१०	१९२९	,,	११ × ५
१८७८१	नेमनाथ विवाहलो	४	,,	जिनदास			१८६०	,,	११ × ४।।।
१८७८२	कुमति विध्वंसण सिद्धांतसार चोपाई	८	गुज०	हीरकलश		१६१७	१९३१	,,	,,
१८७८३	चिकित्सासार अनुक्रमणिका	५	हिंदी	(धीरजराम)			२०मो	मध्यम	,,
१८७८४	शिवस्वरोदय[४]	२२	सं०				१८७३	उत्तम	,,
१८७८५	सम्यक्त्वकौमुदीकथा	६८	,,	गुणाकरसूरि	१७०१	१५१४	१७८२	मध्यम	,,
१८७८६	राजप्रश्नीयोपांग द्वितीय श्रुतस्कंध मूल	५१		प्राकृत			१८मो	,,	,,
१८७८७	संग्रहणी सूत्र सस्तबक सचित्र	४९	प्रा०गु०	मू०श्रीचंद्रमुनि			१९मो	,,	१०।।। × ४।।।
१८७८८	सारस्वत टीका (सुबोधिका)	१५८	सं०	चंद्रकीर्त्ति			१७९८	,,	११ × ४।।
१८७८९	कातंत्रव्याकरण वृत्ति[५]	७६	,,	दुर्गसिंह			१५०५	,,	११ × ४।।
१८७९०	सिद्धहेमशब्दानुशासन[६] बृहद्वृत्ति (तृतीयाध्यायना द्वितीयपादपर्यंत)	१९६	,,	हेमचंद्राचार्य स्वोपज्ञ	७७०७		२०मो	उत्तम	११। × ४।।
१८७९१	अंतकृद्दशांगसूत्र सस्तबक	३२	प्रा०गु०				१७५२	,,	११ × ४।।।
१८७९२	रत्नपरीक्षा	२५	गुज०				१८९३	,,	१० × ४।।।
१८७९३	अर्हन्नीति	३६	सं०	हेमचंद्राचार्य			१९४८	,,	१०। × ५
१८७९४	सारस्वतप्रक्रिया उत्तरार्ध[७]	४८थी१०८	,,	अनुभूतिस्वरूपाचार्य			१९२९	जीर्ण	१०।। × ५
१८७९५	पाणिनीयसूत्र सावचूरि[८]	२२	,,	मू०पाणिनी			१८मो	मध्यम	१०। × ५

१. उल्लास ७मो अपूर्ण लखतां अधुरी. २. पत्र ५मुं त्रण, ७मुं त्रण, १०मुं त्रण १२मुं डबल, १५मुं त्रण, १८मुं त्रण, २०मुं डबल, ३०मुं डबल, ३१मुं डबल, ३५मुं डबल छे. ३. लखतां अधुरी. पत्र ३१, ३२ नथी. ४. शिवोमासंवादे ५. पत्र १९मुं, २७मुं, ३४मुं डबल छे. पत्र ३८मुं, ३९मुं तथा ४७मुं तथा ६२थी ७१ पत्र नथी. ६. पत्र २३-२४ भेगां छे ७. आख्यतथी पूर्ण. ८. सप्तमाध्यायना तृतीयपाद पर्यंत. अपूर्ण.

क्रमांक	पुस्तकनु नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोलाई
१८७९६	लघुक्षेत्रसमास-प्रकरण सस्तबक सचित्र	५२	प्रा०गु०	मू० रत्नशेखरसूरि			१९३०	उत्तम	१०। × ५
१८७९७	रत्नशेखरकथा पद्य	४९	प्रा०	जिनहर्ष			१९मो	,,	१०। × ५
१८७९८	अनिट्कारिका	१	सं०				,,	,,	१०।। × ५
१८७९९	कोकसार चोपाई	१४	हिं०	आनंद कवि.			२०मो	मध्यम	१०। × ५
१८८००	अनिट्कारिका सावचूरि त्रिपाठ	२	संस्कृत				१८०१	उत्तम	१०। × ४।
१८८०१	सूत्रहीला अध्ययन	५	प्रा०				१८९६	मध्यम	१० × ४।।
१८८०२	परिभाषा प्रकरण	३	सं०				१९मो	,,	,,
१८८०३	मधुकरपरीक्षा[1]	२	,,				१८१३	उत्तम	,,
१८८०४	वृद्धचाणाक्यराजनीति	९	,,				१९३७	,,	१०। × ४।।।
१८८०५	योगदृष्टिसमुच्चय सटीक	३३	,,	हरिभद्रसूरि	११७५		२०मो	,,	१० × ४।।।
१८८०६	वाग्भटालंकार टीका द्विपाठ	३४	,,				१८९४	,,	,,
१८८०७	तद्धितोपदेश व्याकरण	१४	,,	चंद्र०			२०मो	,,	,,
१८८०८	प्रतिक्रमणसूत्र सस्तबक	३४	प्रा०गु०		टबो. ७५०		१९०२	,,	,,
१८८०९	सामुद्रिकशास्त्रभाषा[2]	११	गु०				२० मो	,,	९।।। × ४।।।
१८८१०	ध्वजारोपणविधि.	६	मिश्र०				१९२३	,,	१० × ४।।
१८८११	बिंबप्रवेशविधि.	१०	प्रा.सं.				१९२३	,,	,,
१८८१२	ज्ञानसारग्रंथ सस्तबक.	१७	सं.हिं.				१९२३	,,	,,
१८८१३	नवकार बालावबोध[3]	३२	गु.				१९मो	,,	१० × ४।।।
१८८१४	योगदृष्टिस्वाध्याय सस्तबक.	३०	,,	उ. यशोविजयजी. ट. ज्ञानविमलजी.			१८९९	,,	१० × ४।।।
१८८१५	पंचेन्द्रिय चोपाई	११	हिन्दी.				१९२०	,,	१० × ४।।।
१८८१६	नवतत्त्व बालावबोध	१८	,,				१९०९	,,	१० × ४।।
१८८१७	क्षेत्रसमासप्रकरण[4]	६	प्रा.				१९मो	जीर्ण	१० × ४।
१८८१८	गुणसमुद्रब्राह्मणपुत्र कथा[5]	३	,,	अभयचंद्रगणि	१५११		,,	,,	१०। × ४।।
१८८१९	नवतत्त्व प्रकरण	३	,,				,,	उत्तम	१०। × ४।।
१८८२०	राजुल पचीसी.	३	हिंदी.				,,	,,	१० × ४।।
१८८२१	कालिकाचार्य कथा.	३	सं.				,,	,,	१० × ४।।
१८८२२	तत्त्वार्थाधिगम	८	,,	उमास्वातिवाचक			१९३४	,,	१० × ४।

१. रुद्रयामल तंत्र गत. २. प्रथम पत्र नथी लखतां अधुरी. ३. अपूर्ण पत्र १-२ नथी. ४. पत्र ३जु नथी. ५. अदत्तादाने.

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता
५९२४	नवतत्त्वचोपई	१९	गु.	
५९२५	जम्बूद्वीपसंङ्ग्रहणीप्रकरण सस्तबक	४	प्रा.गु.	बृहद्गच्छीय हरिभद्राचार्य
५९२६	रत्नाकरपञ्चविंशतिका सस्तबक	८	सं.गु.	मू. रत्नाकरसूरि
५९२७	दान-शील-तप-भावनासंवाद चउपई	५	गु.	समयसुन्दर वाचक
५९२८	राजादि-रुचादिगणविवरण	५	सं.	
५९२९	हीरविजयसूरिना १२ बोल	२	गु.	हीरविजयसूरि
५९३०	एकादशीकथास्तवन	३	गु.	
५९३१	पिस्तालीसआगमतपगणणुं	१२	गु.	
५९३२	ज्ञानप्रबोध विद्वद्गोष्ठी सस्तबक	२-४	सं.गु.	
५९३३ (१)	पुण्यपापस्वरूपकुलक	३	प्रा.	
५९३३ (२)	कायस्थितिस्तोत्रप्रकरण	३	प्रा.	
५९३३ (३)	सिद्धदण्डिकाप्रकरण	३	प्रा.	त. देवेन्द्रसूरि
५९३४	क्षमाविजयनिर्वाणमहोत्सव	५	गु.	जिनविजय
५९३५	इलाकुमार चतुष्पदी	६	गु.	ज्ञानसागर
५९३६	अधिकमास चोपई सस्तबक	४	गु.	कचरो
५९३७	क्रोध मान-माया लोभनी सज्झायो	२	गु.	उदयरत्न
५९३८	पञ्चमहाव्रतसज्झाय	३	गु.	जिनविजय
५९३९ (१)	पांच दृष्टान्तनी सज्झाय	२	गु.	लब्धिविजय
५९३९ (२)	मेघकुमारसज्झाय	२	गु.	प्रीतिविजय
५९३९ (३)	महावीरजिनस्तवन	२	गु.	उदयरत्न
५९३९ (४)	अरणिकमुनिसज्झाय	२	गु.	रूपविजय
५९३९ (५)	वर्धमानजिनस्तवन	२	गु.	यशोविजयोपाध्याय
५९४० (१)	नवकारनवपदाधिकारसज्झाय	७	गु.	ज्ञानविमलगणि
५९४० (२)	अगीयार अङ्ग १२ उपाङ्गसज्झाय	७	गु.	ज्ञानविमलगणि
५९४० (३)	आत्महितशिक्षासज्झाय	७	गु.	विशुद्धविमल
५९४० (४)	लेश्यास्वरूपगाथा	७	प्रा.	
५९४० (५)	सुगुरुसज्झाय	७	गु.	यशोविजयपोध्याय
५९४० (६)	साधुगुणस्वाध्याय	७	गु.	यशोविजयोपाध्याय
५९४१	नमस्कारस्तवप्रबन्ध	१	गु.	भडसिंह
५९४२	तेर काठीयानुं स्वरूप	१४	गु.	
५९४३	अढार नातरानी सज्झाय	३	गु.	ऋद्धिविजय
५९४४	दशपच्चक्खाणफलस्वाध्याय	२	गु.	रामचन्द्र
५९४५ (१)	कृष्ण-शुक्लपक्षसज्झाय	३	गु.	हर्षकीर्तिसूरि
५९४५ (२)	दृष्टांन्तोपनयस्वाध्याय	३	गु.	गुणविजय
५९४५ (३)	चरणसित्तरि-करणसित्तरिसज्झाय	३	गु.	नेमसागर
५९४६	भरत-बाहुबलिरास	१२	गु.	गुणरत्नसूरि
५९४७	नमिऊणपार्श्वनाथस्तोत्र टबार्थसहित	४	प्रा.गु.	
५९४८	पद्मावतीस्तोत्र विधिसहित	४	सं.	
५९४९	तिजयपहुत्तस्तोत्र सस्तबक	३	प्रा.गु.	
५९५०	ऋषिदत्तारास	२२	गु.	जयवन्तसूरि
५९५१	इलाकुमाररास	४	गु.	ज्ञानसागर
५९५२	इलाकुमाररास	८	गु.	ज्ञानसागर
५९५३	आषाढभूतिमुनिरास	६	गु.	कनकसोम
५९५४	गौतमस्वामिरास	८	गु.	विजयभद्र
५९५५	गौतमस्वामिरास	४	गु.	विजयभद्र
५९५६	वयरस्वामिस्वाध्याय	६	गु.	जिनहर्ष
५९५७ (१)	झांझरीयामुनिनी सज्झाय	४	गु.	ख. समयसुन्दर
५९५७ (२)	पद्मावतीनी आराधना	४	गु.	ख. समयसुन्दर
५९५८	द्रव्य-गुण-पर्यायरास स्वोपज्ञ टबार्थ सहित त्रिपाठ	३७	गु.	यशोविजयोपाध्याय
५९५९	द्रव्य-गुण-पर्यायरास स्वोपज्ञ टबार्थ सहित त्रिपाठ	५७	गु.	यशोविजयोपाध्याय
५९६०	जम्बूपृच्छारास	९	गु.	वीरजीमुनि

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता
५९६१	जम्बूपृच्छारास	२०	गु.	वीरजीमुनि
५९६२	ढालचिन्तामणि-हरिवंशप्रबन्ध अपूर्ण	२५	गु.	
५९६३	मानतुङ्ग-मानवतीरास	२-२६	गु.	मोहनविजय
५९६४	विमलमन्त्रिरास	६१	गु.	लावण्यसमय
५९६५	विमलमन्त्रिरास	३-४८	गु.	लावण्यसमय
५९६६	अवन्तीसुकुमालचरित्ररास अपूर्ण	४५	गु.	
५९६७	नेमिनाथचरित्ररास	३४	गु.	
५९६८	आनन्दघनचोवीसी सस्तबक	३३	गु.	मू. आनन्दघन, स्त. ज्ञानविमलसूरि
५९६९	प्रदेशिराजरास	९	गु.	उपकेशगच्छीय सहजसुन्दर
५९७०	पृथ्वीचन्द्रकुमाररास	१२	गु.	देवचन्द्र
५९७१	गौतमस्वामिरास	६	गु.	विजयभद्रसूरि
५९७२	गौतमस्वामिरास	५	गु.	विजयभद्रसूरि
५९७३	गौतमस्वामिरास	४	गु.	विजयभद्रसूरि
५९७४	गौतमस्वामिरास	५	गु.	विजयभद्रसूरि
५९७५	चन्दनबालाचरित्ररास	८	गु.	
५९७६	जम्बूस्वामिरास	२४	गु.	
५९७७	जिनपालित-जिनरक्षितरास	३	गु.	आनन्दप्रमोद
५९७८	सुरसुन्दरीसतीचरित्र	२४	गु.	नयसुन्दर
५९७९	गौतमपृच्छाप्रकरण	५	गु.	ऋषभदास
५९८०	गौतमस्वामिरास	५	गु.	विजयभद्र
५९८१	गुरुतत्त्वप्रकाशरास	९	गु.	मानविजय
५९८२	इलाचीकुमाररास	५	गु.	ज्ञानसागर
५९८३	सुरसुन्दरीरास	२२	गु.	नयसुन्दर
५९८४	चारप्रत्येकबुद्धरास चउपई प्रथमखण्ड	१०	गु.	समयसुन्दर
५९८५ (१)	चारप्रत्येकबुद्धरास चउपई सम्पूर्ण	१-२५	गु.	समयसुन्दर
५९८५ (२)	शत्रुञ्जयउद्धार	२५-२८	गु.	नयसुन्दर
५९८६	श्रीपालरास	४३	गु.	विनयविजय तथा यशोविजयोपाध्याय
५९८७	श्रीपालरास सस्तबक चतुर्थखण्ड	४५	गु.	मू. विनयविजय तथा यशोविजयोपाध्याय
५९८८	आषाढभूतिचरित्ररास	२	गु.	कनकसोम
५९८९	सारस्वतीयधातुपाठ	८	सं.	हर्षकीर्ति
५९९०	साधुगुणकुलक	१	गु.	ब्रह्मभगत
५९९१	सुदर्शनश्रेष्ठिशीलप्रबन्ध	८	गु.	साधुचन्द्रशिष्य
५९९२	गौतमकुलक सस्तबक	३	प्रा.गु.	
५९९३	मणिचन्द्रकृत सज्झायसङ्ग्रह	१०	गु.	मणिचन्द्र
५९९४	मणिचन्द्रकृत सज्झायसङ्ग्रह	९	गु.	मणिचन्द्र
५९९५	सज्झायसङ्ग्रह	१०	गु.	लब्धिविजय आदि
५९९६	सज्झायसङ्ग्रह	३-१३	गु.	
५९९६ (१)	वीसस्थानकस्वाध्याय			जिनविजय
५९९६ (२)	गौतमस्वामिस्वाध्याय			जिनविजय
५९९६ (३)	अगीयारगणधरस्वाध्याय			जिनविजय
५९९६ (४)	पञ्चमीचैत्यवन्दन			जिनविजय
५९९६ (५)	पञ्चमीस्तुति			जिनविजय
५९९६ (६)	अष्टमीचैत्यवन्दन			जिनविजय
५९९६ (७)	आठमदिनस्तुति			जिनविजय
५९९६ (८)	अगीयारसचैत्यवन्दन			जिनविजय
५९९६ (९)	अगीयारस स्तुति			जिनविजय
५९९६ (१०)	वासक्षेपभास			जिनविजय
५९९६ (११)	नन्दिभास			जिनविजय
५९९६ (१२)	बीजतिथिनी स्तुति			
५९९६ (१३)	त्रण थोयना जोडा			जिनविजय
५९९६ (१४)	सिद्धचक्रस्तुति			जिनविजय
५९९६ (१५)	पजुसणस्तुति			जिनविजय
५९९६ (१६)	महाव्रतसज्झाय			जिनविजय

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता
५९९६ (१७)	सुबाहुकुंवरसज्झाय			जिनविजय
५९९६ (१८)	अनाथिमुनिसज्झाय			जिनविजय
५९९७	सज्झायसङ्ग्रह	७	गु.	उदयविजय आदि
५९९८	प्रभञ्जनासज्झाय आदि सज्झायो	२-६	गु.	देवचन्द्रजी आदि
५९९९	पद्मावतीआराधना आदि	४	गु.	समयसुन्दर आदि
६०००	सुविधिनाथ सुधी स्तवनचोवीसी जसविलासगत	३	गु.	यशोविजयोपाध्याय
६००१ (१)	सीमन्धरजिनस्तवन	५	गु.	सकलचन्द्र
६००१ (२)	रात्रिभोजनपरिहारसज्झाय	५	गु.	हेमविमलसूरि
६००१ (३)	रात्रिभोजनपरिहारसज्झाय	५	गु.	कान्तिविजय
६००१ (४)	अष्टप्रकारीपूजागर्भितस्तवन	५	सं.	
६००१ (५)	अध्यात्मदूहा	५	गु.	
६००२	पार्श्वनाथपञ्चकल्याणकपूजा	११	गु.	वीरविजय
६००३	अष्टप्रकारीपूजा	५	गु.	देवविजय
६००४	अष्टप्रकारीपूजा	६	गु.	देवविजय
६००५	अष्टप्रकारीपूजा	७	गु.	देवविजय
६००६	अष्टप्रकारीपूजा	६	गु.	उत्तमविजय
६००७ (१)	अष्टप्रकारीपूजा	४	गु.	देवविजय
६००७ (२)	अष्टप्रकारीपूजाष्टक	४	सं.	देवचन्द्र
६००८ (१)	अष्टप्रकारीपूजा	८	गु.	देवविजय
६००८ (२)	सत्तरभेदीपूजा	८	गु.	सकलचन्द्र
६००९	सत्तरभेदीपूजा टबार्थसहित	१७	गु.	मू. सकलचन्द्र
६०१०	बारव्रतनी पूजा	९	गु.	हीरविजय
६०११	वीसस्थानकपूजा	१३	गु.	विजयलक्ष्मी
६०१२	नवपदपूजा	७	गु.	पद्मविजय
६०१३	नवपदपूजा	१२	गु.	देवचन्द्र
६०१४	नवपदपूजा	१२	गु.	देवचन्द्र
६०१५	नवपदपूजा	५	गु.	देवचन्द्र
६०१६	नवपदपूजा	८	गु.	देवचन्द्र
६०१७	पञ्चज्ञानपूजा	५	गु.	रूपविजय
६०१८	पञ्चज्ञानपूजा	८	गु.	रूपविजय
६०१९	अष्टापदपूजा	१७	गु.	दीपविजय
६०२०	पार्श्वनाथजिनकलश	३	गु.	ज्ञानविमल
६०२१	ज्ञानपञ्चमीदेववन्दन	१२	गु.	विजयलक्ष्मीसूरि
६०२२	अध्यात्मगीता	६	गु.	देवचन्द्र
६०२३	चैत्रपूर्णिमादेववन्दनविधि	१०	गु.	ज्ञानविमल
६०२४	दीवालीदेववन्दन	४	गु.	ज्ञानविमल
६०२५	दीवालीदेववन्दन	४	गु.	ज्ञानविमलसूरि
६०२६	दीवालीदेववन्दन	५	गु.	ज्ञानविमलसूरि
६०२७	मौनएकादशीदेववन्दनविधि	६	गु.	कल्याणसागरसूरिशिष्य
६०२८	मौनएकादशीदेववन्दनविधि	८	गु.	
६०२९	चोमासीदेववन्दनविधि	२०	गु.	वीरविजय
६०३०	चोमासीदेववन्दनविधि	८	गु.	नन्दसूरि
६०३१	शत्रुंजयना १०८ नामगर्भित दूहा	६	गु.	कल्याणसागरसूरिशिष्य
६०३२ (१)	सिद्धाचलना २१ खमासमणां	२	गु.	
६०३२ (२)	सीमन्धरजिनस्तवन	२	गु.	२. विजयदानसूरि
६०३३	ज्ञानप्रबोधभाषादोधक	९	गु.	यशोविजयोपाध्याय
६०३४	समाधितन्त्रदूहा किंचिदपूर्ण	७	गु.	यशोविजयोपाध्याय
६०३५	वीसविहरमानजिनस्तवनवीसी	१५	गु.	यशोविजयोपाध्याय
६०३६	ऋषभदेवना १३ भवनुं स्तवन	२-४	गु.	प्रेमविजय
६०३७	गोडीपार्श्वनाथस्तवन	९	गु.	रङ्गविजय
६०३८	नेमिजिनस्तवन	५	गु.	ऋषभदास
६०३९	नेमिजिनस्तवन	६	गु.	ऋषभदास
६०४०	सिद्धाचलतीर्थमालास्तवन	८	गु.	अमृतविजय
६०४१	सिद्धाचलतीर्थमालास्तवन	९	गु.	अमृतविजय
६०४२	सिद्धाचलतीर्थमालास्तवन	५	गु.	अमृतविजय
६०४३	सिद्धाचलतीर्थमालास्तवन	१५	गु.	अमृतविजय
६०४४	अञ्जनशलाकास्तवन	४	गु.	वीरविजय
६०४५	अञ्जनशलाकास्तवन	४	गु.	वीरविजय

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता
६०४६	सिद्धक्षेत्रमहिमागुणवर्णन	२१	गु.	
६०४७	शत्रुञ्जयगिरिउद्धार	८	गु.	नयसुन्दर
६०४८	शत्रुञ्जयगिरिउद्धार	९	गु.	नयसुन्दर
६०४९	गिरनारतीर्थोद्धारप्रबन्ध	१०	गु.	नयसुन्दर
६०५०	शुक्ल-कृष्णपक्ष पंदर तिथिनी थोयो	८	गु.	ज्ञानविमलसूरि
६०५१	शुक्ल-कृष्णपक्ष पंदर तिथिनी थोयो	७	गु.	ज्ञानविमलसूरि
६०५२	शुक्ल-कृष्णपक्ष पंदर तिथिनी थोयो आदि	८	गु.	ज्ञानविमलसूरि आदि
६०५३ (१)	गौतमपृच्छास्तवन	७	गु.	१. ऋषभदास
६०५३ (२)	अष्टप्रकारीपूजाकाव्य	७	गु.	
६०५४ (१)	महावीरजिन २७ भवस्तवन	९	गु.	वीरविजय
६०५४ (२)	अष्टमीस्तवन	९	गु.	लावण्यसौभाग्य
६०५४ (३)	ज्ञानपञ्चमीस्तुति	९	सं.	
६०५४ (४)	मौनएकादशीस्तुति	९	गु.	लालविजय
६०५५	महावीरजिन २७ भवस्तवन	३	गु.	वीरविजय
६०५६	महावीरजिन २७ भवस्तवन	७	गु.	शुभविजय
६०५७	चोमासीदेववन्दन	२-१९	गु.	पद्मविजय
६०५८	महावीरपञ्चकल्याणकस्तवन	५	गु.	रामविजय
६०५९	महावीरपञ्चकल्याणकस्तवन	५	गु.	रामविजय
६०६०	महावीरपञ्चकल्याणकस्तवन	४	गु.	पद्मविजय
६०६१	महावीरपञ्चकल्याणकस्तवन	६	गु.	हंसराज
६०६२	मौनएकादशीस्तवन	३	गु.	जिनविजय
६०६३	मौनएकादशीस्तवन	६	गु.	यशोविजयोपाध्याय
६०६४	मौनएकादशीस्तवन	५	गु.	यशोविजयोपाध्याय
६०६५	रोहिणीतपविधिस्तवन	४	गु.	वीरविजय
६०६६	रोहिणीतपविधिस्तवन	२-४	गु.	वीरविजय
६०६७	वीरनिर्वाणगर्भितदीवालीस्तवन	१०	गु.	सङ्घहर्ष
६०६८	जीवविचारस्तवन किञ्चिदपूर्ण	६	गु.	

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता
६०६९	जीवविचारस्तवन	३	गु.	वृद्धिविजय
६०७०	नवतत्त्वविचारगर्भितआदि-जिनस्तवन	११	गु.	विवेकसुन्दर
६०७१	नवतत्त्वविचारगर्भितआदि-जिनस्तवन	१३	गु.	विवेकसुन्दर
६०७२	चोवीसदण्डकनुं स्तवन	३	गु.	धर्मचन्द्र
६०७३	दण्डकविचारगर्भित वीरस्तवन	५	गु.	पद्मविजय
६०७४	चोवीस विचारगर्भित वीरस्तवन	९	गु.	पद्मविजय
६०७५	समोसरणविचारस्तवन	३	गु.	हर्षवर्धनगणि
६०७६	समोसरणविचारगर्भित नेमिजिनस्तवन	२	गु.	हर्षवर्धनगणि
६०७७	सिद्धदण्डिकास्तवन	२	गु.	पद्मविजय
६०७८	महावीरजिनपारणुं	२	गु.	
६०७९	छ आवश्यकविचारस्तवन	३	गु.	विनयविजयोपाध्याय
६०८०	निश्चयव्यवहारविचारगर्भित शान्तिजिनस्तवन	३	गु.	यशोविजयोपाध्याय
६०८१ (१)	ज्ञानादिनयमतविचारगर्भित वीरजिनस्तवन	६	गु.	१. उत्तमसागरसूरि
६०८१ (२)	चोवीसजिनस्तवन	६	गु.	२. जिनविजय
६०८२	सप्तनयविचारगर्भितस्तवन	११	गु.	मानविजय
६०८३	सम्यक्त्वस्वरूपगर्भित वीरस्तव सस्तबक	५	प्रा.गु.	
६०८४	सत्तरभेदीपूजा	६	गु.	सकलचन्द्रोपाध्याय
६०८५	अष्टप्रकारीपूजा	५	गु.	देवविजय
६०८६ (१)	स्नात्रपूजा	१७	गु.	देवचन्द्रजी
६०८६ (२)	नवपदपूजा	१७	गु.	देवचन्द्रजी
६०८७	चोमासीदेववन्दनविधि	१६	गु.	पद्मविजय
६०८८	चोमासीदेववन्दनविधि	१७	गु.	पद्मविजय
६०८९	चोमासीदेववन्दनविधि	१७	गु.	वीरविजय

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता
६०९०	चोमासीदेववन्दनविधि किञ्चिदपूर्ण	२१	गु.	पद्मविजय
६०९१	दीवालीदेववन्दन	४	गु.	ज्ञानविमल
६०९२	दीवालीदेववन्दन आदि	५	गु.	ज्ञानविमल आदि
६०९३	दीवालीदेववन्दन	५	गु.	ज्ञानविमल आदि
६०९४ (१)	ज्ञानपञ्चमीदेववन्दन	१२	गु.	विजयलक्ष्मीसूरि
६०९४ (२)	पञ्चमीसज्झाय	१२	गु.	विजयलक्ष्मीसूरि
६०९५	ज्ञानपञ्चमीदेववन्दन	२-१२	गु.	विजयलक्ष्मीसूरि
६०९६	मौनएकादशीदेववन्दन	५	गु.	ज्ञानविमलसूरि
६०९७	चैत्रीपूनमदेववन्दनविधि	७	गु.	ज्ञानविमलसूरि
६०९८	चैत्रीपूनमदेववन्दनविधि	६	गु.	दानविजय
६०९९	रिषभदेवधवलप्रबन्धविवाहलुं	१८	गु.	श्रीवन्त
६१००	रिषभदेवधवलप्रबन्ध-विवाहलुं	२-११	गु.	श्रीवन्त
६१०१	रिषभदेवधवलप्रबन्ध-विवाहलुं	१०	गु.	श्रीवन्त
६१०२	नेमजीनो विवाहलो	९	गु.	ऋषभविजय
६१०३	नेमजीनो शलोको	४	गु.	
६१०४	नेमजीनो शलोको	६	गु.	उदयरत्न
६१०५ (१)	दशार्णभद्रराजर्षिशलोको	१	गु.	
६१०५ (२)	शान्तिनाथशलोको	१	गु.	
६१०६	जम्बूस्वामिब्रह्मगीता	३	गु.	यशोविजयोपाध्याय
६१०७	जम्बूस्वामिब्रह्मगीता	२	गु.	यशोविजयोपाध्याय
६१०८	पार्श्वगीता	३	गु.	उदयविजय
६१०९	पञ्चपरमेष्ठिगुणवर्णनगीता-नवकारगीता	२-१२	गु.	यशोविजयोपाध्याय
६११०	सुदर्शनशेठस्वाध्याय	२	गु.	लालविजय
६१११	रत्नपालरास	२४	गु.	सुरविजय
६११२ (१)	नवकारअर्थ	४	गु.	
६११२ (२)	नवकाररास	४	गु.	
६११३	नवकाररास अपूर्ण	२२	गु.	
६११४	सूक्तावली	४	सं.	
६११५	घोटकबत्रीसी किञ्चिदपूर्ण	१	गु.	
६११६	हीरविजयसूरिप्रसादित बार बोल	१	गु.	
६११७	मलयसुन्दरी महाबलकथानक	९३१	प्रा.	
६११८	जंबूअज्झयण सस्तबक	३८	प्रा.गु.	मू. उपाध्याय पद्मसुन्दरगणि
६११९	श्रीपालनरेन्द्रचरित्र बालावबोध	२-४०	गु.	सुखसागर
६१२०	सौभाग्यपञ्चमीकथा गद्य	४	गु.	
६१२१	यशोधरराजचरित्र गद्य	११	गु.	
६१२२	श्रीपालरास द्वितीयखण्डपर्यन्त	२१	गु.	विनयविजयोपाध्याय
६१२३	इलाकुमाररास	११	गु.	ज्ञानसागर
६१२४	नवकारनो रास	३	गु.	
६१२५ (१)	छ महाव्रतनी सज्झाय	३	गु.	कान्तिविजय
६१२६ (२)	सुन्दरीसज्झाय	३	गु.	कान्तिविजय
६१२६	शत्रुञ्जयकल्प	३	प्रा.	देवेन्द्रसूरि
६१२७ (१)	चोमासीदेववन्दनविधि सम्पूर्ण	९-१९	गु.	हंसरत्न
६१२७ (२)	तीर्थमालस्तोत्र सद्भक्त्या	९-१९	सं.	कल्याणसागरसूरि
६१२८	चोमासीदेववन्दनविधि	२-१५	गु.	पद्मविजय
६१२९	चोमासीदेववन्दनविधि	१४	गु.	पद्मविजय
६१३०	ज्ञानपञ्चमीदेववन्दन	२-११	गु.	विजयलक्ष्मीसूरि
६१३१	सौभाग्यपञ्चमीदेव-वन्दनविधि	७	गु.	विजयलक्ष्मीसूरि
६१३२ (१)	गिरनारमहिमोद्धार	१-१३	गु.	नयसुन्दर
६१३२ (२)	महावीरजिनस्तवन	१३-२२	गु.	माणिक्यरत्न
६१३३	अतीतअनागतजिनकल्याणक चैत्यवन्दनसङ्ग्रह	२	गु.	ज्ञानविमल, पद्मविजय आदि
६१३४	मानतुङ्ग मानवतीरास	३४	गु.	मोहनविजय

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता
६१३५	श्रीपालराजानो रास	५५	गु.	विनयविजय-यशोविजयोपाध्याय
६१३६	मलयसुन्दरीरास अपूर्ण ज्ञानरत्नोपाख्यान	७८	गु.	कान्तिविजयगणि
६१३७	चन्दराजरास	२-१०३	गु.	मोहनविजय
६१३८	श्रेणिकराजरास	९-९६	गु.	ऋषभदास
६१३९	रत्नसाररास	४-६८	गु.	देवेन्द्रसागर
६१४०	जम्बूस्वामिरास	३५	गु.	नयविमल
६१४१	बुद्धिलरास द्वितीयखण्डपर्यन्त	६२	गु.	भावप्रभसूरि
६१४२	आनन्दघनचोवीसी	२-११	गु.	आनन्दघन
६१४३	सीमन्धरस्वामिस्तवन	२	गु.	
६१४४	अतीतअनागतादिजिनकल्याणक चैत्यवन्दनसङ्ग्रह	३	गु.	ज्ञानविमल जिनविजयादि
६१४५ (१)	ऋषभशोभास्तवन	४	गु.	बधाना दीपविजय
६१४५ (२)	वीरशोभास्तवन	४	गु.	बधाना दीपविजय
६१४५ (३)	चतुर्विधसङ्घशोभास्तवन	४	गु.	
६१४६	नेमिजिननवभवस्तवन	२	गु.	पद्मविजय
६१४७	शान्तिनाथजिनस्तवन	३	गु.	सोमकुशल
६१४८	महावीरप्रभुनुं हालरडुं आदि	३	गु.	दीपविजय आदि
६१४९ (१)	आठमनुं स्तवन	११	गु.	कान्तिविजय
६१४९ (२)	ज्ञानपञ्चमीस्तवन	११	गु.	जिनविजय
६१४९ (३)	मौनएकादशीस्तवन	११	गु.	कान्तिविजय
६१५०	ज्ञानपञ्चमीस्तवन	३	गु.	जिनविजय
६१५१	ज्ञानपञ्चमीस्तवन	६	गु.	गुणविजय
६१५२	ज्ञानपञ्चमीस्तवन	३	गु.	गुणविजय
६१५३	ज्ञानपञ्चमीस्तवन	४	गु.	गुणविजय
६१५४ (१)	सौभाग्यपञ्चमीस्तवन	४	गु.	१. गुणविजय
६१५४ (२)	पार्श्वनाथस्तवन	४	गु.	२. वीरविजय
६१५५	छ अठाइनुं स्तवन	३	गु.	लक्ष्मीसूरि
६१५६ (१)	शीयलसज्झाय	२	गु.	
६१५६ (२)	पर्युषणमाहात्म्य	२	गु.	
६१५७	अक्षयनिधितपस्तवन तथा विधि	२	गु.	पद्मविजय
६१५८	महावीरजिनपञ्चकल्याणक-स्तवन	५	गु.	रामविजय
६१५९	महावीरजिनपञ्चकल्याणक-स्तवन	४	गु.	रामविजय
६१६०	प्रतिमास्थापनविचारगर्भितवीर जिनस्तवन	२०	गु.	यशोविजयोपाध्याय
६१६१	अमृतविजयकृत स्तवनसङ्ग्रह	८	गु.	अमृतविजय
६१६२ (१)	दीवालीदेववन्दन	१०	गु.	ज्ञानविमल
६१६२ (२)	महावीर २७ भवनुं स्तवन	१०	गु.	हंसराज
६१६२ (३)	पजुसणनी थोय	१०	गु.	ज्ञानविमल
६१६३	अगियारगणधरदेववन्दनविधि	१६	गु.	ज्ञानविमल
६१६४	नेमिजीनो विवाहलो	१०	गु.	वीरविजय
६१६५	अगियारसनी सज्झाय पंचमहाव्रतनी उदयरत्न सज्झाय आदि सज्झायसङ्ग्रह	४-१७	गु.	कान्तिविजय आदि
६१६६ (१)	माणिभद्रछन्द	३	गु.	१. शान्तिदास
६१६६ (२)	रिषभदेवस्तवन	३	गु.	२. गणपतसागर
६१६७	माणिभद्रनो छन्द	४	गु.	शान्तिदास
६१६८ (१)	पद्मावतीछन्द	४	गु.	१. हर्षसागर
६१६८ (२)	शारदाछन्द अडीयलछन्दमय	४	गु.	
६१६९	महामायाछन्द	३	गु.	
६१७० (१)	नवकारछन्द	३	गु.	कुशललाभ
६१७० (२)	अजारीशारदाछन्द	३	गु.	शान्तिकुशल
६१७१	अजारीसरस्वतीछन्द	३	गु.	शान्तिकुशल
६१७२	शारदाछन्द-अडीयलछन्दमय	१	गु.	
६१७३	क्षेत्रपालछन्द	२	गु.	नारायण
६१७४ (१)	वैराग्यगीताछन्द	१	गु.	१. पद्मकुमार

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता
६१७४ (२)	वयरस्वामिगीता	१	गु.	
६१७५	नेमि राजुल ४ चोक	३	गु.	माणेकमुनि
६१७६	चोवीस तीर्थंकरछन्द	४	गु.	नयविमल
६१७७ (१)	नवकाररास	३	गु.	
६१७७ (२)	शंखेश्वरपार्श्वनाथछन्द	३	गु.	रूपविजय
६१७८	अन्तरीक्षपार्श्वनाथछन्द	५	गु.	भाववविजय वाचक
६१७९	क्षमाछत्रीसी	३	गु.	समयसुन्दर
६१८० (१)	देवविजयकृतस्तवन चोवीसी	१३	गु.	देवविजय
६१८० (२)	सुरतमण्डनपार्श्वनाथस्तवन	१३	गु.	देवविजय
६१८१	राजीमतीफाग	३	गु.	वीरविजय
६१८२	अष्टापदफागबन्धीस्तवन	२	गु.	समरो (सोमसुन्दरसूरि शिष्य)
६१८३	नेमिनाथ बारमासास्तवन	१	गु.	विनयविजय
६१८४	वर्धमानजिनसुरलता	७	गु.	तपा. सकलचन्द्रोपाध्याय
६१८५	शीलोदाहृतिकल्पवल्ली	८	सं.	संवेगसुन्दरगणि
६१८६	स्थूलिभद्रशीयलवेलि	१०	गु.	वीरविजय
६१८७	स्थूलिभद्रशीयलवेलि	९	गु.	वीरविजय
६१८८ (१)	विहरमानजिनवीसी	१-८	गु.	जिनविजय
६१८८ (२)	जिनस्तवनचोवीसी	९-१७	गु.	जिनविजय
६१८८ (३)	जिनस्तवनचोवीसी	१७-२४	गु.	जिनविजय
६१८८ (४)	जिनविजयकृत जिनस्तवन तथा अनेक तीर्थ स्तवन संग्रह	२५-३८	गु.	जिनविजय
६१८८ (५)	ज्ञानपञ्चमीस्तवन	३८-४२	गु.	जिनविजय
६१८८ (६)	जिनविजयकृत विहरमानजिनस्तवनादि	४२-४५	गु.	जिनविजय
६१८८ (७)	नेमिजिनशलोको	४५-४८	गु.	जिनविजय
६१८८ (८)	जिनविजयकृतस्तवन	४८-४९	गु.	जिनविजय
६१८९	जिनविजयकृत सिद्धाचलादिस्तवनसङ्ग्रह	२	गु.	जिनविजय

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता
६१९० (१)	पार्श्वनाथस्तोत्र	८	गु.	
६१९० (२)	महावीरस्वामिछन्द	८	गु.	
६१९० (३)	धर्मनाथस्तवन	८	गु.	मोहनविजय
६१९० (४)	राजीमतीसज्झाय	८	गु.	
६१९० (५)	महावीरछन्द	८	गु.	
६१९० (६)	चोवीसजिनस्तवन	८	गु.	लालविनोद
६१९० (७)	जोबनपचीसी	८	गु.	रायचन्द रिषि
६१९० (८)	उपदेशीअभिमानीनी सज्झाय	८	गु.	प्रीतम
६१९० (९)	ऋषभदेवस्तवन	८	गु.	
६१९१ (१)	सिद्धचक्रस्तवन	२१-२९	गु.	देवचन्द्र
६१९१ (२)	गजसुकुमालस्वाध्याय	२१-२९	गु.	देवचन्द्र
६१९१ (३)	ऋषभदेवस्तवन	२१-२९	गु.	देवचन्द्र
६१९१ (४)	पञ्चभावनास्वाध्याय	२१-२९	गु.	देवचन्द्र
६१९१ (५)	तेतरीयास्वाध्याय	२१-२९	गु.	धनहर्ष
६१९१ (६)	रहस्यस्वाध्याय- उपदेशस्वाध्याय	२१-२९	गु.	पार्श्वचन्द्र
६१९१ (७)	कक्काबत्रीसी	२१-२९	गु.	
६१९१ (८)	चन्दनबालासज्झाय	२१-२९	गु.	रायचन्द रिषि
६१९२	विनयविजयकृत पदसङ्ग्रह	६	गु.	विनयविजयोपाध्याय
६१९३	ज्ञानविमलकृतस्तवनादिसङ्ग्रह	९	गु.	ज्ञानविमल
६१९४ (१)	मौनएकादशीस्तवन	८	गु.	कान्तिविजय
६१९४ (२)	मौनएकादशीस्तवन	८	गु.	जिनेन्द्रसागर
६१९४ (३)	मौनएकादशीस्तवन	८	गु.	समयसुन्दर
६१९४ (४)	सीमन्धरजिनस्तवन	८	गु.	यशोविजय
६१९४ (५)	सिद्धाचलस्तवन	८	गु.	सिद्धिविजय
६१९४ (६)	सीमन्धरस्वामिचैत्यवन्दन	८	गु.	
६१९५ (१)	वीरजिनहिण्डीस्तवन	७	गु.	सकलचन्द्र
६१९५ (२)	गणधरवादस्तवन	७	गु.	सकलचन्द्र
६१९५ (३)	चतुर्विंशतिजिनस्तवन	७	गु.	सकलचन्द्र
६१९५ (४)	सीमन्धरजिनस्तवन	७	गु.	सकलचन्द्र

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता
६१९६	जसविलास-पदसङ्ग्रह	३	गु.	यशोविजयोपाध्याय
६१९७	जसविजयकृत स्तवनादिसङ्ग्रह	३-१०	गु.	यशोविजयोपाध्याय
६१९८	यशोविजयकृत पदसङ्ग्रह	४	गु.	यशोविजयोपाध्याय
६१९९ (१)	भीलडीनी सज्झाय	२	गु.	उदयरत्न
६१९९ (२)	नेमिनाथनुं स्तवन	२	गु.	हर्षविजय
६२००	पृथ्वीराजवेलि सस्तबक	३८	गु.	स्त. खरतर शिवनिधान
६२०१	पृथ्वीराजवेलि टीकासह	२७	गु.	
६२०२	ध्यानस्वरूपनिरूपणप्रबन्ध	६	गु.	भावविजय
६२०३	पञ्चपरमेष्ठिमन्त्रराजध्यानमाला सस्तबक	२४	गु.	मू. नेमिदास, स्त. ज्ञानविमलसूरि
६२०४	क्षमाछत्रीसी	३	गु.	समयसुन्दर
६२०५	ढुण्ढकपचीसी	२	गु.	जिनेन्द्रविजय
६२०६	नरनारीशिक्षाछत्रीसी	३	गु.	हीरविजय
६२०७	महावीरजिनवेलि	६	गु.	सकलचन्द्र
६२०८	आदीश्वरवीनति	३	गु.	
६२०९	सीमन्धरजिनवीनति	४	गु.	सकलचन्द्र
६२१०	सीमन्धरजिनवीनति	५	गु.	सिद्धिविजय
६२११	शीलबत्रीसी	२	गु.	राजसमुद्र
६२१२	उत्तराध्ययनसूत्र ३६ अध्ययननी सज्झायो	१५	गु.	उदयविजय वाचक
६२१३	उत्तराध्ययनसूत्र ३६ अध्ययननी सज्झायो	३-१६	गु.	उदयविजय वाचक
६२१४ (१)	उत्तराध्ययनसूत्र नामाधिकार सज्झाय	३	गु.	१. खेमराज
६२१४ (२)	चैत्यवन्दन	३	प्रा.	
६२१५	उत्तराध्ययननी सज्झायो	१४	गु.	उदयविजय वाचक
६२१६	उत्तराध्ययनसूत्र ३६ अध्ययननी सज्झायो	११	गु.	उदयविजय वाचक
६२१७	समाधितन्त्र दोधक	४	गु.	यशोविजयोपाध्याय
६२१८	शिक्षाशतक दूहा	५	गु.	हंसरत्न
६२१९	चोवीस तीर्थंकर सवैया	५	गु.	नयविमल
६२२० (१)	वैराग्यप्रक्रमदूहा	१-३	गु.	नरपति कवि
६२२० (२)	शृङ्गारप्रक्रमदूहा	३-४	गु.	नरपति कवि
६२२० (३)	विवेकवणझारा गीत	५मुं.	गु.	कृष्ण
६२२० (४)	अबोलाभाग्यनुं गीत	५-६	गु.	
६२२० (५)	दुर्गाशब्दशकुनावली	७मुं	गु.	
६२२० (६)	श्वान-पिपीलिका शकुनावली	७मुं	गु.	
६२२० (७)	पल्ली-शरटशान्तिविधान-वसन्तराजगर्गोक्त	८-१०	सं.	गर्ग
६२२० (८)	पद्मावतीस्तोत्र	१०मुं	गु.	
६२२० (९)	स्वप्नबहोंतेरी	१०-१२	गु.	संघकुशल
६२२१	तेत्रीस आशातना टालक सवैया		गु.	
६२२२	हीरविजयआदिविषयक सवैया	२	गु.	गजविजय, सोमविजय, भाणचन्द्र आदि
६२२३	नेमिजिन सवैया	१	पूर्वी-संधी-गु.	
६२२४	चोवीस तीर्थंकर सवैया	४	गु.	नयविमल
६२२५	अध्यात्मसवैयासङ्ग्रह	५	हिन्दी	
६२२६	सूक्तावली	५	गु.	
६२२७	सूक्तमाला	१०	गु.	केसरविमल
६२२८	सूक्तमाला	१०	गु.	केसरविमल
६२२९	क्षामणक	८	गु.	लुम्पकगच्छीयकृत
६२३० (१)	अणगसवर्णनगीत-आशकी वेण	२	गु.	माणिक्य
६२३० (२)	कबीर-कुतुबुद्दीनआदिकृतपदो	२	गु.	
६२३१	सारशीखामणरास अपूर्ण	५	गु.	

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता
६२३२	सीमन्धरजिनवीनतिरूप ३५० गाथानुं स्तवन	३५	गु.	यशोविजयोपाध्याय
६२३३	स्तवन-सज्झायादिसङ्ग्रह			
६२३३ (१)	चिहुंगतिनी वेल	९-१४	गु.	
६२३३ (२)	चोवीसतीर्थंकरपञ्चकल्याणक-स्तवन	१४-१६	गु.	
६२३३ (३)	सामायिकस्वाध्याय	१६-१८	गु.	कटुकगच्छीय लाधा शाहजी
६२३३ (४)	देवसीराई आदि प्रतिक्रमणविधि	१८-१९	गु.	
६२३३ (५)	दशार्णभद्रसज्झाय	२०-२१	गु.	लालविजय
६२३३ (६)	झांझरियामुनिसज्झाय	२२-२३	गु.	भावरत्न
६२३३ (७)	तीर्थमालास्तवन	२३मुं	गु.	समयसुन्दर
६२३३ (८)	स्तवन	२४मुं	गु.	गुणविजय
६२३३ (९)	चारमंगलनी सज्झाय	२४-२५	गु.	उदयरत्न
६२३३ (१०)	क्षमाछत्रीसी	२५-२६	गु.	समयसुन्दर
६२३३ (११)	राजीमतीलेख	२६-२७	गु.	रूपविजय
६२३३ (१२)	थरादपुरमण्डन आदिजिनलेख	२७-२९	गु.	
६२३३ (१३)	सोळस्वप्नसज्झाय	२९-३१	गु.	
६२३३ (१४)	नन्दिषेणनी सज्झाय	३१-३२	गु.	
६२३३ (१५)	सारशिखामणसज्झाय	३२मुं	गु.	रूपचन्द
६२३३ (१६)	गोडीपार्श्वनाथस्तवन	३२-३३	गु.	
६२३३ (१७)	दान-शील-तप-भावनासंवाद	३३-३६	गु.	समयसुन्दर
६२३३ (१८)	अवन्तीसुकुमालनी सज्झाय	३६-३९	गु.	शान्तिहर्ष
६२३३ (१९)	शत्रुञ्जयस्तवन	४०मुं	गु.	संघविजय
६२३३ (२०)	मेतारजमुनिसज्झाय	४०-४१	गु.	राजविजय
६२३३ (२१)	आठ मदनी सज्झाय	४१मुं	गु.	लाधा शाहजी
६२३३ (२२)	हीरविजयसूरिसज्झाय	४१-४२	गु.	सिद्धिविजय
६२३३ (२३)	भावप्रभसूरिकृत चोवीसी अपूर्ण	४२-४४	गु.	भावप्रभ
६२३३ (२४)	रुक्मिणीसज्झाय	४४मुं	गु.	राजविजय
६२३३ (२५)	दशवैकालिकदश-अध्ययनसज्झाय	४४-५०	गु.	वृद्धिविजय
६२३३ (२६)	विहरमानजिनवीसी	५०-५६	गु.	यशोविजयोपाध्याय
६२३३ (२७)	जिनस्तवनचोवीसी	५६-६२	गु.	रामविजय
६२३३ (२८)	विहरमानजिनवीसी	६३-६८	गु.	यशोविजयोपाध्याय
६२३३ (२९)	शाश्वताशाश्वतजिनस्तवन	६८-६९	गु.	लक्ष्मीविजय
६२३३ (३०)	भाविचोवीसीस्तवन	६९-७२	गु.	मानचन्द्र
६२३४	सीमन्धरजिनविज्ञप्तिरूप ३५० गाथानुं स्तवन सस्तबक	१२१	गु.	मू.उ. यशोवि. स्त. पद्मविजय
६२३५	जम्बूपृच्छारास	२१	गु.	देवचन्द्र
६२३६	श्रीपालरास	२९	गु.	ज्ञानसागर
६२३७	नयचक्रवचनिका	१२	हिन्दी	हेमराज
६२३८	जम्बूस्वामिरास अपूर्ण	३	गु.	
६२३९	उत्तराध्ययनसूत्र ३६ अध्ययननी सज्झायो	२२	गु.	उदयविजय वाचक
६२४०	उत्तराध्ययनसूत्र ३६ अध्ययननी सज्झायो	२२	गु.	उदयविजय वाचक
६२४१	भगवतीसूत्रनी सज्झाय	२	गु.	विनयविजयोपाध्याय
६२४२	ज्ञाताधर्मकथांगसूत्रनी सज्झायो	२-१६	गु.	राजरत्न पाठक
६२४३	पन्नवणासूत्रसज्झाय	१	गु.	बुद्धिसागर
६२४४	सीमन्धरजिनविज्ञप्तिस्तवन	६	गु.	सिद्धिविजय
६२४५	ऋषभजिनस्तवन आदि	२	गु.	यशःसोम
६२४६	चोवीसजिनपञ्चकल्याणक-स्तवन	४	गु.	पद्मविजय

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता
६२४७	सिद्धगिरिस्तवन	३	गु.	जिनविजय
६२४८	महाबल-मलयसुन्दरी-चरित्ररास	३९-१२८	गु.	जिनहर्ष
६२४९	रघुवंशमहाकाव्य संजीवनी टीकासह त्रिपाठ द्वितीयसर्गपर्यन्त	२३	सं.	मू. महाकवि कालिदास, टी. मल्लिनाथसूरि
६२५०	रघुवंशमहाकाव्य संजीवनी टीकासह तृतीयसर्ग	२१	गु.	मू. महाकवि कालिदास, टी. मल्लिनाथसूरि
६२५१	किरातार्जुनीयमहाकाव्य घण्टापथ टीकासह त्रिपाठ तृतीयसर्ग		सं.	मू. महाकवि भारवि टी. मल्लिनाथसूरि
६२५२	कनकावतीरास	३६	गु.	जिनहर्ष
६२५३	दान-शील-तप-भावनासंवाद चोपई	७	गु.	समयसुन्दर
६२५४	शालिभद्र-धनाचुपदीबन्धरास	१३	गु.	हंसमुनि
६२५५	नवतत्त्वचोपई	७	गु.	दामजी मुनि
६२५६	शत्रुञ्जयउद्धार	७	गु.	नयसुन्दर
६२५७	बारव्रतनी पूजा	१०	गु.	कपूरचन्द
६२५८	मौनएकादशीकथा टबार्थसहित	१७	सं.गु.	रविसागर
६२५९	ज्ञानपञ्चमीस्तुति	१	सं.	
६२६०	आठ दृष्टिनी सज्झाय बालावबोधसहित	२७	गु.	मू. यशोविजयोपाध्याय, बा. ज्ञानविमलसूरि
६२६१	उत्तराध्ययनसूत्र ३६ अध्ययन ३६ स्वाध्यायो	२१	गु.	उदयविजय वाचक
६२६२	अगीयार अंगनी सज्झायो	५	गु.	यशोविजयोपाध्याय
६२६३	अगीयार अंगनी सज्झायो	५	गु.	यशोविजयोपाध्याय
६२६४	भगवतीसूत्रनी सज्झाय	२	गु.	ज्ञानविमल
६२६५ (१)	अध्यात्मसारमाला	६	गु.	१. नेमिदास
६२६५ (२)	अध्यात्मवाणीगर्भितस्वाध्याय	६	गु.	२. ज्ञानविमल
६२६६	दशवैकालिकसूत्रनी सज्झायो	२-६	गु.	वृद्धिविजय
६२६७	दशवैकालिकसूत्रनी सज्झायो	६	गु.	वृद्धिविजय
६२६८	दशवैकालिकसूत्रनी सज्झायो	५	गु.	वृद्धिविजय
६२६९	दशवैकालिकसूत्रनी सज्झायो	७	गु.	जेतसी
६२७०	दशवैकालिकसूत्रनी सज्झायो	९	गु.	वृद्धिविजय
६२७१	दशवैकालिकसूत्रनी सज्झायो	५	गु.	वृद्धिविजय
६२७२	दशवैकालिकसूत्रनी सज्झायो	४	गु.	वृद्धिविजय
६२७३	योगदृष्टि सज्झाय	६	गु.	यशोविजयोपाध्याय
६२७४	योगदृष्टि सज्झाय सस्तबक	१६	गु.	मू. यशोविजयोपाध्याय, स्त. ज्ञानविमलसूरि
६२७५ (१)	अध्यात्मसारमाला	८	गु.	१. नेमिदास
६२७५ (२)	अध्यात्मवाणीगर्भितस्वाध्याय	८	गु.	२. ज्ञानविमल
६२७६ (१)	अध्यात्मसारमाला	६	गु.	१. नेमिदास
६२७६ (२)	अध्यात्मवाणीगर्भितस्वाध्याय	६	गु.	२. ज्ञानविमल
६२७७	ब्रह्मचर्य नववाडनी सज्झाय	२-३	गु.	उदयरत्न
६२७८	ब्रह्मचर्य नववाडनी सज्झाय	५	गु.	जिनहर्ष
६२७९	ब्रह्मचर्य नववाडनी सज्झाय	४	गु.	उदयरत्न
६२८०	शीयलनी नववाडनी सज्झाय	५	गु.	गुमानविजय
६२८१	शीयलनी नववाडनी सज्झाय	४	गु.	उदयरत्न
६२८२	शीयलनी नववाडनी सज्झाय	२-६	गु.	जिनहर्ष
६२८३ (१)	शीयलनी नववाडनी सज्झाय	४	गु.	उदयरत्न
६२८३ (२)	गोडीगीत	४	गु.	नित्यलाभ
६२८४ (१)	शीयलपालनस्वाध्याय	४	गु.	१. गुणहर्षशिष्य
६२८४ (२)	शीयलनववाडस्वाध्याय	४	गु.	२. विजयभद्र
६२८४ (३)	अध्यात्मस्वाध्याय	४	गु.	३. सकलचन्द्र
६२८५ (१)	शीलमाहात्म्यस्वाध्याय	१	गु.	१. सोमधर्म
६२८५ (२)	स्थूलभद्रसज्झाय	१	गु.	
६२८६	शीयलसज्झाय	१	गु.	

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता
६२८७	ब्रह्मचर्यसज्झाय	६	गु.	पार्श्वचन्द्रीय समरसिंह
६२८८	शीयलनववाडसज्झाय	३	गु.	
६२८९ (१)	दशदृष्टान्तसज्झाय	३	गु.	१. गुणविजय
६२८९ (२)	दशार्णभद्रमुनिस्वाध्याय	३	गु.	२. लालविजय
६२९०	साधुमार्गसज्झाय	२	गु.	यशोविजयोपाध्याय
६२९१ (१)	पञ्चमहाव्रतसज्झाय	२	गु.	कान्तिविजय
६२९१ (२)	सुन्दरीमहासतीनी सज्झाय	२	गु.	
६२९२ (१)	सचित्त-अचित्तविचार	३	गु.	१. धीरविजय
६२९२ (२)	सचित्तभूमिसज्झाय	३	गु.	२. लालविजय
६२९३	वज्रस्वामीनां ढालियां	२-६	गु.	जिनहर्ष
६२९४	शान्तिनाथस्तवन	२	गु.	सहजविमल
६२९५ (१)	शान्तिनाथस्तवन	१	गु.	१. पासचन्द्र
६२९५ (२)	प्रीतमगुणवर्णन	१	गु.	
६२९६ (१)	बावन अनाचरणीय	२	गु.	
६२९६ (२)	शान्तिजिनस्तवन	२	गु.	२. केसरकुलक
६२९७	आदीश्वरस्तवन	२	गु.	उदयरत्न
६२९८	ऋषभजिनस्तवन	२	गु.	ऋषभदास
६२९९	ऋषभजिनस्तवन	६	गु.	जिनविजय
६३००	ऋषभजिनस्तवन	१	गु.	
६३०१	जसविलासगत जिनस्तवन	२	गु.	यशोविजयोपाध्याय
६३०२	अजितनाथस्तवन सम्पूर्ण	२-३	गु.	आनन्दसार
६३०३	पार्श्वनाथबृहत्स्तवन	१	गु.	विनयचन्द्र
६३०४ (१)	पार्श्वनाथबृहत्स्तवन	१	गु.	विनयचन्द्र
६३०४ (२)	सुपार्श्वगीत	१	गु.	
६३०५	पार्श्वनाथस्तवन	३	गु.	लावण्यसमय
६३०६	जीराउलापार्श्वनाथस्तवन	२	गु.	लावण्यसमय
६३०७	पार्श्वचिन्तामणिस्तवन	२	गु.	पण्डित परमानन्द
६३०८	मल्लिनाथस्तवन	३	गु.	भोजविजय

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता
६३०९	गोडीपार्श्वनाथस्तवन	३	गु.	शान्तिकुशल
६३१० (१)	सेरीसापार्श्वनाथस्तवन	३	गु.	१. लावण्यसमय
६३१० (२)	गोडीपार्श्वनाथस्तवन-उपद्रवहर	३	गु.	
६३११ (१)	पार्श्वनाथस्तवन	२	गु.	कीर्तिविजय
६३११ (२)	आदिनाथस्तवन	२	गु.	कीर्तिविजय
६३११ (३)	ऋषभदेवस्तवन	२	गु.	कीर्तिविजय
६३१२	पार्श्वनाथनामगर्भितस्तवन	१	गु.	धनविमल
६३१३	त्रणचोवीसी ७२ जिनस्तवन	१	गु.	राजसागर
६३१४	चतुर्विंशतिजिनपञ्चकल्याणक-स्तवन	३	गु.	पार्श्वचन्द्र
६३१५	चतुर्विंशतिजिनपञ्चकल्याणक-स्तवन	४	गु.	विद्याविजय
६३१६	चतुर्विंशतिजिनपञ्चकल्याणक-स्तवन	२	गु.	बुद्धिवर्धन
६३१७	सप्ततिशतजिनस्तवन	६	गु.	न्यायसागर
६३१८	शाश्वतजिनस्तवन	६	गु.	माणिक्यविमल
६३१९	चतुर्विंशतिजिनस्तवन मालिनीछन्दोबद्ध	३	गु.	लावण्यसमय
६३२०	एकादशगणधरस्तवन	३	गु.	
६३२१ (१)	एकादशगणधरस्तवन	४	गु.	
६३२१ (२)	एकादशगणधरस्तवन स्तुति	४	गु.	
६३२१ (३)	एकादशगणधरस्तवन	४	सं.	
६३२२ (१)	गौतमप्रश्नोत्तरस्तवन	५	गु.	१. ऋषभदास
६३२२ (२)	गौतमपृच्छास्तवन	५	गु.	
६३२३	गौतमस्वामिस्तवन	१	गु.	गुणहर्षशिष्य
६३२४	गणधरवादप्रबोधस्तवन	२	गु.	सकलचन्द्र
६३२५	दानोपरि सज्झाय	१	गु.	लावण्यसमय

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता
६३२६	श्रावकविधिसज्झाय	२	गु.	लावण्यसमय
६३२७	रात्रिभोजनसज्झाय	२-३	गु.	हेमविमलसूरि
६३२८	दशविधयतिधर्मनी सज्झायो	२-७	गु.	ज्ञानविमल
६३२९	दशविधयतिधर्मनी सज्झायो	११	गु.	ज्ञानविमल
६३३०	विनयसज्झाय	३	गु.	कुलरत्न
६३३१	आठ मदनी सज्झाय, चैत्यवन्दन, स्तवन सज्झाय आदि	६	गु.	मानविजय आदि
६३३२ (१)	शंखेश्वरजिनराजगीतास्तवन	२	गु.	१. उदयविजय वाचक
६३३२ (२)	इरियावहीस्वाध्याय	२	गु.	२. मेरुविजय
६३३३ (१)	जम्बूस्वामिस्वाध्याय	१	गु.	रविचन्द्र
६३३३ (२)	सप्तव्यसनस्वाध्याय	१	गु.	रविचन्द्र
६३३४ (१)	तपविचारस्वाध्याय	१	गु.	१. सकलचन्द्र
६३३४ (२)	दिक्पटखण्डनसज्झाय	१	गु.	
६३३५	सोळस्वप्रसज्झाय	१	गु.	
६३३६	धर्माराधनसुभटसज्झाय	१	गु.	
६३३७ (१)	गुणठाणसज्झाय	१	गु.	१. सुन्दरविजय
६३३७ (२)	जीभ-दांतसंवाद	१	गु.	
६३३८ (१)	अनन्तकायनी सज्झाय	२	गु.	१. भावसागर
६३३८ (२)	धनानी सज्झाय	२	गु.	२. त्रिलोकसीशिष्य
६३३९	हितोपदेशस्वाध्याय	१	गु.	कमलविजय
६३४०	तपसज्झाय	१	गु.	
६३४१	बारभावनासज्झाय	६	गु.	सकलचन्द्र
६३४२	बारभावनासज्झाय अपूर्ण	५	गु.	सकलचन्द्र
६३४३	बारभावनासज्झाय	३	गु.	
६३४४	बारभावनासज्झाय	९	गु.	सकलचन्द्र
६३४५	बारभावनासज्झाय	८	गु.	सकलचन्द्र

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता
६३४६ (१)	बारभावनासज्झाय	१-३	गु.	जससोम
६३४६ (२)	सीमन्धरजिनस्तवन	३-५	गु.	सिद्धिविजय
६३४६ (३)	पुण्यप्रकाशस्तवन	५-७	गु.	विनयविजयोपाध्याय
६३४७ (१)	चारित्रमनोरथमाला	३	गु.	कुशलहर्षगणि
६३४७ (२)	बारभावनासज्झाय	३	गु.	कुशलहर्षगणि
६३४८	ओगणत्रीसीभावना	१	गु.	
६३४९	ओगणत्रीसीभावना	१	गु.	
६३५०	ओगणत्रीसीभावना	२	गु.	
६३५१	भावनासन्धि	३	गु.	यतिदेवमुनि
६३५२	पंचपरमेष्ठिगुणनी सज्झायो	५	गु.	देवविजय
६३५३	शीलपालनस्वाध्याय	१	गु.	गुणहर्षशिष्य
६३५४	प्रतिक्रमणहेतुगर्भसज्झाय	१०	गु.	यशोविजयोपाध्याय
६३५५	उपशमसज्झाय	१	गु.	लक्ष्मीकल्लोल
६३५६	संयमश्रेणिसज्झाय	२	गु.	यशोविजयोपाध्याय.
६३५७	संयमश्रेणिसज्झाय स्वोपज्ञ टबार्थसहित	५	गु.	यशोविजयोपाध्याय
६३५८	समकितना ६७ बोलनी सज्झाय	४	गु.	यशोविजयोपाध्याय
६३५९	समकितना ६७ बोलनी सज्झाय	४	गु.	यशोविजयोपाध्याय
६३६०	समकितना ६७ बोलनी सज्झाय	६	गु.	यशोविजयोपाध्याय
६३६१	समकितना ६७ बोलनी सज्झाय	३	गु.	यशोविजयोपाध्याय
६३६२	समकितना ६७ बोलनी सज्झाय	६	गु.	यशोविजयोपाध्याय
६३६३	समकितना ६७ बोलनी सज्झाय	५	गु.	यशोविजयोपाध्याय
६३६४	अढार नातरां सज्झाय	२	गु.	लाभानन्द

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता
६३६५ (१)	अढार नातरां सज्झाय	४	गु.	भवान
६३६५ (२)	वेदान्तसारसिद्धान्तप्रकरण	४	सं.	शङ्कराचार्य
६३६६	अढारपापस्थानकस्वाध्याय	८	गु.	यशोविजयोपाध्याय
६३६७	अढारपापस्थानकस्वाध्याय	१८	गु.	ब्रह्मकवि
६३६८	अढारपापस्थानकस्वाध्याय	९	गु.	यशोविजयोपाध्याय
६३६९	मनुष्यभवविचारसज्झाय	३	गु.	
६३७०	मनुष्यभवदशदृष्टान्तस्वाध्याय	२	गु.	बुद्धिसागरशिष्य
६३७१	उत्पत्तिनी सज्झाय	४	गु.	श्रीसार
६३७२	छ व्रतनी सज्झायो	६	गु.	कान्तिविजय
६३७३	सामायिकदोषसज्झाय	३	गु.	मानविजय
६३७४ (१)	अढार नातरांनी सज्झाय	२	गु.	१. जयसागर
६३७४ (२)	सीतासतीनी सज्झाय	२	गु.	
६३७५	चन्द्रुआ उपरि सज्झाय	२	गु.	मानविजय
६३७६	अढार पापस्थानकनी सज्झायो	१५	गु.	ब्रह्मकवि
६३७७	अढार पापस्थानकनी सज्झायो	११	गु.	यशोविजयोपाध्याय
६३७८	अढार पापस्थानकनी सज्झायो	८	गु.	यशोविजयोपाध्याय
६३७९	छ व्रतनी सज्झायो	३	गु.	कान्तिविजय
६३८०	चार प्रत्येकबुद्धनी सज्झाय	४	गु.	राजरत्न पाठक
६३८१	चार प्रत्येकबुद्धनी सज्झाय	२	गु.	समयसुन्दर
६३८२	नन्दास्वाध्याय	१	गु.	जयसोम
६३८३	जिनदत्तस्वाध्याय-अतिथिसंविभागे	१	गु.	ज्ञानविमलशिष्य
६३८४	वयरस्वामिस्वाध्याय	९	गु.	जिनहर्ष
६३८५	प्रभंजनानी सज्झाय	३	गु.	देवचन्द्र
६३८६	अवन्तीसुकुमालनी सज्झाय	१०	गु.	शान्तिहर्ष
६३८७	अवन्तीसुकुमालनी सज्झाय	६	गु.	शान्तिहर्ष
६३८८ (१)	अवन्तीसुकुमालनी सज्झाय	२	गु.	
६३८८ (२)	सुकोशलमुनिसज्झाय	२	गु.	
६३८८ (३)	सुखडीनी सज्झाय	२	गु.	३. पद्मसागर
६३८९	सुकोशलरिषिसज्झाय	१	गु.	देवचन्द्र
६३९० (१)	प्रभञ्जनाश्रमणीसज्झाय	५	गु.	देवचन्द्र
६३९० (२)	गजसुकुमालमुनिस्वाध्याय	५	गु.	देवचन्द्र
६३९१	गजसुकुमालमुनिस्वाध्याय	५	गु.	देवचन्द्र
६३९२	गजसुकुमालमुनिसज्झाय	७	गु.	शुभवर्धनशिष्य
६३९३	आषाढभूतिमुनिसज्झाय	६	गु.	कनकसोम
६३९४	इलापुत्रसज्झाय	३	गु.	वीरविमल
६३९५	अनाथीरिषिस्वाध्याय आदि	४	गु.	जिनविजय
६३९६	विजयशेठनी सज्झाय	२	गु.	नागोरीतपागच्छीय हर्षकीर्तिसूरि
६३९७ (१)	रात्रिभोजनविरतिसज्झाय	१	गु.	
६३९७ (२)	एकादशगणधरसज्झाय	१	गु.	२. प्रेमविजय
६३९८	दशार्णभद्रसज्झाय	३	गु.	लालविजय
६३९९	दशार्णभद्रसज्झाय	१	गु.	लालविजय
६४०० (१)	विहरमानजिनस्तवनवीसी	१-७	गु.	यशोविजयोपाध्याय
६४०० (२)	पञ्चपरमेष्ठिगुणवर्णनभास	७-९	गु.	ज्ञानविमलसूरि
६४०० (३)	अगीयार अंगनी सज्झाय	९मुं	गु.	ज्ञानविमलसूरि
६४०० (४)	सद्गुरुसज्झाय	९-११	गु.	यशोविजयोपाध्याय
६४०० (५)	आत्महितशिक्षासज्झाय	११-१२	गु.	यशोविजयोपाध्याय
६४०० (६)	आत्महितशिक्षासज्झाय	१२-१३	गु.	विशुद्धविमल
६४०० (७)	लेश्यास्वरूपगाथासङ्ग्रह आदि	१३मुं	प्रा.	
६४०१	संयमश्रेणीनी सज्झाय स्वोपज्ञ टबार्थसह	१३	गु.	उत्तमविजय
६४०२	अभयकुमारसज्झाय	२	गु.	विजयचन्द्र
६४०३	भरतेश्वर-बाहुबलीनी सज्झाय	१	प्रा.	
६४०४ (१)	सीतासतीस्वाध्याय	२	गु.	मतिसागर

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता
६४०४ (२)	आलोयणसज्झाय	२	गु.	मतिशेखर
६४०५	सीतासतीसज्झाय	२	गु.	भोजसागर
६४०६ (१)	नन्दिषेणस्वाध्याय	१	गु.	
६४०६ (२)	आदिनाथ थोय	१	गु.	२. ऋद्धिचन्द्र
६४०७ (१)	बलभद्रमुनिसज्झाय	३	गु.	
६४०७ (२)	शत्रुञ्जयभास	३	गु.	२. सहजसुन्दर
६४०७ (३)	मधुबिन्दुसज्झाय	३	गु.	३. चरणप्रमोद
६४०७ (४)	हीरविजयसूरिसज्झाय	३	गु.	४. कानजी मुनि
६४०७ (५)	गौतमस्वामिसज्झाय	३	गु.	५. लावण्यसमय
६४०८	अमरकुंवरनी सज्झाय	४	गु.	
६४०९ (१)	रोहिणीसज्झाय	२	गु.	लालविजय
६४०९ (२)	चोवीसजिनवरपरिवारसज्झाय	२	गु.	करमसी
६४१०	सनत्कुमारराजर्षिसज्झाय	१	गु.	आनन्द विजय
६४११	ढण्ढणऋषिनी सज्झाय	२	गु.	जिनहर्ष
६४१२ (१)	ढण्ढणऋषिनी सज्झाय	१	गु.	१. जयकल्याणसूरि
६४१२ (२)	पौषधव्रतभास	१	गु.	२. गुणलाभ
६४१३	स्थूलभद्रसज्झाय	१	गु.	नयनसुन्दर
६४१४	स्थूलभद्रसज्झाय	१	गु.	
६४१५	शिवकुमारसज्झाय	१	गु.	
६४१६	सत्यविजयपंन्यासनिर्वाणरास	८	गु.	जिनहर्ष
६४१७	जिनविजयनिर्वाणप्रशस्ति	८	गु.	उत्तमविजय
६४१८	जिनविजयनिर्वाणप्रशस्ति	१०	गु.	उत्तमविजय
६४१९	आनन्दविमलसूरिसज्झाय	१	गु.	
६४२०	पट्टावलीसज्झाय	१	गु.	हेमऋषि
६४२१ (१)	हीरसूरिसज्झाय-राज्यमानसज्झाय	१	गु.	आनन्दहर्ष
६४२१ (२)	सिद्धाचलनी थोय	१	गु.	आनन्दहर्ष
६४२२	हीरदेशनासुरवेलि	५	गु.	सकलचन्द्र

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता
६४२३	हीरदेशनासुरवेलि	५	गु.	सकलचन्द्र
६४२४ (१)	विजयसेनसूरि स्वाध्यायो बे	१	गु.	बेना नगर्षिगणि
६४२४ (२)	महावीरस्तुति	१	गु.	बेना नगर्षिगणि
६४२५ (१)	विजयसेनसूरिसज्झाय	१	गु.	१. बेना नगर्षिगणि
६४२५ (२)	विजयदेवसूरिसज्झाय अपूर्ण	१	गु.	
६४२६	विजयदेवसूरिसज्झाय अपूर्ण	१	दक्षिणी	विनयचन्द्र
६४२७	विजयदेवसूरिसज्झाय अपूर्ण	१	गु.	नगर्षि
६४२८	विजयदेवसूरिसज्झाय अपूर्ण	१	गु.	
६४२९	विजयदेवसूरिसज्झाय अपूर्ण	१	गु.	नगर्षि
६४३०	विजयदेवसूरिसज्झाय बे	१	गु.	प्रीतिविजय अने ऋद्धिचन्द्र
६४३१ (१)	विजयदेवसूरिसज्झाय	१	गु.	धनहर्ष
६४३१ (२)	तेतरीयासज्झाय	१	गु.	धनहर्ष
६४३२ (१)	संवेगसज्झाय	१	गु.	१. प्रीतिविजय
६४३२ (२)	विजयदेवसूरिसज्झाय	१	गु.	२. मेघचन्द्र
६४३३	विजयप्रभसूरिसज्झाय	१	गु.	रविचन्द्र
६४३४ (१)	पद्मावतीआराधना	६	गु.	१. समयसुन्दर
६४३४ (२)	कल्याणसागरसूरिभास	६	गु.	२. लक्ष्मीचन्द्र
६४३४ (३)	अमरसागरसूरिभास	६	गु.	३. गुणशेखर
६४३५	विजयानन्दसूरीश्वरनिर्वाण-स्वाध्याय	३	गु.	भावविजय
६४३६ (१)	विजयरत्नमुनीश्वरस्वाध्याय	२	गु.	१. देवकुशल
६४३६ (२)	लोढणपार्श्वनाथस्तवन	२	गु.	२. शुभविजय
६५४६ (३)	सुभाषितदूहा आदि	२	गु.	
६४३७ (१)	महावीरस्वाध्याय	१	गु.	सकलमुनि
६४३७ (२)	हरियालीस्वाध्याय	१	गु.	सकलमुनि
६४३८	हरियाली सस्तबक	२	गु.	यशोविजयोपाध्याय
६४३९ (१)	वैराग्यरंग सज्झाय	१	गु.	मुनिचन्द्र

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता
६४३९ (२)	आदीश्वरहरियाली	१	गु.	मुनिचन्द्र
६४४० (१)	कोथळीनी हरियाली	१	गु.	कनकसौभाग्य
६४४० (२)	मोरनी हरियाली	१	गु.	कनकसौभाग्य
६४४० (३)	मुक्तिनी हरियाली	१	गु.	कनकसौभाग्य
६४४१ (१)	समकितना ६७ बोल	१२	गु.	
६४४१ (२)	मिथ्यात्वना १० बोल	१२	गु.	
६४४१ (३)	चौदगुणठाणाना बोल	१२	गु.	
६४४२ (१)	प्रतिमास्थापनसज्झाय	२	गु.	
६४४२ (२)	हरियालीसज्झाय	२	गु.	
६४४३	भक्ष्याभक्ष्यादिविचारगर्भित-सज्झाय	२	गु.	नयविमल
६४४४	शत्रुञ्जयमण्डनआदीश्वर-जिनवीनति	३	गु.	लावण्यसमय
६४४५	शत्रुञ्जयमण्डनआदीश्वर-जिनवीनति	३	गु.	लावण्यसमय
६४४६	शत्रुञ्जयमण्डनआदीश्वर-जिनवीनति	२	गु.	विनयविजयोपाध्याय
६४४७	शत्रुञ्जयमण्डनआदीश्वरजिनवीनति किञ्चिदपूर्ण	३	गु.	लावण्यसमय
६४४८	शत्रुञ्जयमण्डनआदीश्वरजिनवीनति किञ्चिदपूर्ण	२	गु.	लावण्यसमय
६४४९	शत्रुञ्जयवीनति	१	गु.	
६४५०	शत्रुञ्जयमण्डनआदीश्वरवीनति	२	गु.	विनयविजयोपाध्याय
६४५१	शत्रुञ्जयमण्डनआदीश्वरवीनति	३	गु.	लावण्यसमय
६४५२	शत्रुञ्जयमण्डनआदीश्वरवीनति	२	गु.	लावण्यसमय
६४५३	रत्नाकरपचीसी	४	सं.	रत्नाकरसूरि
६४५४	सीमन्धरस्वामिवीनति	३	गु.	ज्ञानविमलसूरि
६४५५ (१)	सीमन्धरस्वामिवीनति	३	गु.	अमरचन्द्र
६४५५ (२)	नेमिगीत	१	गु.	अमरचन्द्र
६४५६	सीमन्धरस्वामिविज्ञप्तिस्तवन	७	गु.	कमलविजय
६४५७	सीमन्धरस्वामिवीनति	३	गु.	सन्तोषविजय
६४५८	चोवीस जिननां गीतो	१५	गु.	
६४५९ (१)	आलोचनागीत	१	गु.	मतिशेखर
६४५९ (२)	जीराउलाभास	१	गु.	खीमो
६४६०	सीमन्धरजिनगीत	१	गु.	गुणविजय
६४६१	चोवीसजिनगीत	७	गु.	भावविमल
६४६२	सिद्धचक्रगीत	२	गु.	झालो
६४६३	मेघकुमारगीत	१	गु.	पूनो
६४६४	आषाढभूतिगीत	४	गु.	शुभवर्धनशिष्य
६४६५ (१)	गोडीपार्श्वनाथगीत	२	गु.	१. लावण्यसमय
६४६५ (२)	सीमन्धरगीत	२	गु.	२. भक्तिलाभोपाध्याय
६४६६ (१)	सनत्कुमारऋषिगीत	१	गु.	१. राजहंसोपाध्याय
६४६६ (२)	विनयगीत	१	गु.	२. राजशीलोपाध्याय
६४६७ (१)	ऋषभदत्त-देवानन्दागीत	१	गु.	
६४६७ (२)	शत्रुञ्जयस्तुति	१	सं.	
६४६८ (१)	स्थूलिभद्रगीत	१	गु.	१. शिवचन्द
६४६८ (२)	जीभगीत	१	गु.	२. लावण्यसमय
६४६९	अन्तरंगगीतयुगल	१	गु.	बन्नेना सहजसुन्दर
६४७० (१)	शिवकुमारस्वाध्याय	१	गु.	
६४७० (२)	नेमिगीत	१	गु.	२. सोमविमलसूरि
६४७१	नेमिनाथपयडो	७	गु.	सहस्रकिरण
६४७२	नेमिजीनो नवरसो	३	गु.	रूपचन्द्र
६४७३	नेमकुमरहमची	३	गु.	लावण्यसमय
६४७४	वीरजिन हालरडुं	२	गु.	अमीविजय
६४७५	आदिनाथसुखडी	२	गु.	
६४७६	वीसविहरमानजिनभास	३-७	गु.	कल्याणसागर
६४७७	वीसविहरमानजिनभास	१४	गु.	विनयविजयोपाध्याय
६४७८	वीसविहरमानजिनभास	५	गु.	विनयविजयोपाध्याय
६४७९	वज्रस्वामिभासआदिस्तवन-सज्झायसङ्ग्रह	२	गु.	लींबो, सूरचन्द, लावण्यसमय आदि

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता
६४८०	हमचीभास-			
	आञ्चिलिकखण्डनभास	२	गु.	केशवदास
६४८१	आबुमण्डनआदिनाथभास-			
	आदिभाससङ्ग्रह	२	गु.	लावण्यसमय
६४८२	विजयदेवसूरिभास बे	१	गु.	बन्नेना आनन्दहर्ष
६४८३	शीलभास	२	गु.	
६४८४	मेघकुमारभास	१	गु.	पूनो
६४८५	साधुवन्दना	३०	गु.	समयसुन्दर
६४८६	साधुवन्दना	१०	गु.	पार्श्वचन्द्र
६४८७	साधुवन्दना	१२	गु.	
६४८८	साधुवन्दना	११	गु.	
६४८९	साधुवन्दना	४	गु.	यशोविजयोपाध्याय
६४९०	साधुवन्दना	३	गु.	पार्श्वचन्द्र
६४९१	साधुवन्दना	७	गु.	पार्श्वचन्द्र
६४९२	साधुवन्दना	५	गु.	सकलचन्द्र
६४९३	साधुवन्दना	९	गु.	
६४९४	साधुवन्दना	२२	गु.	
६४९५	साधुवन्दना	९	गु.	पार्श्वचन्द्र
६४९६	साधुवन्दना	५	गु.	पार्श्वचन्द्र
६४९७ (१)	पांचमा आरानी सज्झाय	१-२	गु.	
६४९७ (२)	देवकीजीना छ पुत्रनां १९			
	ढाळियां	२-२२	गु.	
६४९८	रात्रिभोजननां चोढाळियां	७	गु.	रंगमुनि
६४९९	गजसुकुमालनी ढाळो	५	गु.	
६५०० (१)	देवकीनां ढाळियां	८	गु.	शुभवर्धनशिष्य
६५०० (२)	क्षमाछत्रीसी	८	गु.	समयसुन्दर
६५०० (३)	पजुसणनी थोय	८	गु.	सन्तोष शाह
६५०१	दशार्णभद्रनां चोढाळियां	२	गु.	कुशलसिंह
६५०२	शीलरूपकमाला बालावबोधसहित			
	त्रिपाठ	१३	गु.	पुण्यनन्दि

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता
६५०३ (१)	ज्ञानपचीसी	२	हिन्दी	बनारसीदास
६५०३ (२)	निरञ्जनस्तुति	२	गु.	ज्ञानानन्द
६५०३ (३)	अध्यात्मगीत	२	गु.	विनयविजयोपाध्याय
६५०४	अध्यात्मभावपचीसी-			
	ज्ञानपचीसी	२	हिन्दी	बनारसीदास
६५०५	ढुंढकपचीसी	२	गु.	जिनेन्द्र
६५०६	दशश्रावकबत्रीसी	२	गु.	नन्नसूरि
६५०७	ज्ञानपचीसी	२	हिन्दी	बनारसीदास
६५०८	अध्यात्मबत्रीसी	२	हिन्दी	बनारसीदास
६५०९	अध्यात्मबत्रीसी	२	हिन्दी	बनारसीदास
६५१०	सुभाषितबत्रीसी	१	गु.	पद्मसुन्दरशिष्य
६५११	पिण्डबत्रीसी	२	गु.	सहजविमल
६५१२	पिण्डबत्रीसी	३	गु.	सहजविमल
६५१३	क्षमाबत्रीसी	३	गु.	समयसुन्दर
६५१४ (१)	क्षमाबत्रीसी	३	गु.	१. समयसुन्दर
६५१४ (२)	नेमिगीत	३	गु.	२. रत्नशेखर
६५१५ (१)	कर्मबत्रीसी	४	गु.	समयसुन्दर
६५१५ (२)	पुण्यछत्रीसी	४	गु.	समयसुन्दर
६५१६	विधिपञ्चाशिका	३	गु.	पर्वत
६५१७	ॐकार बावनी	४	गु.	जिनहर्ष
६५१८	ॐकार बावनी	४	गु.	जिनहर्ष
६५१९	केशवबावनी	७	हिन्दी	केशवदास
६५२०	कक्काबत्रीसी	१	गु.	जीवो ऋषि
६५२१	बनारसीदासबावनी	१३	हिन्दी	बनारसीदास
६५२२	हंसराज बावनीज्ञानद्विपंचाशिका	८	हिन्दी	हंसराज
६५२३ (१)	प्रत्याख्यानचतुःसप्ततिका	१	गु.	१. पार्श्वचन्द्रीय समरसिंह
६५२३ (२)	आदिजिन-अजितनाथ-शान्तिनाथ			
	संयुक्तस्तवन	१	गु.	२. पार्श्वचन्द्रसूरि
६५२४	दान-शील-तपभावनासंवादशतक	३	गु.	समयसुन्दर
६५२५	भयाष्टकछन्द	१	गु.	हीरकुशल

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता
६५२६	आवश्यकसूत्रनिर्युक्ति	५३	प्रा.	भद्रबाहुस्वामि
६५२७	आवश्यकसूत्रवृत्ति प्रदेशव्याख्या टिप्पनक	८०	सं.	मलधारी हेमचन्द्रसूरि
६५२८	दशवैकालिकसूत्रचूर्णि	१४०	प्रा.	
६५२९	दशवैकालिकसूत्रचूर्णि निर्युक्ति	९	प्रा.	भद्रबाहुस्वामि
६५३०	उत्तराध्ययनसूत्रचूर्णि	१०८	प्रा.	गोपालिकमहत्तरशिष्य
६५३१	भगवतीसूत्रचूर्णि	५०-१०६	प्रा.	
६५३२	भगवतीसूत्रचूर्णि अवचूर्णि	१०७-१५५	सं.	
६५३३	आचाराङ्गसूत्रचूर्णि	१३३	प्रा.	
६५३४	सूत्रकृताङ्गसूत्रचूर्णि	१६३	प्रा.	
६५३५	अनुयोगद्वारसूत्रटीका	१४४	सं.	मलधारी हेमचन्द्रसूरि
६५३६	अनुयोगद्वारसूत्रटीका चूर्णि	२६	प्रा.	जिनदासगणि महत्तर
६५३७	व्यवहारसूत्रचूर्णि	१५८	प्रा.	
६५३८	सूर्यप्रज्ञप्तिउपाङ्गसूत्रवृत्ति	१२१	सं.	आचार्य मलयगिरि
६५३९	दशवैकालिकसूत्रबृहद्वृत्ति	९१	सं.	आचार्य हरिभद्रसूरि
६५४० (१)	निशीथसूत्र	१-१४	प्रा.	भद्रबाहुस्वामि
६५४० (२)	निशीथसूत्र लघुभाष्य	१४-१४६	प्रा.	
६५४१ (१)	निशीथसूत्र चूर्णि	१-४५६	प्रा.	जिनदासगणि महत्तर
६५४१ (२)	निशीथसूत्र विंशोद्देशकव्याख्या	४५६-४७२	सं.	श्रीचन्द्रसूरि
६५४२	महानिशीथसूत्र	७४	प्रा.	
६५४३	ओघनिर्युक्ति	२-४२	प्रा.	भद्रबाहुस्वामि
६५४४	पिण्डनिर्युक्ति शिष्यहिताटीकासहित	११३	प्रा.सं.	नि. भद्रबाहुस्वामि वृ. वीरगणि हरिभद्रसूरि प्रारब्धा
६५४५	दशवैकालिकसूत्रचूर्णि	११२	प्रा.	
६५४६	उत्तराध्ययनसूत्रचूर्णि	८४	प्रा.	गोपालिक महत्तरशिष्य

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता
६५४७	आचाराङ्गसूत्रचूर्णि	९८	प्रा.	
६५४८	सूत्रकृताङ्गसूत्रचूर्णि	१४९	प्रा.	
६५४९	भगवतीसूत्रचूर्णि	७८	प्रा.	
६५५०	पञ्चकल्पबृहद्भाष्य	४२	प्रा.	संघदासगणि क्षमाश्रमण
६५५१	पञ्चकल्पचूर्णि	४२	प्रा.	
६५५२	कल्पचूर्णि	२०२	प्रा.	
६५५३	कल्पविशेषचूर्णि	१४३	प्रा.	
६५५४	व्यवहारसूत्रचूर्णि	१८२	प्रा.	
६५५५ (१)	सिद्धप्राभृतसूत्र	१४	सं.	
६५५५ (२)	सिद्धप्राभृतसूत्र वृत्ति	१४	सं.	
६५५६	आवश्यकसूत्र लघुवृत्तिसहित	२३९	प्रा.सं.	वृ. तिलकाचार्य
६५५७	आवश्यकसूत्र वृत्तिटिप्पनक	६६	सं.	मलधारी हेमचन्द्रसूरि
६५५८	ओघनिर्युक्ति	२६	प्रा.	
६५५९	ओघनिर्युक्ति वृत्ति	१३०	सं.	वृ. द्रोणाचार्य
६५६०	पिण्डनिर्युक्ति वृत्तिसहित	१२६	प्रा.सं.	नि. भद्रबाहुस्वामि वृ. मलयगिरि
६५६१	दशवैकालिकसूत्र	१३	प्रा.	शय्यम्भवसूरि
६५६२	दशवैकालिकसूत्र निर्युक्ति	१०	प्रा.	भद्रबाहुस्वामि
६५६३	दशवैकालिकसूत्र बृहद्वृत्ति	१२३	सं.	याकिनीसूनु हरिभद्रसूरि
६५६४	उत्तराध्ययनसूत्र	३२	प्रा.	
६५६५	उत्तराध्ययनसूत्र निर्युक्ति	१५	प्रा.	भद्रबाहुस्वामि
६५६६	चन्द्रप्रज्ञप्तिउपाङ्गसूत्र	२६	प्रा.	
६५६७	चन्द्रप्रज्ञप्तिउपाङ्गसूत्र टीका	१३८	सं.	आचार्य मलयगिरि
६५६८ (१)	निरयावलिका उपाङ्गसूत्र	१-१७	प्रा.	
६५६८ (२)	निरयावलिका उपाङ्गसूत्र वृत्ति	१७-२७	सं.	श्रीचन्द्रसूरि
६५६९ (१)	मरणविधिप्रकीर्णक	३८	प्रा.	

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता
६५६९ (२)	चन्द्रवेध्यकप्रकीर्णक	३८	प्रा.	
६५६९ (३)	कुशलानुबन्धिप्रकीर्णक	३८	प्रा.	वीरभद्र
६५६९ (४)	आतुरप्रत्याख्यान	३८	प्रा.	वीरभद्र
६५६९ (५)	भक्तपरिज्ञाप्रकीर्णक	३८	प्रा.	वीरभद्रगणि
६५६९ (६)	संस्तारकप्रकीर्णक	३८	प्रा.	
६५६९ (७)	तन्दुलवैचारिकप्रकीर्णक	३८	प्रा.	
६५६९ (८)	महाप्रत्याख्यानप्रकीर्णक	३८	प्रा.	
६५६९ (९)	वीरस्तवप्रकीर्णक	३८	प्रा.	
६५६९ (१०)	गणिविद्याप्रकीर्णक	३८	प्रा.	
६५६९ (११)	लघुआराधनापताका	३८	प्रा.	
६५६९ (१२)	कवचद्वार	३८	प्रा.	
६५७०	पाक्षिकसूत्रावचूरि	९	सं.	
६५७१	उत्तराध्ययनसूत्रावचूरि	२३	सं.	
६५७२	ज्योतिष्करण्डक सटीक	६३	प्रा.सं.	टी. आचार्य मलयगिरि
६५७३	आचाराङ्गसूत्र निर्युक्ति	९	प्रा.	भद्रबाहुस्वामि
६५७४	आवश्यकसूत्र निर्युक्ति	४५	प्रा.	भद्रबाहुस्वामि
६५७५	पिण्डनिर्युक्ति	११	प्रा.	भद्रबाहुस्वामि
६५७६	सूर्यप्रज्ञप्तिउपाङ्गसूत्र	३१	प्रा.	
६५७७	सूर्यप्रज्ञप्तिउपाङ्गसूत्र वृत्ति	११४	सं.	आचार्य मलयगिरि
६५७८	चन्द्रप्रज्ञप्तिउपाङ्गसूत्र	२८	प्रा.	
६५७९	आवश्यकसूत्रचूर्णि	३२८	प्रा.	जिनदासगणि महत्तर
६५८०	भवभावनाप्रकरण स्वोपज्ञ वृत्तिसहित	१८८	प्रा.सं.	मलधारी हेमचन्द्रसूरि
६५८१	उपदेशपदप्रकरण वृत्तिसहित	१९७	प्रा.सं.	मू. आचार्य हरिभद्र, वृ. मुनिचन्द्रसूरि
६५८१ (१)	प्रशमरतिप्रकरण वृत्तिसहित	१०१	सं.	१.उमास्वाति वाचक, वृ. बृहद्गच्छीय
६५८२ (२)	नवतत्त्वप्रकरण वृत्तिसहित	१०९	प्रा.सं.	हरिभद्रसूरि
६५८३	लघुउपमितिभवप्रपंचा कथा	१०४	सं.	देवेन्द्रसूरि
६५८४	धर्मबिन्दुप्रकरण सटीक	५२	सं.	मू. आचार्य हरिभद्र, टी. मुनिचन्द्रसूरि
६५८६	चैत्यवन्दनकुलक वृत्तिटिप्पन	१६	सं.	लब्धिनिधान
६५८७ (१)	पञ्चलिङ्गीप्रकरणवृत्ति	१२०	सं.	वृ. जिनपतिसूरि,
६५८७ (२)	पञ्चलिङ्गीप्रकरणवृत्ति टिप्पनक	१२०	सं.	टि. जिनपाल
६५८८	श्रावकधर्मविधिप्रकरण वृत्तिसहित	२४०	गु.	मू. जिनेश्वराचार्य, वृ. लक्ष्मीतिलक
६५८९	शतककर्मग्रन्थ स्वोपज्ञ वृत्तिसहित	६६	प्रा.सं.	देवेन्द्रसूरि
६५९०	दर्शनशुद्धिप्रकरण सटीक	५९	गु.	मू. चन्द्रप्रभाचार्य, टी. देवभद्र
६५९१	प्रथमपञ्चाशकप्रकरण चूर्णिसहित	५१	प्रा.	मू. हरिभद्रसूरि, चू. यशोदेवसूरि
६५९२	षडशीतिककर्मग्रन्थ प्राचीन सटीक	१८	प्रा.सं.	मू. जिनवल्लभगणि, वृ. बृहद्गच्छीय हरिभद्रसूरि
६५९३ (१)	चर्चरी सटीक	१४	प्रा.सं.	(१) मू. जिनदत्तसूरि, टी. जिनपाल
६५९३ (२)	उपदेशरसायन सटीक	१४	प्रा.सं.	२. मू. जिनदत्तसूरि, टी. जिनपाल
६५९३ (३)	कालस्वरूपकुलकविवरण	१४	प्रा.सं.	३. मू. जिनदत्तसूरि टी. जिनपाल
६५९४	श्रावकसामाचारीप्रकरण सटीक	१३	प्रा.सं.	
६५९५ (१)	पद्मनन्दिपंचाशिका	७	सं.	(१) पद्मनन्दि
६५९५ (२)	योगकल्पद्रुम	७	सं.	
६५९५ (३)	योगप्रदीप	७	सं.	
६५९६ (१)	कर्मविपाककर्मग्रन्थ प्राचीन सटीक	२८	प्रा.सं.	(१) मू. गर्गर्षि
६५९६ (२)	स्वप्नसप्ततिका सटीक	२८	प्रा.सं.	२. वृ. सर्वदेवसूरि

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता
६५९६ (३)	स्वप्राष्टकविचार सटीक	२८	प्रा.सं.	३.मू जिनवल्लभगणि टी. जिनपाल
६५९७	द्वादशकुलक सटीक	४२	प्रा.सं.	मू. जिनवल्लभगणि टी. जिनपाल
६५९८	सिद्धहेमशब्दानुशासनसूत्रपाठ सप्तमाध्यायपर्यन्त	१६	सं.	हेमचन्द्राचार्य
६५९९	हेमधातुपाठसंक्षेप	५	सं.	
६६००	सिद्धहेमशब्दानुशासन स्वोपज्ञ लघुवृत्ति तथा हैमन्यायसंग्रह लघुवृत्ति	९१	सं.	हेमचन्द्राचार्य
६६०१	सिद्धहेम० अष्टमाध्यायसूत्रपाठ	४	गु.	हेमचन्द्राचार्य
६६०२	सिद्धहेम० अष्टमाध्याय स्वोपज्ञ बृहद्वृत्तिसह	३६	सं.	हेमचन्द्राचार्य
६६०३	सिद्धहेम० बृहद्वृत्तिपञ्चमाध्याय चतुर्थ पादपर्यन्त	१७४	सं.	हेमचन्द्राचार्य
६६०४	सिद्धहेम० बृहद्वृत्ति षष्ठाध्यायथी सप्तमाध्याय चतुर्थपादपर्यन्त	८६	सं.	हेमचन्द्राचार्य
६६०५	हैमविभ्रमसूत्रवृत्ति तथा हैमविभ्रमसूत्र	९	सं.	
६६०६	सिद्धहेम०लघुन्यास- बृहन्नयाससारोद्धार	१७२	सं.	कनकप्रभसूरि
६६०७	सिद्धहेम०षोडशपादपर्यन्त अवचूरि	८०	सं.	
६६०८	बुद्धिसागरव्याकरण- पञ्चग्रन्थी	१०४	सं.	बुद्धिसागरसूरि
६६०९	सिद्धहेम०लघुवृत्ति-चतुष्कवृत्ति अवचूरिढुण्ढिका	६६	सं.	
६६१०	सिद्धहेम०स्वोपज्ञ तत्त्वप्रका- शिकाप्रकाश शब्दमहार्णवन्यास प्रथमाध्यायप्रथमपाद अपूर्ण	३७	सं.	हेमचन्द्राचार्य
६६११	सिद्धहेम० स्वोपज्ञ तत्त्वप्रकाशिका- प्रकाश शब्दमहार्णवन्यास प्रथमाध्यायतृतीयपादथी द्वितीयाध्याय प्रथमपादपर्यन्त	६३	सं.	हेमचन्द्राचार्य
६६१२	सिद्धहेम० स्वोपज्ञ तत्त्वप्रकाशिका- प्रकाश शब्दमहार्णवन्यास द्वितीयाध्याय द्वितीय-तृतीय चतुर्थपाद, तृतीयाध्याय चतुर्थपाद अने सप्तमाध्याय तृतीयपाद	१५६	सं.	हेमचन्द्राचार्य
६६१३	सिद्धहेम० अष्टमाध्याय बृहद्- वृत्तिदीपिका प्राकृतदीपिका अपूर्ण	२७	सं.	हेमचन्द्राचार्य
६६१४	हैमलिङ्गानुशासन स्वोपज्ञविवरणसहित	५६	सं.	हेमचन्द्राचार्य
६६१५	अनेकार्थतिलकनाममाला	१७	सं.	महीप
६६१६ (१)	हैमअनेकार्थनाममाला	२७	सं.	हेमचन्द्राचार्य
६६१६ (२)	एकाक्षरीनाममाला	२७	सं.	हेमचन्द्राचार्य
६६१७	हैमउणादिगण स्वोपज्ञवृत्तिसहित	४०	सं.	मू. हेमचन्द्राचार्य
६६१८	हैमअनेकार्थनाममाला अनेकार्थकैरवाकरकौमुदी- वृत्तिसहित	१७१	सं.	मू. हेमचन्द्राचार्य वृ. महेन्द्रसूरि
६६१९	नलायन	९०	सं.	माणिक्यसूरि
६६२०	बालभारत	१४०	सं.	अमरचन्द्रसूरि
६६२१	वसन्तविलास महाकाव्य- वस्तुपालचरित्र	२४	सं.	बालचन्द्रसूरि
६६२२	चक्रपाणिविजयमहाकाव्य	३०	सं.	लक्ष्मीधर भट्ट
६६२३ (१)	विक्रमांककाव्य	४८	सं.	बिल्हण भट्ट
६६२३ (२)	घटकर्परकाव्य	४८	सं.	
६६२३ (३)	मेघाभ्युदयकाव्य	४८	सं.	

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता
६६२३ (४)	वृन्दावनमहाकाव्य	४८	सं.	
६६२३ (५)	मधुवर्णनकाव्य	४८	सं.	केलिकवि
६६२३ (६)	विरहिणीप्रलापकाव्य	४८	सं.	
६६२३ (७)	चन्द्रदूतकाव्य	४८	सं.	
६६२४	नेमिनिर्वाणमहाकाव्य टिप्पणीसहित	२२	सं.	महाकवि वाग्भट
६६२५	भट्टीकाव्य	३३	सं.	भट्टी कवि
६६२६	काव्यमीमांसा	५६	सं.	राजशेखर कवि
६६२७	उद्भटकाव्यालंकार सारसंग्रह लघुवृत्तिसहित	२४	सं.	मू. उद्भट, वृ. प्रतीहारेन्दुराज
६६२८	काव्यकल्पलताविवेक	११७	सं.	
६६२९	रुद्रटकाव्यालङ्कार टिप्पनक	४२	सं.	नमि साधु
६६३०	गौडवधमहाकाव्य सटीक	६७	प्रा.सं.	मू. वाक्पतिराज, टी.उपेन्द्र हरिपाल
६६३१	तिलकमञ्जरीकथा टिप्पणीसहित	१२१	सं.	महाकवि धनपाल
६६३२	उदयसुन्दरीकथा	६१	सं.	सोढल
६६३३	वेणीसंहार नाटक	२१	सं.	भट्ट नारायण
६६३४	नागानन्द नाटक	१७	सं.	महाकवि श्रीहर्ष
६६३५	कौमुदीमित्राणन्द नाटक	२१	सं.	रामचन्द्रसूरि
६६३६ (१)	हम्मीरमर्दन नाटक	१८	सं.	१. जयसिंहसूरि
६६३६ (२)	वस्तुपालप्रशस्ति	१८	सं.	२. जयसिंहसूरि
६६३६ (३)	वस्तुपालस्तुतिकाव्य	१८	सं.	
६६३७	चन्द्रलेखाविजयप्रकरण	१९	सं.	देवचन्द्रसूरि
६६३८	कर्पूरमञ्जरीसट्टकबृहत्टीका–कर्पूरमञ्जरी कर्पूरकुसुमभाष्य	३१	सं.	प्रेमराज
६६३९	विदग्धमुखमण्डन	६	सं.	धर्मदास
६६४०	रामचरितमहाकाव्य	८९	सं.	अभिनन्द कवि
६६४१	जयन्तविजयमहाकाव्य	३८	सं.	अभयदेवाचार्य
६६४२	कादम्बरीकथा	९५	सं.	महाकवि बाण अने पुलिन्द्र
६६४३	व्यक्तिविवेककाव्यालङ्कार	३९	सं.	राजानक महिमक
६६४४	कविकण्ठाभरण	४	सं.	क्षेमेन्द्र अपरनाम व्यासदास
६६४५	वाग्भटालङ्कार	४	सं.	मन्त्री वाग्भट
६६४६	शृङ्गारतिलककाव्यालङ्कार	७	सं.	रूद्रकवि
६६४७	रुद्रटालङ्कार–रूद्रटकाव्यालङ्कार	१४	सं.	रुद्रट
६६४८	रुद्रटालङ्कार–टिप्पनकसहित	५७	सं.	मू. रुद्रट टी. नमिसाधु
६६४९	काव्यप्रकाश	६३	सं.	राजानक मम्मट
६६५०	काव्यप्रकाश दीपिका	२९	सं.	जयन्त भट
६६५१	काव्यप्रकाश संकेत	४९	सं.	माणिक्यचन्द्रसूरि
६६५२	कविशिक्षा स्वोपज्ञवृत्तिसहित	५९	सं.	अमरचन्द्रसूरि
६६५३	अनर्घराघवनाटक	२९	सं.	मुरारिकवि
६६५४	अभिज्ञानशाकुन्तलनाटक	२२	सं.	महाकवि कालिदास
६६५५	रत्नावलि नाटिका	२३–२५	सं.	महाकवि श्रीहर्ष
६६५६ (१)	प्रबुद्धरौहिणेयप्रकरण	१–१५	सं.	(१) रामभद्र कवि
६६५६ (२)	निर्भयभीमव्यायोग	१५–१७	सं.	२. रामचन्द्रसूरि
६६५७	पार्थपराक्रमव्यायोग	६	सं.	प्रह्लादन कवि
६६५८ (१)	षट्कारक	१–९	सं.	रभसनन्द
६६५८ (२)	क्रियाकलाप	९–१६	सं.	विद्यानन्द कवि
६६५९	नीतिवाक्यामृत	२०	सं.	सोमदेवसूरि
६६६०	विज्ञप्तित्रिवेणी	१७	सं.	
६६६१	सन्मतितर्क तत्त्वबोध–विधायिनीटीकासहितप्रथमखण्ड	२००	प्रा.सं.	मू.सिद्धसेन दिवाकर, टी. अभयदेव तर्कपञ्चानन
६६६२	धर्मसङ्ग्रहणी सटीक	१४४	सं.	मू. आचार्य हरिभद्र, टी. मलयगिरिसूरि
६६६३	रत्नाकरावतारिका प्रमाणनय–तत्त्वालोकालङ्कारलघुवृत्ति	६४	सं.	रत्नप्रभाचार्य

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता
६६६४	अन्ययोगव्यवच्छेदद्वात्रिंशिका स्याद्वादमञ्जरीनाम्नीटीकासह	५९	सं.	मू. हेमचन्द्राचार्य, टी. मल्लिषेणाचार्य
६६६५	न्यायकन्दली	८९	सं.	श्रीधर
६६६६	तार्किकरक्षा व्याख्यानसार	२८	सं.	वरदराज
६६६७	तार्किकरक्षा लघुदीपिका वरदराजीलघुटीका	२८	सं.	
६६६८	खण्डनखाद्यसूत्र	५९	सं.	श्रीहर्ष
६६६९	प्रमाणमञ्जरीटिप्पन	१२	सं.	
६६७०	न्यायावतारसूत्र वृत्तिसहित	२८	सं.	मू. सिद्धसेन दिवाकर, वृ. सिद्धव्याख्यानिक
६६७१	न्यायावतारवृत्तिटिप्पन	१५	सं.	मलधारी देवभद्रसूरि
६६७२ (१)	न्यायसारसूत्र	४९	सं.	(१) भासर्वज्ञ
६६७२ (२)	न्यायसारसूत्र न्यायतात्पर्य-दीपिका	४९	सं.	२. जयसिंहसूरि
६६७३	महाविद्याविडम्बन टिप्पणीसहित	२०	सं.	वादीन्द्र
६६७४	पदार्थतत्त्वनिर्णय	२४	सं.	आनन्दानुभव
६६७५	प्रमेयरत्नकोष	१७	सं.	चन्द्रप्रभसूरि
६६७६	तर्कसङ्ग्रह	३०	सं.	आनन्दज्ञान
६६७७	अनेकान्तजयपताकावृत्ति	१३०	सं.	हरिभद्राचार्य
६६७८	न्यायतत्त्वविवेक	३-२४	सं.	उदयकर
६६७९	तत्त्वसङ्ग्रहसूत्र	६६	सं.	शान्तरक्षित
६६८०	तत्त्वसङ्ग्रहपञ्जिका	२६०	सं.	कमलशील
६६८१	न्यायबिन्दुटीका	२८	सं.	आचार्य धर्मोत्तरपाद
६६८२	न्यायकन्दली न्यायकुसुमोद्र-मोदयव्याख्या	६७	सं.	वोम्मीदेव
६६८३	न्यायकुसुमाञ्जलि	३६	सं.	उदयनाचार्य
६६८४	प्रशस्तपादभाष्य-वैशेषिकभाष्य	१२	सं.	प्रशस्तपादाचार्य
६६८५	न्यायकुसुमाञ्जलिपरिमल प्रथमस्तबक	१६	सं.	महोपाध्याय श्रीदिवाकर
६६८६	न्यायमकरन्द न्यायोपदेशमकरन्द	२९	सं.	आनन्दबोध
६६८७	पदार्थरत्नमंजूषा	६	सं.	कृष्ण पण्डित
६६८८	अनेकान्तजयपताकोद्योतदीपिका-वृत्तिटिप्पनक	२८	सं.	मुनिचन्द्रसूरि
६६८९	प्रमाणनयतत्त्वालोकालङ्कार स्वोपज्ञ स्याद्वादरत्नाकरवृत्तिसह प्रथमखण्ड	१८२	सं.	वादीदेवसूरि
६६९०	रत्नाकरावतारिकाटिप्पनक	३२	सं.	ज्ञानचन्द्र
६६९१	प्रमाणकलिकासूत्र तथा प्रमाणकलिकावृत्ति	४६	सं.	शान्त्याचार्य
६६९२ (१)	षड्दर्शनसमुच्चय लघुवृत्तिसहित	२५	सं.	
६६९२ (२)	षड्दर्शनसमुच्चय मूल	२५	सं.	
६६९२ (३)	न्यायावतारपञ्जिकाबीजक	२५	सं.	
६६९३	पदार्थतत्त्वनिर्णय तत्त्वविवेकविवरण	६१	सं.	आनन्दज्ञान यति
६६९४	खण्डनभक्तिकाविभजन-खण्डनटीका	१९१	सं.	आनन्दपूर्ण
६६९५	श्रेयांसचरित्रमहाकाव्य	९१	सं.	मानतुङ्गसूरि
६६९६	शान्तिनाथचरित्रमहाकाव्य	१०२	सं.	मुनिदेवसूरि
६६९७	त्रिषष्टिशलाकापुरुषचरित्रमहा-काव्य पञ्चमपर्व-शान्तिनाथचरित्र	३८	सं.	हेमचन्द्राचार्य
६६९८	पद्मचरित्र(पउमचरिय	१५३	प्रा.	विमलाचार्य
६६९९	त्रिषष्टिशलाकापुरुषचरित्रमहा-काव्य अष्टमपर्व नेमिनाथचरित्र	७२	सं.	हेमचन्द्राचार्य

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता
६७००	पार्श्वनाथचरित्रमहाकाव्य	१४०	सं.	भावदेवसूरि
६७०१	कुवलयमालाकथा	५१	सं.	रत्नप्रभसूरि
६७०२	शालिभद्रचरित्र	१९	सं.	धर्मकुमार
६७०३	पञ्चसङ्ग्रह सटीक	२१३	प्रा.सं.	मू. चन्द्रर्षि महत्तर टी. मलयगिरि
६७०४	वसुदेवहिण्डी प्रथमखण्ड	११३	प्रा.	संघदासगणि वाचक
६७०५	वसुदेवहिण्डी मध्यमखण्ड	१४९		मागधी-पैशाची धर्मसेनगणि महत्तर
६७०६	उपदेशमाला दोघट्टीवृत्तिसहित	१६२	प्रा.सं. अप.	मू. धर्मदासगणि वृ. रत्नप्रभाचार्य
६७०७	नवपदप्रकरण सटीक	१४५	प्रा.सं.	मू. जिनचन्द्रगणि, टी. यशोदेवसूरि
६७०८	विवेकमञ्जरीप्रकरण सटीक	१२८	प्रा.सं.	मू. आसड, वृ. बालचन्द्रसूरि
६७०९	पार्श्वनाथचरित्र प्राकृत	१७०	प्रा.	देवभद्रसूरि
६७१०	पृथ्वीचन्द्रचरित्र	११५	प्रा.	शान्तिसूरि
६७११ (१)	चैत्यवन्दन, २. वन्दनक, ३. प्रत्याख्यान सूत्र लघुवृत्ति तथा ४. श्राद्धप्रतिक्रमण वृत्ति	१३	सं.	बधाना कर्ता तिलकाचार्य
६७१२	श्रमणप्रतिक्रमणसूत्रवृत्ति	५	सं.	बधाना कर्ता तिलकाचार्य
६७१३	ओघनिर्युक्ति	२०	प्रा.	भद्रबाहुस्वामि
६७१४	ओघनिर्युक्ति अवचूरि	४८	सं.	
६७१५ (१)	पाक्षिकसूत्र वृत्ति	५२	सं.	(१) यशोदेवसूरि
६७१५ (२)	जयतिहुअणस्तोत्रवृत्ति	५२	सं.	
६७१६ (१)	पिण्डविशुद्धिप्रकरण दीपिकासह	१६	प्रा.सं.	(१) मू.जिनवल्लभ-गणि, दी. उदयसिंह

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता
६७१६ (२)	अजितशान्तिस्तव सटीक	१६	प्रा.सं.	२. मू. नन्दिषेण वृ. गोविन्दाचार्य
६७१७ (१)	प्रयोगसमुच्चय सवृत्तिक	१-७		
६७१७ (२)	समासविशेषभेद	७मुं	सं.	
६७१७ (३)	संवेगद्रुमकन्दली	७-८		३. ब्रह्मचन्द्र अपरनाम विमलाचार्य
६७१८ (१)	उपसर्गहरस्तोत्र वृत्तिसहित	९	प्रा.सं.	वृ. जिनप्रभसूरि
६७१८ (२)	भयहरस्तोत्र वृत्तिसहित	९	प्रा.सं.	वृ. जिनप्रभसूरि
६७१९	समयसारप्रकरण स्वोपज्ञटीकासहित	३५	सं.	देवानन्दसूरि
६७२०	प्रवचनसारोद्धारप्रकरण	३१	प्रा.	नेमिचन्द्रसूरि
६७२१	सङ्घपट्टक सटीक	६७	सं.	जिनवल्लभसूरि
६७२२	दमयन्तीचम्पूकथाटीका	३१	सं.	चण्डपाल कवि
६७२३	गणधरसार्धशतकप्रकरण लघुवृत्तिसह	२१	प्रा.सं.	मू. जिनदत्तसूरि, लघु वृ. सर्वराजगणि
६७२४	प्रवचनसारोद्धार विषमपदपर्याय	४२	सं.	उदयप्रभसूरि
६७२५	योगशास्त्रवृत्तिगतकथा	३०	सं.	हेमचन्द्राचार्य
६७२६	अनुयोगद्वारसूत्रलघुटीका	५३	सं.	आ. हरिभद्रसूरि
६७२७	विशेषावश्यकमहाभाष्य	६०	प्रा.	जिनभद्रगणि क्षमाश्रमण
६७२८	रत्नाकरावतारिकापञ्जिका-टिप्पनक	१७	सं.	राजशेखर
६७२९	मुरारिनाटक टिप्पनक	४५	सं.	मलधारी नरचन्द्रसूरि
६७३०	बृहत्क्षेत्रसमासप्रकरण वृत्तिसहित	६०	प्रा.सं.	मू. जिनभद्रगणि क्षमाश्रमण वृ. उपकेशगच्छीय सिद्धसूरि
६७३१	भगवतीसूत्रचूर्णि	८०	प्रा.	
६७३२	सूर्यप्रज्ञप्तिउपाङ्गसूत्र	५६	प्रा.	